विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 73 अंक 91 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 29 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 10, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

जिन्हें हम प्रेम करते हैं,
वे चीजें हमें बताती हैं
कि हम कौन हैं।
-थॉमस एक्विनास

सिंहस्थ की तैयारी: शटल सेवा के रूप में इंदौर और उज्जैन के बीच चलेगी 'नमो भारत ट्रेन', 160 किमी प्रति घंटा होगी रफ्तार, ट्रायल किया गया पूरा

जागरण, इंदौर। इंदौर से उज्जैन के बीच वंदे भारत मेट्रो शटल सेवा शुरू होगी। यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। इससे इंदौर से उज्जैन का सफर मात्र 40 से 45 मिनट में पूरा होगा। इस वंदे भारत मेट्रो को 'नमो भारत ट्रेन' के नाम से भी जाना जाएगा। इसके लिए रेलवे मंत्रालय ने योजना बनाई है। इसके लिए नया ट्रैक बिछाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और यह ट्रेन मौजूदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ेगी। रेलवे ने इस मार्ग पर पहले ही 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैक का सफल ट्रायल पूरा कर लिया है।

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि केंद्र सरकार ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सिंहस्थ में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेल मंत्रालय व्यापक इंतजाम कर रहा है। रेल मंत्रालय इंदौर, उज्जैन एवं आसपास के स्टेशनों से 300 से अधिक ट्रेनों का संचालन करेगा। इंदौर-उज्जैन रूट पर वंदे भारत मेट्रो शटल सेवा के रूप में संचालित होगी। यह एसी एवं नॉन-एसी कोच सहित आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। सांसद लालवानी ने बताया कि वंदे भारत मेट्रो वर्तमान रेलवे ट्रैक पर ही चलेगी। आमतौर पर मेट्रो के लिए अलग ट्रैक की जरूरत होती है, लेकिन इस सेवा के लिए नया ट्रैक बिछाने की आवश्यकता नहीं होगी।

12 कोच वाली मेट्रो में सभी आधुनिक सुविधाएं

रेलवे सूत्रों के अनुसार वंदे भारत मेट्रो ट्रेन विश्वस्तरीय 12 कोच वाली होगी। इसके कोच विशेष रूप से डिजाइन किए जा रहे हैं, जिनमें मेट्रो जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पहली ट्रेन काशी में शुरू की जाएगी, इसके बाद इंदौर-उज्जैन रूट पर यह सुविधा मिलेगी। इंदौर में सिंहस्थ से पहले लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन को करीब 55 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा है। इसमें 45 करोड़ से स्टेशन के विकास कार्य और 10 करोड़ से फुट ओवरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।

एक साथ 3,200 यात्री कर सकेंगे सफर

ट्रेन मात्र 5 सेकंड में 50 किमी प्रति घंटे से अधिक रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। सिंहस्थ से पहले इंदौर-उज्जैन मार्ग पर संचालित होने वाली इस ट्रेन में 1150 से अधिक यात्रियों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी, जबकि दो हजार यात्री खड़े होकर भी सफर कर सकेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन को तेज गति के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। कुछ मार्गों पर इसकी अधिकतम डिजाइन स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटा है, जबकि परिचालन गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

ऑफ बीट

मराठी नहीं बोली, तो घोंटा 6 साल की बेटी का गला

महाराष्ट्र के नवी मुंबई के कलांबोली इलाके से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपनी छह साल की बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी महिला बेटे की चाहत रखती थी और बच्ची के मराठी की बजाय हिंदी बोलने से नाराज रहती थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला ने इस हत्या को छिपाने के लिए शुरुआत में बच्ची की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने विशेष पोस्टमॉर्टम कराया, जिसमें सांस की नली में रुकावट के संकेत मिले। इसके बाद माता-पिता से गहन पूछताछ की गई। करीब छह घंटे की पूछताछ के बाद महिला ने आखिरकार अपनी बेटी का गला घोंटने की बात कबूल कर ली। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी महिला का मानसिक इलाज भी चल रहा था।

मारपीट के मामले में हुमायूं का बेटा गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद, जेएनएन। तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर के बेटे गोलाम नबी आजाद (रॉबिन) को मुर्शिदाबाद पुलिस ने रविवार को मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि गोलाम ने पिता के निजी सुरक्षा अधिकारी कांस्टेबल जुम्मा खान के साथ मारपीट की। कांस्टेबल जुम्मा खान ने शिकायत में बताया कि घर जाने के लिए छुट्टी मांगने पर गोलाम ने उनके साथ मारपीट की। यह घटना हुमायूं कबीर के कार्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर हुई, जहां उस समय कई लोग मौजूद थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोलाम नबी को हिरासत में लिया। बेटे की गिरफ्तारी पर हुमायूं कबीर ने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर की जा रही है।

माहेश्वरी महाकुंभ में शिरकत करेंगे सिक्किम के राज्यपाल

जोधपुर। माहेश्वरी महाधिवेशन व ग्लोबल एक्सपो के प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर को इस मेगा इवेंट में बतौर अतिथि शिरकत करने का न्योता दिया। माथुर ने सहर्ष निमंत्रण स्वीकारते हुए 11 जनवरी को महाकुंभ में शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की। इस दौरान माथुर ने कहा कि माहेश्वरी महाकुंभ माहेश्वरी समाज के लिए ही नहीं अपितु सर्वसमाज के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। प्रतिनिधि मंडल में पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल डागा, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश मंत्री सत्यनारायण भट्टड़, जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष दिनेश झंवर, जोधपुर माहेश्वरी समाज से राजीव मूंदड़ा, मनीष शारदा, महासभा कार्यकारिणी सदस्य सीताराम राठी तथा टीम एमजीई के अर्पित धूत उपस्थित थे।

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

कई बड़े अंतरराष्ट्रीय मामलों, प्राकृतिक घटनाओं ने दुनिया भर में उथल पुथल मचाई *(पेज-8 पर)*

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने किया 2025 की प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र, बोले-

'ऑपरेशन सिंदूर' राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, जेएनएन। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पाकिस्तान का दोमुंहापन एक बार फिर सामने आ गया है। पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने रविवार को परस्पर विरोधी और तनावपूर्ण बयान दिए। वहीं भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 129वें एपिसोड में 2025 की प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र किया और कहा कि यह साल भारत के लिए गर्व भरे मील के पत्थरों से भरा रहा। साल के आखिरी एपिसोड में उन्होंने 2026 की चुनौतियों, संभावनाओं और विकास के एजेंडे पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा, 'दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता' उन्होंने कहा। 'वोकल फॉर लोकल' की भावना का जिक्र करते हुए पीएम ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ा है।

मन की बात में देश की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए पीएम ने राष्ट्रीय सुरक्षा, खेल, वैज्ञानिक नवाचार और वैश्विक मंचों, हर क्षेत्र में भारत के प्रभाव पर बात की। उन्होंने कहा, '2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए, जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ। देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक और विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक भारत ने अपनी मजबूत छाप छोड़ी।' इस दौरान उन्होंने मणिपुर के सोलर पैनल अभियान से लेकर दुनिया में भारतीय भाषाओं की गूंज का जिक्र करते हुए कहा कि 'अब भारत 2026 में नई उम्मीदों, नए संकल्पों और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।'

कश्मीर का 2 हजार साल पुराना इतिहास

पीएम ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां के ऊंचे टीले प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानव-निर्मित हैं। फ्रांस के एक संग्रहालय में मिले धुंधले चित्र में बारामूला के तीन बौद्ध स्तूप दिखाई देते हैं, जो कश्मीर के दो हजार साल पुराने गौरवशाली इतिहास की ओर इशारा करते हैं।

एंटीबायोटिक के दुरुपयोग पर चिंता

पीएम मोदी ने एंटीबायोटिक दवाओं के बढ़ते और बिना सलाह उपयोग पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि आईसीएमआर की हालिया रिपोर्ट के अनुसार निमोनिया और यूटीआई जैसी बीमारियों में कुछ दवाएं कमजोर साबित हो रही हैं, जिसकी बड़ी वजह बिना सोचे-समझे दवाओं का सेवन है। पीएम ने अपील की कि लोग डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक न लें।

इधर, ऑपरेशन सिंदूर पर फिर सामने आया पाक का दोमुंहापन

स्वीकारोक्ति: ऑपरेशन सिंदूर में 11 एयरबेस को नुकसान: पाकिस्तान ने फिर स्वीकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने उसके प्रमुख सैन्य ठिकाने नूरखान एयरबेस पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया था। उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि भारत ने महज 36 घंटे में पाक की ओर 80 ड्रोन भेजे थे, जिनमें से एक एयरबेस तक पहुंचा और हमले में कई सैनिक घायल हुए। साल के आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में डार ने बताया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के अन्य सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए, जिनसे कुल मिलाकर 11 एयरबेस प्रभावित हुए।

धमकी: जरदारी बोले- दोबारा युद्ध को तैयार: कराची में पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की पुण्यतिथि पर आयोजित रैली में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा कि मई में हुए संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने भारत के हमलों का मजबूती से जवाब दिया, जिसके बाद भारत सरकार को यह समझ आ गया कि युद्ध 'बच्चों का खेल' नहीं है। जरदारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दोबारा युद्ध थोपा गया, तो पाकिस्तान पूरी तरह तैयार है।

दमन: पूर्व सैन्य अधिकारी आतंकी घोषित: पाक सरकार ने सेना के पूर्व अधिकारी आदिल रजा को शेड्यूल-4 के तहत आतंकवादी घोषित कर दिया है। इस फैसले के बाद मेजर (रिटायर्ड) आदिल रजा ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे अपने खिलाफ 'ट्रांसनेशनल दमन' की कार्रवाई बताया है। आदिल रजा का कहना है कि सत्ता और सैन्य नेतृत्व की आलोचना करने की कीमत उनसे वसूली जा रही है।

810 करोड़ की भावांतर राशि वितरण के दौरान सीएम का वादा

हर हुनरमंद युवा को रोजगार उपलब्ध कराएगी सरकार

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार ने हमेशा किसानों की समृद्धि और उनके संपूर्ण उत्थान की दिशा में काम किए है। प्रदेश के हर जरूरतमंद और हुनरमंद युवा को हमारी सरकार रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री रविवार को रतलाम के जावरा में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत किसानों को राशि वितरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 810 करोड़ रुपए की भावांतर राशि सिंगल क्लिक से 3.77 लाख से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों के बैंकखातों में अंतरित की।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में विकास का जो कारवां है, वह ऐसे ही चलता रहेगा। हमने जो भी कहा, उसे पूरा करके दिखाया है। भावांतर, केवल एक योजना नहीं किसानों के प्रति सरकार का श्रद्धाभाव है। यह किसानों के अधिकार और किसानों की समृद्धि के प्रति सरकार के संकल्प का प्रतीक है। किसानों के कल्याण के लिए हम कभी भी पीछे नहीं रहेंगे। नए वर्ष को हमने अन्नदाताओं के कल्याण को ही समर्पित किया है। 2026 में हम कृषि उत्सव मनाएंगे। इस दौरान आधुनिक तरीके से खेती, कृषि विस्तार सेवाएं और नई-नई तकनीकों को हम गांव-गांव तक पहुंचाएंगे। डॉ. यादव ने कहा हमारी सरकार प्रदेश में पशुपालन और दुग्ध पालन में भी वृहद स्तर पर वृद्धि करने की ओर तेजी से अग्रसर है। सीएम ने डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे के जीवन पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मौजूद विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि आज प्रदेश के लाखों किसान भावांतर जैसी योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार सफलतापूर्वक सर्वाहारा वर्ग के लिए कार्य कर रही है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जहां-जहां फसलों को नुकसान हुआ प्रदेश सरकार द्वारा वहां किसानों को राहत राशि प्रदान की गई है। उन्होंने डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे के जीवनकाल और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे जावरा एक ऐसा व्यक्तित्व है जिनके कृतित्व से क्षेत्र आलोकिक हुआ है। कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अभिनव रूप से जनकल्याणकारी कार्यों की शुरुआत की है। किसान के हित में कार्य करने वाले मुख्यमंत्री कृषक हित में सदैव अग्रणी रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान के दर्द को समझते हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश में भावांतर योजना लागू की है, जिससे किसानों को नुकसान से बचाकर मदद की जा रही है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी मौजूद रहे।

पुस्तक का विमोचन

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'मालवा के गांधी' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय की जीवनी पर केन्द्रित पुस्तिका का विमोचन भी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर लगी कृषि विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अमेरिकी मीडिया का दावा: हिमालय तक सड़कें, सुरंगें, एयरस्ट्रिप बना रहा भारत

चीनी सैनिकों से गलवान झड़प के बाद तेज हुआ निर्माण

बीजिंग/नई दिल्ली, जेएनएन। भारत हिमालयी क्षेत्रों में चीन से किसी भी संभावित टकराव से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर सड़कें, सुरंगें और हवाई पट्टियां (एयरस्ट्रिप) विकसित कर रहा है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद इस निर्माण कार्य में तेजी आई। रिपोर्ट का दावा है कि इन परियोजनाओं से सीमा चौकियों तक हथियारों और जरूरी सैन्य आपूर्ति की पहुंच काफी आसान हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, गलवान झड़प ने भारत-चीन के बीच करीब 2200 मील लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की लॉजिस्टिक्स प्रणाली की कमजोरियों को उजागर किया था। दशकों से चीन ने अपनी सीमा पर रेल और सड़कों का व्यापक नेटवर्क खड़ा किया है, जबकि भारत पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में सैनिकों की त्वरित तैनाती के लिए जरूरी आधारभूत ढांचे में पीछे रहा। 2020 की झड़प के दौरान, 14 हजार फीट की ऊंचाई पर दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने थे।

जोजिला सुरंग है अहम कड़ी

भारत के नॉर्दर्न कमांड के पूर्व कमांडर दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि इन परियोजनाओं का मकसद ऊंचाई पर स्थित सैन्य चौकियों को उन नागरिक बस्तियों से जोड़ना है, जो सर्दियों में महीनों तक कट जाती हैं। सबसे अहम परियोजनाओं में जोजिला सुरंग शामिल है, जिसे लगभग 11,500 फीट की ऊंचाई पर बनाया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट 2020 संघर्ष के कुछ महीनों बाद शुरू हुआ और इसकी लागत 750 मिलियन डॉलर (करीब 6,734 करोड़ रुपये) से अधिक बताई गई है। इसे 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

दबंगई: जबलपुर में नाबालिगों ने छात्रों को पीटा, पैर पड़वाये दमोह में वन चौकी से जब्त हथियार-दस्तावेज लूट ले गए

जागरण, जबलपुर/दमोह। कम उम्र में की गई बदमाशी आगे चल कर क्या अंजाम लेती हैं। प्रदेश की दो घटनाओं ने इसे बखूबी समझा जा सकता है। जहां जबलपुर में अपनी दादागिरी चमकाने तीन नाबालिग ने कुछ और साथियों को लेकर अपनी ही क्लास में पढ़ने वाले दो छात्रों की हॉकी-डंडों और थप्पड़ों से पिटाई लगा दी। फिर उनसे पैर पड़वाते हुए वीडियों बनाकर पोस्ट कर दिया। वहीं दमोह में पकड़े गए शिकारी का पिता अपने साथियों को लेकर वन चौकी में घुस गया। वन कर्मियों को धमकाते हुए बेटे से जब्त किए गए बंदूक, चाकू, कारतूस और दस्तावेज लूटकर फरार हो गया।

जबलपुर: भाई बनने के लिए मारपीट, फरार

जबलपुर के मझौली में स्कूल और गांव में अपना दबदबा बनाने के लिए नाबालिग लड़कों ने अपने दो सहपाठी छात्रों को बेरहमी से पीटा। उनसे पैर पड़वाकर माफी मंगवाई। आरोपियों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। पीड़ित छात्रों के परिजनों ने नामजद शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपी शासकीय स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र हैं। वीडियो में दो छात्रों से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वे हॉकी, बेसबॉल के बेट से मारते दिखे। बेरहमी से पिटाई के बाद आरोपियों ने दोनों छात्रों से जबरन पैर पड़वाए। घटना के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

दमोह: शिकारी के परिजनों ने की लूट

जिले की सुरेखा बीट में वन विभाग की गश्ती टीम ने जंगल में हथियार लेकर थार गाड़ी से घूम रहे लोगों को पकड़ा था, इनके पास से टीम ने बंदूक और कारतूस बरामद किए थे। वन कर्मी जब कार्रवाई कर रहे थे, तभी पकड़े गए शिकारी छोटू खान का पिता बाबर खान पहुंचा। साथियों के साथ आए शिकारी के पिता ने वन कर्मियों को धमकाया। फिर बेटे से जब्त किए गए चाकू, 12 बोर की बंदूक और 11 जिंदा तथा एक चला हुआ कारतूस लूट कर फरार हो गया। शिकारी का पिता और उसके साथी हथियारों के साथ सरकारी दस्तावेज भी ले गए। हालांकि चाबी नहीं होने से थार नहीं ले जा सके। जबेरा थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

रिसर्च- स्टडी

एम्स भोपाल के रिसर्च ने राष्ट्रीय स्तर पर किए गए दो शोध को दी चुनौती

किशोरों में हाइपरटेंशन का प्रतिशत 7.6 नहीं सिर्फ 1.4

शहर के 824 बच्चों पर किया गया शोध, अध्ययन का तरीका बदलने से बदला परिणाम

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में हुए एक शोध ने राष्ट्रीय स्तर के दो शोध पत्रों को चुनौती दे दी है। एम्स भोपाल का शोध कहता है कि बच्चों में हायपरटेंशन यानी ब्लड प्रेशर की समस्या उतनी विकराल नहीं है, जितना इसे पूर्व के शोध पत्रों में बताया गया है। पूर्व के सर्वे में बताया गया कि 100 में से 7.6 फीसदी बच्चे हायपरटेंशन का शिकार हैं। जबकि एम्स भोपाल ने अपने शोध में पाया कि 100 में से महज 1.4 फीसदी बच्चों में हायपरटेंशन पाया गया है। यह शोध एम्स भोपाल के शिशु रोग विभाग द्वारा किया गया है।

पहला शोध: डेटा के आधार पर नजीता

भारत में हुए एक प्रमुख सिस्टमैटिक रिव्यू और मेटा-एनालिसिस जनरल के अनुसार, 10 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में हाइपरटेंशन की व्यापकता 7.6 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह रिपोर्ट 10 मई 2021 को प्रकाशित हुई है। जिसे प्रसिद्ध साइंटिफिक जर्नल प्लोज वन में प्रकाशित किया गया। इस शोध में शोधकर्ताओं ने वर्ष 1947 से लेकर 2020 तक भारत में हुए 55 से अधिक विभिन्न अध्ययनों का डेटा विश्लेषित किया था।

दूसरा शोध: सीएनएच का सर्वे

भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़ों की बात करें, तो कम्प्रीहेंसिव नेशनल न्यूट्रीशन सर्वे (सीएनएचएस) जो 2016 से 18 के बीच हुआ था। इसकी रिपोर्ट 2019 में भी इसी तरह के आंकड़े (लगभग 5 से 10 प्रतिशत के बीच) पेश किए थे। लेकिन 7.6 प्रतिशत का विशिष्ट आंकड़ा 2021 के मेटा-एनालिसिस से ही सबसे ज्यादा चर्चा में आया है। इस रिसर्च ने यह स्पष्ट किया कि भारत में हर 14 में से 1 किशोर हाइपरटेंशन का शिकार है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक चेतावनी है।

भोपाल एम्स का शोध: बार-बार किया गया आंकड़ों को चैक

एम्स भोपाल के शोधकर्ताओं ने जून और दिसंबर 2023 के बीच भोपाल के शहरी सरकारी स्कूलों के 824 किशोरों पर नजर रखी। हर बच्चे का नौ बार मैनुअल ब्लड प्रेशर चेक किया गया। तीन विजिट में से हर एक में तीन रीडिंग ली गईं, जिनके बीच एक सप्ताह का गैप था। इंटरनेशनल पीडियाट्रिक चार्ट का इस्तेमाल करके, टीम ने पूरे डेटा वाले 795 स्टूडेंट्स में 1.4 प्रतिशत की सही दर बताई। लड़कों पर लड़कियों की तुलना में ज्यादा असर पड़ा, 2.6 प्रतिशत लड़कों में हाइपरटेंशन के क्राइटेरिया पूरे हुए, जबकि लड़कियों में यह 0.2 प्रतिशत था। बीएमएस पीडियाट्रिक्स (अक्टूबर 2025) में पब्लिश हुई फाइंडिंग्स से पता चलता है कि एक बार की माप से बच्चों को गलत तरीके से बांटा जा सकता है। किशोरों में ब्लड प्रेशर तनाव, एक्टिविटी और माहौल के साथ बदलता रहता है। तीन विजिट में माप को दोहराने से, हाइपरटेंशन वाले किशोरों की संख्या में तेजी से गिरावट आई।

व्यस्कों में भी तीन बार किया जाता है चैक: गांधी मेडिकल कॉलेज के न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आयुष दुबे ने बताया कि कोई व्यक्ति हायपरटेंशन का मरीज है या नहीं, यह जानने के लिए भी एक प्रोटोकॉल का पालन करते हैं। मरीज का बीपी कम से कम तीन अलग-अलग मौकों (विजिट) पर चेक किया जाना चाहिए। ये विजिट आमतौर पर 1 से 4 सप्ताह के अंतराल पर होनी चाहिए। यदि तीनों बार की औसत रीडिंग उच्च आती है, तभी इसे हाइपरटेंशन माना जाता है।

शोध से फायदा: एम्स की स्टडी इसलिए अहम हैं क्योंकि जितनी कम संख्या में मरीज होंगे, उनका प्रबंधन उतने बेहतर तरीके से किया जाएगा। एम्स रिसर्चर्स का कहना है कि साफ डायग्नोस्टिक क्राइटेरिया की जरूरत है ताकि जिन बच्चों को सच में देखभाल की जरूरत है, उनकी पहचान की जा सके, जबकि दूसरों को बेवजह की चिंता से बचाया जा सके।

उन्नाव रेप केस: जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हंगामा

पीड़िता और दोषी कुलदीप सेंगर के समर्थकों में झड़प

उन्नाव/नई दिल्ली, जेएनएन। उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड करने के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के दौरान रविवार को हंगामा हो गया। प्रदर्शन स्थल पर कुलदीप सेंगर के समर्थन में पहुंचे एक संगठन के कार्यकर्ताओं और रेप पीड़िता के पक्ष में धरना दे रहे लोगों के बीच तीखी नारेबाजी के बाद झड़प हो गई। प्रदर्शन के दौरान पीड़िता की अचानक तबीयत बिगड़ गई। योगिता ने इसका वीडियो साझा किया है। कुलदीप सेंगर के समर्थन में आए 'पुरुष आयोग' नामक संगठन के कार्यकर्ता हाथों में 'आई सपोर्ट कुलदीप सेंगर' लिखे बैनर लेकर नारे लगाने लगे। इस पर पीड़िता के समर्थन में प्रदर्शन कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना ने विरोध जताया, जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड करने के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा। यह याचिका दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देती है, जिसमें सेंगर को सशर्त जमानत दी गई थी। सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी।

टी-20 के सबसे बड़े स्कोर के साथ टीम इंडिया ने लगाया जीत का चौका (पेज : 11)

मतदान आज : कलेक्टर ने व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

रीवा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंचायत राज संस्थाओं के निर्वाचन में मतदान 29 दिसंबर को होगा। मतदान प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा। मतगणना 2 जनवरी को की जायेगी। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य के वार्ड क्रमांक 16 के लिए मतदान होगा। रायपुर कर्चुलियान जनपद पंचायत के तहत ग्राम पंचायत जरहा में सरपंच पद तथा जनपद पंचायत गंगेव में ग्राम पंचायत महमूदपुर में सरपंच पद के लिए मतदान होगा। जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में मतदान सामग्री का वितरण जनपद पंचायत कार्यालय रायपुर कर्चुलियान से किया जायेगा। मतगणना भी जनपद पंचायत कार्यालय में ही होगी। गंगेव जनपद पंचायत में सरपंच पद तथा जिला पंचायत सदस्य पद के लिए सामग्री का वितरण और मतगणना सीएम राइज सांदीपनि उ.मा.वि. गंगेव से होगा। कलेक्टर ने कहा है कि अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल मतदान तथा मतगणना दिवसों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति की व्यवस्था करें।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा आज आएगी रीवा

महामृत्युंजय मंदिर में सामूहिक रुद्र पूजा के साथ सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का दिव्य दर्शन आज

जागरण, रीवा। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा देश भर का भ्रमण करते हुए आज 29 दिसंबर को रीवा से होकर गुजरेगी। रीवा में किला स्थित महामृत्युंजय मंदिर में सामूहिक रुद्र पूजा के साथ लोगों को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का दिव्य दर्शन उपलब्ध हो सकेगे। महामृत्युंजय मंदिर परिसर में सोमवार को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा मौजूद रहेगी। यह जानकारी देते हुए आर्ट ऑट लिविंग फैमली रीवा की पदाधिकारी फरहद जैब ने बताया कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा देश भर के 12 राज्यों एवं 140 शहरों से होकर गुजरेगी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा के रीवा पहुंचने पर यहां महामृत्युंजय मंदिर में सामूहिक रुद्र पूजा एवं सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का दिव्य दर्शन का आयोजन किया गया है। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का संयोग एक हजार साल बाद हो रहा है। आर्ट ऑट लिविंग फैमली से जुड़ी फरहद जैव ने कहा कि यह रीवा के लोगों के लिएसुखद संयोग है कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा रीवा से होकर गुजरेगी और रीवा के लोगों के इसके दिव्य दर्शन होंगे। उन्होंने लोगों अपील की है कि अधिक से अधिक लोग सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा में उपस्थित होकर दिव्य ऊर्जा की अनुभूति का लाभ लें।

लाडली बहना योजना के लाभ से वंचित हो रही हैं हजारों पात्र महिलाएं

अपात्र महिलाओं के नाम कट तो रहे हैं लेकिन जोड़ने के लिए नहीं खुल रहा पोर्टल

जिले भर की हजारों महिलाओं को लाडली बहना योजना का पोर्टल खुलने का इंतजार

जागरण, रीवा। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई महत्वाकांक्षी लाडली बहना योजना वर्तमान में उन महिलाओं के लिए दिवास्वप्न बन कर रह गई है जो लाडली बहना योजना के लिए पात्र होने के बाद भी उसका लाभ पाने वंचित हैं। वर्तमान में लाडली बहना योजना के लिए पात्र महिलाओं की संख्या हजारों में पहुंच गई है। लेकिन लाडली बहना योजना के आवेदन के लिए पोर्टल नहीं खुलने से पात्र महिलाओं इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा लाडली बहना योजना की किस्त हर माह एक निश्चित तारीख को बाकायदा कार्यक्रम का आयोजन करके उनके खाते डाली जाती है लेकिन विधानसभा चुनाव 2023 में सरकार बनने के बाद से इस योजना में पात्र महिलाओं का नाम जोड़ने के लिए पोर्टल नहीं खोला गया है। राज्य सरकार की इस लापरवाही के चलते पात्र महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिले भर में लगभग चार लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है किन्तु सरकार बनने के बाद से वर्तमान तक में लाडली बहना योजना के लिए पात्र महिलाओं को पोर्टल खुलने का बेसब्री से इंतजार है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश की उन लाडली बहनों के नाम लगातार काटे जा रहे है जो लाडली बहना योजना के लिए अपात्र की श्रेणी में आ गई हैं, लेकिन योजना प्रारंभ होने के समय आवेदन करके योजना का लाभ प्राप्त कर लिया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की कई अपात्र लाडली बहनों के नाम योजना से कट कर दिए गए हैं, यानी उनको इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इस योजना में कुछ अपात्र महिलाओं के नाम भी जुड़ गये हैं जिन्हें चिन्हित किया जाकर उनके नाम काटे जा रहे हैं। इसके अलावा जिन महिलाओं की आयु 60 वर्ष से ज्यादा हो गई उनके नाम भी काटे जा रहे हैं। इस योजना का लाभ मध्य प्रदेश के 21 वर्ष से लेकर 60 वर्ष के बीच की महिलाओं को दिया जा रहा है।

जिले में चार लाख महिलाओं को मिल रहा है योजना का लाभ

प्रदेश सरकार प्रत्येक महीने के 10 तारीख को 1500 रुपए दे रही है। मध्यप्रदेश की लाडली बहना योजना में आवेदन के दौरान लगभग 1 करोड़ 31 लाख महिलाएं योजना का लाभ ले रही थीं जिसमें से कुछ ऐसे भी महिलाओं ने आवेदन कर दिया था जिन्हें इस योजना से कोई लेना-देना नहीं है। यानी इस योजना में ऐसी महिलाओं ने भी आवेदन किया था जो इस योजना के लिए अपात्र थीं। रीवा जिले में भी अपात्र महिलाओं की संख्या हजारों में बताई जा रही है। रीवा जिले में लगभग चार लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना को सिर्फ और सिर्फ मध्य प्रदेश की गरीब महिलाओं के लिए ही शुरू किया गया है लिहाजा लाडली बहना योजना की लिस्ट से उन महिलाओं का नाम हटाया गया है जो महिलाएं इस योजना का लाभ गलत तरीके से प्राप्त कर रही थी। इसके अलावा जिन महिलाओं की उम्र 60 वर्ष से अधिक हो चुकी थी उन्हें भी इस योजना की लिस्ट से नाम हटा दिया गया है। ऐसे में अब सभी मन में यह सवाल आ रहा है कि आखिर किस प्रकार से पता किया जाय कि लिस्ट से नाम कटा है अथवा नहीं। इसके लिए भी किसी को चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ऑलनाइन आसानी से पता किया जा सकता है कि किनका नाम लाडली बहना योजना की लिस्ट से काट दिया गया है। लेकिन इस योजना में पात्र होने वाली महिलाओं का नाम कब जुड़ेगा, इस बारे में कोई सुगबुगाहट नहीं हो रही है।

कॉंग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष आज आएंगे

रीवा। कांग्रेस सेवादल के शहर अध्यक्ष आनन्द कुशवाहा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आज 29 दिसम्बर को कॉंग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल के प्रभारी पी.एन. मिश्रा, सह प्रभारी सी.पी. गौतम एवं गजेन्द्र तिवारी प्रदेश अध्यक्ष यंग बिग्रेड सेवादल का एक दिवसीय संभागीय दौरे पर रीवा आगमन हो रहा है। इस तारतम्य में कॉंग्रेस सेवादल शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान में नेशनल ट्रेनिंग कैम्प किये हुये कॉंग्रेस के वरिष्ठ जनों का सम्मान समारोह व संभागीय बैठक 'श्री हनुमान वाटिका रतहरा कोष्टा' में समय 11:30 बजे कार्यक्रम रखा गया है।

मुख्य सचिव की वीडियो कान्फ्रेंसिंग 31 को

रीवा। मुख्य सचिव अनुराग जैन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के कार्यवाही विवरण में पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक 31 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से आयोजित की गई है। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी संभागीय अधिकारियों को एजेण्डा बिन्दुओं पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन कमिश्नर कार्यालय में प्रस्तुत करने तथा निर्धारित तिथि में बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

कोठी कम्पाउण्ड में उद्यान विभाग का कार्यालय अतिक्रमण से घिरा

दक्षिण तरफ के दरवाजे पर भी कर लिया गया है अतिक्रमण

जागरण, रीवा। कोठी कम्पाउण्ड में वेंकट भवन के सामने फूल मंडी विकसित होने के बाद से इसके आसपास अतिक्रमण तेजी से बढता जा रहा है। उद्यान विभाग कार्यालय की बाउंड्री में पहले जहां इक्कादुक्का अतिक्रमण था वहां पर अब अतिक्रमण का जाल बिछ गया है। यहां तक कार्यालय के दक्षिण तरफ के दरवाजे पर भी अतिक्रमण कर लिया गया है। यहां पर दर्जनों की संख्या में ऑनलाइन की दुकानों के साथ खाने-पीने की दुकानें खुली हुई हैं और लगातार फैलती जा रही हैं। नगर निगम द्वारा शहर के कोठी कम्पाउण्ड क्षेत्र को एक तरफ अतिक्रमण से मुक्त करने की कार्यवाही की जा रही है तो दूसरी तरफ अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में उद्यान विभाग के कार्यालय की पूरी बाउंड्री को अतिक्रमणकारियों ने घेर लिया है। साईं मंदिर के आसपास से हटाये गये कई अतिक्रमणकारियों ने भी यहीं पर अपनी गुमटियां जमा ली हैं। यहां पर कुछ गुमटियों में नशे की सामग्री भी बेचे जाने की खबर है। जहां पर नशे की सामग्री मिलती है वहां पर सुबह से लेकर देर शाम तक नशेड़ियों की भीड़ लगी रहती है। साईं मंदिर के सामने की गई कार्यवाही के पहले तक उद्यान विभाग कार्यालय के आसपास कुछ ही गुमटियां रखी हुई थीं लेकिन अब कहीं भी जगह खाली नहीं बची है। हालत यह है कि यहां पर गुमटियों में टेंट हाउस की दुकानें भी खुली हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अतिक्रमणकारी शहर में अभियान चलाकर खाली जगहों को घेर रहे हैं। इस मार्ग पर वाहन भी बेतरतीब खड़े किये जाते हैं जिससे जाम की स्थिति भी निर्मित होती है।

ई-केवाईसी नहीं कराने वालों की बंद हो जाएगी एलपीजी सब्सिडी

फर्जी कनेक्शनों को खत्म करने आधार कार्ड के जरिए करनी होगी पहचान -रसोई गैस सब्सिडी का दुरुपयोग को रोकने किया गया ई-केवाईसी अनिवार्य

जागरण, रीवा। एलपीजी गैस कनेक्शन के लिए सरकार द्वारा ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य एलपीजी सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकना और फर्जी कनेक्शनों को खत्म करना है। एलपीजी ई-केवाईसी प्रक्रिया के तहत ग्राहकों को अपने आधार कार्ड के जरिए अपनी पहचान की पुष्टि करनी होगी। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल वास्तविक उपभोक्ताओं को ही एलपीजी सिलेंडर मिल रही है और सब्सिडी का सही तरीके से उपयोग हो रहा है। एलपीजी ई-केवाईसी की शुरुआत के साथ सरकार का उद्देश्य पारदर्शिता लाना और रसोई गैस वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना है। एलपीजी गैस ई-केवाईसी एक इलेक्ट्रॉनिक केवाईसी प्रक्रिया है, जिसके तहत ग्राहकों को अपने आधार कार्ड और बायोमेट्रिक डेटा का उपयोग करके अपनी पहचान सत्यापित करनी होती है। यह प्रक्रिया ऑनलाइन या गैस वितरक एजेंसी के कार्यालय में जाकर पूरी की जा सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य फर्जी कनेक्शनों को खत्म करना और एलपीजी सब्सिडी का सही तरीके से उपयोग सुनिश्चित करना है। एलपीजी ई-केवाईसी को अनिवार्य बनाने के लिए मुख्य उद्देश्य फर्जी कनेक्शनों की पहचान, आधार कार्ड के माध्यम से ग्राहकों की पहचान सत्यापित करके फर्जी कनेक्शनों को पूरी तरह से खत्म करना है। सरकार का प्रयास है कि सब्सिडी का सही वितरण केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सब्सिडी मिलनी चाहिए, जिससे सरकार के वित्त की बचत होगी। सरकार ने अभी तक अंतिम तिथि घोषित नहीं की है। अगर कोई ग्राहक केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं करता है, तो उसकी गैस सिलेंडर आपूर्ति बंद हो सकती है और उसे सब्सिडी भी नहीं मिलेगी।

कैसे करें एलपीजी गैस ई-केवाईसी

ऑनलाइन केवाईसी करने की प्रक्रिया को पूरा करने के तीन तरीके हैं जिसके माध्यम से इसे तीन चरणों में पूरा किया जा सकता है। एलपीजी के ग्राहक अपने गैस प्रदाता एजेंसी इंडेन, भारत गैस या एचपी गैस की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जाएं। अपना एलपीजी उपभोक्ता नंबर और आधार नंबर दर्ज करें। अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी द्वारा अपनी जानकारी सत्यापित करें। सफल सत्यापन के बाद आपको एक पुष्टिकरण संदेश प्राप्त होगा।

ई-केवाईसी का उद्देश्य वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना

एक ही परिवार में एक से अधिक कनेक्शन होने के कारण सरकार को वित्तीय क्षति उठानी पड़ रही है। वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए एलपीजी ई-केवाईसी को अनिवार्य इसलिए बनाया गया है क्योंकि भारी मात्रा में फर्जी कनेक्शन पाए गए हैं, जिससे सरकार को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। कई लोग एक से अधिक कनेक्शन लेकर घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग कर रहे थे, जिससे सब्सिडी का दुरुपयोग हो रहा था। आधार आधारित ई-केवाईसी से इन समस्याओं को रोका जा सकता है।

सब्जी मण्डी की सड़क से अवैध कब्जा हटाने में नाकाम नगर निगम प्रशासन

खरीदारों के निकलने जगह तक नहीं बचती, सड़क का किराया वसूल रहे सब्जी व्यापारी

जागरण, रीवा। स्टेच्यू चौराहे पर स्थित सब्जी मण्डी की सड़कों पर पिछले कई वर्षों से यहां के किराएदारों ने ही अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। जिसे हटा पाने में नगर निगम नाकारा साबित हो रहा है। मण्डी की हालत ये है कि सड़क के दोनों ओर दुकानें सजा दिए जाने से एक व्यक्ति बीच में व्यवस्थित निकल पाए इतनी जगह भी नहीं रहती, लगभग 10-12 फीट चौड़ी सड़क अवैध कब्जे के कारण गुम होकर रह गई। मण्डी के आसपास सहित मण्डी के ही कुछ सब्जी व्यापारियों ने बताया कि जिन सब्जी व्यापारियों को यहां की दुकानें किराए पर दी गई हैं वहीं लोग सब्जी मण्डी में दुकानें लगाने वाले दुकानदारों को सड़क किराए पर उपलब्ध कराते हैं। जिसका किसी से प्रतिमाह से तो किसी से प्रतिदिन के मान से किराया वसूल कर नगर निगम की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। मण्डी के दुकानदारों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि वे लोग यहां के किराएदारों की दुकान के सामने अपनी सब्जी की दुकान लगा रहे हैं, जिसका किराया कोई प्रतिदिन 300 से 500 रुपए तो कोई मासिक 12 से 15 हजार रुपए किराया यहां के दुकानदारों को दे रहा है। एक- एक दुकान के सामने दो से तीन सब्जी व्यापारियों को स्थान दिया गया है, जिसमें व्यापारी को अपनी दुकान लगाना पड़ती है।

किराए से कई गुना राशि सड़क किराए से दे कमा रहे

मण्डी के जिन व्यापारियों को यहां की दुकानें अलॉट की गई हैं वे नगर निगम को प्रतिमाह नाममात्र किराया दे रहे हैं, जो मण्डी की सड़क किराए पर देकर स्वयं द्वारा दिए जाने वाले किराए से कई गुना राशि तो सड़क किराए पर देकर ही कमा रहे हैं। व्यापारियों की मानें तो यहां जिन व्यापारियों को पीछे स्थित चबूतरा में जगह दी गई थी वह भी अधिकांश व्यापारियों ने किराए पर दे रखी है। सब्जी मण्डी में गोरखधंधा आज से नहीं अपितु वर्षों से संचालित है, जिस पर नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा या फिर करना नहीं चाहता।

बसामन मामा गौअभ्यारण्य में नये साल में होगा गोलोक दर्शन महोत्सव

रीवा। बसामन मामा गौअभ्यारण्य में हजारों बेसहारा गौवंश को आश्रय दिया जा रहा है इसके साथ-साथ वहां प्राकृतिक खेती और जैविक खेती के कई माडल विकसित किये जा रहे हैं। बसामन मामा गौअभ्यारण्य में नये साल में एक जनवरी को गोलोक दर्शन महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में गौअभ्यारण्य प्रबंधन समिति के सचिव सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा है कि बसामन मामा तीर्थ के समीप ही गौअभ्यारण्य स्थित है। इसमें एक जनवरी को आयोजित गोलोक दर्शन में आमजनता गौशाला का भ्रमण करते हुए गायों का पूजन कर सकती है। इसके साथ-साथ प्राकृतिक खेती के लिए किये जा रहे विभिन्न प्रयोगों का देखने का भी अवसर आमजनता को मिलेगा। गौअभ्यारण्य में परंपरागत रसोइ की तरह भोजन गृह का निर्माण किया गया है। इसमें देशी प्रद्धति से निर्मित परंपरागत भोजन का आनंद भी आमजनता ले सकती है। भोजन शाला का संचालन गौफार्मा किसान संगठन द्वारा किया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि बसामन मामा में तैयार किये जा रहे प्राकृतिक के मॉडल में परंपरागत बीजों से अनाज की खेती की जा रही है। इनमें किसी भी तरह के रासायनिक, कीटनाशक और रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं किया जाता है। गोबर और गोमूत्र से तैयार खाद और जैविक कीटनाशकों का ही फसलों में उपयोग किया जाता है। गाय में 33 कोटि देवताओं का वास माना गया है। नये वर्ष के अवसर पर गौसेवा की प्राचीन परंपरा का अनुशरण करते हुए आमजनता को गौसेवा और प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए गोलोक दर्शन महोत्सव आयोजित किया गया है।

भाकपा ने धूमधाम से मनाया शताब्दी वर्ष

जागरण, रीवा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद रीवा द्वारा आशिर्वाद मैरिज गार्डन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का शताब्दी वर्ष हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के शताब्दी वर्ष समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव का. शैलेन्द्र कुमार शैली रहे। विशिष्ट अतिथि राज्य के पूर्व सचिव का. अरविंद श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय जबलपुर थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य का. हरिद्वार सिंह भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव रीवा का. गया प्रसाद मिश्रा ने की तथा सफल संचालन का. संजय नामदेव, सिंगरौली के रूप में प्रसिद्ध कम्युनिस्ट नेता, द्वारा किया गया। वक्ताओं ने स्थापना काल से लेकर आज़ादी तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा आज़ादी के बाद जनवादी गणराज्य की स्थापना के लिए पार्टी द्वारा किए जा रहे निरंतर संघर्ष की चर्चा की। सभा को संबोधित करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के का. अरविंद श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता, ने अपने उद्बोधन में किसानों के बुनियादी सवालों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के लालमणि त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 रीवा, उत्तर प्रदेश जौनपुर से महिला फेडरेशन की राष्ट्रीय नेता अंजू शास्त्री (एडवोकेट), का. रामानुज तिवारी, का. अरुण सिंह तिवारी (सतना), कमलेंद्र सिंह राम, सरोज कुशवाहा (सतना), का. हरिश्चंद्र पांडेय, का. सेवाराम त्रिपाठी (अध्यक्ष, प्रगतिशील लेखक संघ), अरुण पटेल, विभा पांडेय, रायचरण पटेल, नीरज कुशवाहा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर वरिष्ठ साथियों का शॉल, गुलदस्ता, श्रीफल, साल एवं प्रतीक-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

साहू सभा का चुनाव व सम्मेलन 11 जनवरी को सलकनपुर में

रीवा। जिला साहू समाज के जिलाध्यक्ष गोविन्द प्रसाद साहू ने बताया कि मप्र तैलिक साहू सभा भोपाल का चुनाव विजासन माता के दरबार सलकनपुर जिला सिहोर में आगामी 11 जनवरी को होने जा रहा है। जिसमें जिले के भी पदाधिकारियों को सम्मिलित होने एवं मानवाधिकार का प्रयोग करने हेतु आमंत्रित किया गया है। जिला साहू समाज अध्यक्ष गोविन्द प्रसाद साहू ने जिला साहू समाज एवं विभिन्न तहसील के पदाधिकारियों से उक्त कार्यक्रम में सलकनपुर पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की है।

पार्षद का चैम्बर बच जाए इसलिए नाले को ही घुमा दिया

सीधा नाला बनाने हुई थी मंजूरी, दो माह से हो रहे वार्डवासी परेशान

जागरण, रीवा। वार्ड क्रमांक 45 के रहवासी यहां बन रहे नाले के कारण पिछले दो माह से परेशान हो रहे हैं। वार्डवासियों ने आरोप लगाया है कि जहां नाला निर्माण किया जा रहा है वहां पर बीच में वार्ड पार्षद के मकान का चैम्बर आ रहा है, जिसे बचाने की कवायद में नाले को ही घुमा दिया गया है। 150 मीटर का नाला निर्माण स्वीकृत हुआ है, जो 70 मीटर बनाकर रोक दिया गया है, इसके बाद से निर्माण आगे नहीं बढ़ा। वार्ड में किसी के घर के सामने नाला खुदा है तो किसी की दुकान के सामने जिसके चलते कई लोग अपनी दुकानों की शटर तक नहीं खोल पा रहे, इस कारण उनका व्यवसाय प्रभारी हो रहा है। वार्डवासियों ने बताया कि वार्ड में शकुन यादव के घर से चोरहा नाला तक नाला निर्माण मंजूर किया गया था उस समय नाले का सीधा निर्माण किया जाना तय किया गया था, किन्तु उसे पेट्रोल पंप के पास से घुमा दिया गया है। वार्ड के लोगों ने बताया कि नाले को घुमा दिए जाने से कहीं 10 फीट तो कहीं 30 फीट का नाला हो गया है, दो माह से निर्माण कार्य चल रहा है जो अभी भी अपूर्ण पड़ा है, लोग परेशान हो रहे हैं। बच्चे, मवेशी नाले के लिए खोदी गई खाई में गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

ठंड का रिकार्ड टूटा, एक दिन में 2.6 डिग्री गिरकर 3.2 पर पहुंचा पारा

बढ़ी गलन, घरों में दुबकने को मजबूर लोग, दिन में भी ठिठुरन बढ़ी

जागरण, रीवा

उत्तर-पश्चिम साइबेरियन हवाओं ने रीवा में सिहरन पैदा कर दी है। एक दिन 2.6 डिग्री पारा लुढ़क गया है। हालात यह है कि दिन में भी रजाई में दुबकने को लोग विबश हो गए हैं। शहर क्षेत्र में हालात कुछ ठीक हैं ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों की सिंचाई के कारण ठिठुरन और बढ़ गई है। रीवा ने पचमढ़ी को भी पीछे छोड़ दिया है। रीवा में न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री है जबकि पचमढ़ी का तापमान 3.8 डिग्री रहा है।

इस सीजन ठंड कंपकंपी छुटा रही है। लगातार तापमान नीचे खिसक रहा है। अब सिर्फ 0 के करीब पहुंचने की बारी है। मौसम विभान ने रविवार को प्रदेश के जिलों का मौसम रिपोर्ट में तापमान का आंकड़ा जारी किया जो चौकाने वाला है। रीवा प्रदेश का तीसरा सबसे ठंडा जिला बन गया है। यहां का न्यूनतम तापमान नीचे गिर कर 3.2 डिग्री तक पहुंच गया है। इसके पहले शनिवार को जारी बुलेटिन में रीवा का तापमान 5.8 डिग्री दर्ज किया गया था। इससे तापमान में जारी गिरावट की तेजी का अनुमान लगाया जा सकता है। एक ही दिन में 2.6 डिग्री का तापमान में गिरावट आई है। कड़ाके की पड़ रही ठंड ने जनजीवन पूरी तरह से अस्तव्यस्त कर दिया है। रविवार को भी तेज ठंडी हवाएं दिन भर चलती रही। इसके कारण लोग घरों में ही दुबके रहे। मौसम तो खुला रहा लेकिन धुंध बराबर बनी रही।

दिनभर चलती रही बर्फीली हवा

रविवार को भी ठंड से लोगों को राहत नहीं मिली। दिन में धूप तो खिली लेकिन सूरज की किरणे सीखी नहीं थी। राहत नहीं मिली। दिन भर धुंध छाया रहा। शाम होते ही यह धुंध घना होता गया। रात में फिर गलन बढ़ गई। हवाओं का दौर जारी रहा। ठंडी हवाएं चलने से लोगों को अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ी।

बच्चों को नहीं मिली राहत

इस ठंड से बच्चों को राहत नहीं मिली है। शासन ने छुट्टी की घोषणा नहीं की है। ठंड की चपेट में पूरा जिला है। इसके बाद भी सिर्फ बच्चों के स्कूल समय में परिवर्तन किया गया है। स्कूल के समय में परिवर्तन करने से भी राहत नहीं मिल पा रही है। दिन का तापमान भी तेजी से नीचे खिसक रहा है। इससे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अस्पतालों में ठंड की चपेट में आने से बच्चों के बीमार होने के मामले भी बढ़ रहे हैं।

अलाव का सहारा

मुसाफिरों के लिए अलाव का सहारा है। इतना ही घरों में भी लोग ठंड से बचने अलाव का सहारा ले रहे हैं। दफ्तरों व घरों में हीटर का सहारा ले रहे हैं। बढ़ती ठंड के कारण दुकानों में हीटर की मांग भी बढ़ गई है।

घर-घर में सर्दी-जुकाम पीड़ित बढ़े गले का दर्द कर रहा बेचैन

विशेषज्ञों के अनुसार बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत

जागरण, रीवा। इन दिनों मौसम के बदलते मिजाज के कारण लोग सर्दी खांसी व जुकाम के शिकार हो रहे हैं। इलाज के लिये स्थानीय चिकित्सक सहित सरकारी अस्पताल पहुंचकर बीमारी का इलाज करा रहे हैं। अस्पतालों की ओपीडी में गले और जोड़ों में दर्द सहित सर्दी-जुकाम पीड़ित लगातार पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल सहित मेडिकल कॉलेज में इन बीमारियों से पीड़ितों की संख्या में इजाफा हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि ठंड के मौसम में लोगों को स्वस्थ रहने के लिये सावधानी बरतने की जरूरत है। सावधानी नहीं बरतने पर सर्दी-खांसी और बुखार होने की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में हल्की लापरवाही सेहत पर भारी पड़ सकती है। यह मौसम उम्रदराज, बच्चे, डायबिटिक, हाइपरटेंसिव एवं श्वास रोगियों के लिए विशेष सावधानी बरतने वाला है।

गले में खराश और दर्द

विशेषज्ञों के अनुसार मौसम के बदलाव से अधिकतर लोगों को गला में संक्रमण की शिकायत सामने आ रही है। ऐसे में लोगों को समय रहते ही इलाज करवाने की जरूरत है, क्योंकि ठंड पहले नाक को प्रभावित करती है। लगातार छींक आना, आंख और नाक से पानी गिरना, गले में दर्द होना, खराश होना आदि इसके लक्षण हैं। बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया होने की आशंका रहती है।

इन बातों का रखें ध्यान...

- सुबह और शाम गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकलें
- ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें
- गर्म और ताजा खाना ही खाएं
- खाने में हरी और पत्तेदार सब्जियां शामिल करें

बुजुर्ग रखें सावधानी

जिला अस्पताल के चिकित्सकों की माने तो ठंड से सीधा एक्सपोजर इन दिनों ठीक नहीं है। सर्दी के साथ कफ की समस्या हो सकती है। बुजुर्गों को भी विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। शुरुआती ठंड को लोग अक्सर नजर अंदाज करते हैं, जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए।

नेत्र विशेषज्ञ ने किए एक साथ 23 मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन

जागरण,रीवा। जनपद नईगढ़ी में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के अंतर्गत चयनित 23 मरीजों को उपचार हेतु रीवा लाया गया, जहाँ उनका जिला चिकित्सालय में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। सभी मरीजों का ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा ऑपरेशन के पश्चात रविवार को उन्हें पूर्णतः स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया। शिविर में मरीजों को जांच, ऑपरेशन, दवाइयाँ एवं परिवहन की समस्त सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान की गईं। इस शिविर में मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा कार्य नेत्र विशेषज्ञ डॉ.नेहा तिवारी द्वारा किया गया। उनके साथ डॉ.शुभम नामदेव ने भी सहयोग किया। बता दें कि नेत्र विशेषज्ञ डॉ.नेहा तिवारी द्वारा एक दिन में फिर से 23 मोतियाबिंद के ऑपरेशन किया गया। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ.प्रतिभा मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ.सुधीर वर्मा का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। नईगढ़ी के नेत्र सहायक बीएल तिवारी द्वारा शिविर का आयोजन कर मरीजों को उपचार हेतु रीवा भेजा गया। बताया गया कि जिले के जवा, हनुमना, गंगेव, गोविंदगढ़, मऊगंज, नईगढ़ी एवं गुढ़ विकासखंडों में इस प्रकार के निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सके। शिविरों के आयोजन व उपचार में समाजसेवी श्रेषा शुक्ला द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है।

स्थापना दिवस पर भाजपा पर हमलावर रहे कांग्रेसी

देश में किसी कीमत में नहीं पनपने देंगे गोडसे की विचारधारा: राजमणि

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस का किया गया आयोजन

जागरण, रीवा। जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस पार्टी की 140वीं वर्षगांठ पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल तथा महापौर अजय मिश्रा बाबा के विशिष्ट आतिथ्य में उर्रहट स्थित कांग्रेस कार्यालय मे एक विशाल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कांग्रेस भाजपा पर हमलावर रहे। पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल ने कहा कि आज देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विचारधारा एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित गोडसे की विचारधारा की लड़ाई चल रही हैं। स्थापना दिवस पर हम सबको यह संकल्प लेना चाहिए कि देश मे किसी भी कीमत पर गोड़से की विचारधारा को नही पनपने देगें। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने सन् 1885 से 1947 तक के कांग्रेस द्वारा किये गये संघर्ष त्याग और बलिदान की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आज देश जहां भी खड़ा है वह सब कांग्रेस पार्टी की देन हैं। हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों एवं महापुरूषों के त्याग को कायम रखना हर कांग्रेस जन का कर्तव्य हैं। श्री शर्मा ने कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिये गये विजन की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2026 हम लोगो के लिए कठिन संघर्ष एवं परिश्रम का वर्ष होगा हमें कांग्रेस पार्टी को वार्ड एवं ग्राम पंचायत वार उनकी बूथ कमेटियों को सशक्त बनाना एवं एस आई आर की खामियों को दूर करने का भागीरथ प्रयास करना होगा। इस अवसर पर महापौर अजय मिश्रा बाबा ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि अब इस पार्टी का काम केवल जाति एवं सम्प्रदाय संघर्ष कराकर सत्ता मे बने रहना हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू जी एवं कांग्रेस महान सपूतों के त्याग बलिदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे महान नेताओं का नाम इतिहास से हटाना चाहते हैं मनरेगा इसका ज्वलंत उदाहरण हैं। हम सब आज संकल्प ले कि हम भाजपा की इन चालो को सफल नही होने देगें। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण तिवारी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ इंटक नेता जी पी त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का आरंभ राष्ट्रपिता के चित्र पर माल्यर्पण एवं पुष्पांजली अर्पित कर तथा कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के पश्चात भारत माता की जयकारों के साथ किया गया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, कविता पाण्डेय, विद्यावती पटेल, डॉ शीला त्यागी, बबिता साकेत, विनोद शर्मा, शिव प्रसाद प्रधान, लखन लाल खण्डेलवाल, कुवंर सिंह पटेल, वसीम राजा, मुस्तहाक खान, तारा त्रिपाठी, डॉ विमल दुबे, राजेश मिश्रा बब्बू, प्रवीण पाण्डेय, डॉ स्वतंत्र कुमार सिंह, अनूप सिंह चंदेल, रोहन जान, निशांत सिंह, राजेन्द्र सिंह रिमारी, रामकीर्ति शर्मा, नजमा बेगम, रवि तिवारी, अमृतलाल मिश्रा, रामप्रकाश तिवारी डैडू, अमित चतुर्वेदी, गुले अहमद, लियाकत अली, डॉ संदीप पटेल, अरूण मिश्रा, राखी पाण्डेय, प्राची शुक्ला, नीलम पाण्डेय, प्रशांत सिंह, सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

चित्रांश कायस्थ समाज की महिला कार्यकारिणी मनोनीत

जागरण, रीवा। चित्रांश परिवार कायस्थ समाज के चुनाव उपरांत अध्यक्ष सुशील खरे द्वारा चित्रांश परिवार समिति कार्यकारिणी, पदाधिकारी एवं महिला आजीवन सदस्यों की सहमति से महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी की घोषणा की गई। शेष पदों पर मनोनयन शीघ्र किए जाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन द्वारका नगर स्थित माया इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। अध्यक्ष सुशील खरे ने बताया कि आगामी 1 जनवरी 2026 से प्रारंभ होने वाली कायस्थ समाज जनगणना के लिए मील का पत्थर साबित होगी। महिला प्रकोष्ठ में अध्यक्ष कुमुद श्रीवास्तव, सचिव डॉ. नीलम श्रीवास्तव का मनोनयन किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. पल्लवी श्रीवास्तव, मिता निगम, डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, मौसमी श्रीवास्तव, सविता श्रीवास्तव, सविता श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव, रक्षा श्रीवास्तव को मनोनित किया गया। संरक्षक एसके श्रीवास्तव, डॉ. अनिल श्रीवास्तव, अनिल खरे को मनोनित किया गया। इस अवसर पर राजेन्द्र निगम, पंकज श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरूष उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री से पतंग मेला लगाने का आग्रह

मकर संक्रांति को हिन्दू धर्म परिषद करेगा वृहद आयोजन

रीवा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भोपाल में प्रारंभ किये गये पतंग मेले की तर्ज पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से रीवा नगर में भी विशाल एवं भव्य राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पतंग मेला मप्र शासन द्वारा लगाकर समूचे भारतीय समाज को मकर संक्रांति नववर्ष को स्थापित करने का आग्रह हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी ने किया है, जिसका समर्थन राष्ट्रीय ब्राहमण महासभा के अध्यक्ष विजय मोहन तिवारी ने करते हुये समूचे ब्राहमण समाज से विन्ध्य वासियो को शामिल होने व संपर्क करने के निर्देश दिये हैं। श्री डिगवानी ने बताया कि हजारों सालों से मकर संक्रांति नववर्ष के केलेण्डर के अनुसार ही बने पंचाग से समूचे विश्व में भारतीय समाज द्वारा ज्योतिषियों और पंडितों से शुभ मुहुर्त निकलवाकर सभी शुभ कार्य संपन्न कराये जाते हैं और इसी मान्यता का पालन आज तक चला आ रहा है, क्योंकि यह सुविधा और किसी कैलेण्डर में नहीं है। अंग्रेजी कैलेण्डर सुविधा भोगी हो सकता है लेकिन धार्मिक परम्पराओं का पालन नही कराता है। विन्ध्य में गोविन्दगढ़, गुढ़, मनगंवा, चाक, मऊगंज, हनुमना, लालगांव में पतंग प्रतियोगितायें कराने की तैयारी किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है जिससे मकर संक्रांति नववर्ष के स्वागत करने की परम्परा पुनर्जीवित हो जायेगी। रीवा में विगत 27 वर्षों से पतंग मेला का आयोजन लगातार किया जा रहा है जिसमें नगर के सभी पतंगबाज बड़ी संख्या में शामिल होकर पतंग उड़ाते हैं। उसी के साथ समूचे विन्ध्य में बड़े उत्साह के साथ कई आयोजन कराये जाते हैं।

अयोध्या श्री भगवान राम जी के दर्शन के लिए युवा सिंधी समाज के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने अयोध्या के लिए किया प्रस्थान

रीवा। सनातन धर्म मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राजा रामचंद्र जी के दर्शन हेतु अयोध्या धाम एवं अन्य दर्शन स्थल हेतु 50 श्रद्धालुओं का एक जत्था रविवार दोपहर सिंधु भवन से स्पेशल बस द्वारा रवाना हुआ। महंत स्वामी एवं ब्राह्मण समाज द्वारा वैदिक रीति के मंत्रोचार के साथ सचखंड धाम के महंत कमल दास उदासी संत धाम के कृपाल दास जिज्ञासी ब्राह्मण समाज ी कोमल शर्मा एवं अन्य समाज के वरिष्ठ जनों के शुभकामनाओं के साथ सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष सरदार प्रहलाद सिंह जी, उपमुख्यमंत्री के निज सहायक राजीव तिवारी, विवेक दुबे, साहित्य परिषद राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के के गर्ग, वैश्य समाज के संभागीय अध्यक्ष अतुल जैन के सानिध्य में भगवा वस्त्र एवं श्री राम भगवान के ध्वज को लहराते हुए सनातन यात्रा में जा रही श्रद्धालुओं की लक्जरी बस को अयोध्या के लिये रवाना किया।

अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रीवा से साई स्वरूप दास उदासी, हुकूमत राय होतवानी, राजकुमार टिलवानी, कैलाश कोटवानी, शंकर साहनी, नंदलाल कोटवानी, गोपाल पुरी रमेश चंद्र कुंजलानी अजीत आहूजा सचिन दुडानी लक्ष्मण शिवनानी, गुलाब साहनी सुशील कुगंवानी दिलीप आसनानी महेश आसनानी रमेश आसनानी बंशीधर वाधवानी, विजय थावानी, विजय रिझवानी, ,मदन चंगवानी ,रामचंद घनशानी, आसन दास मोटवानी, अर्जुन खिलवानी, रतनलाल ठारवानी मोती केसवानी संजय चुंगवानी, संजीव गोपलानी आदि रहे।

जिला अस्पताल की पैथोलॉजी में आईडी हो रही जनरेट सैंपल कलेक्शन के साथ मांग रहे आधारकार्ड

मरीजों की आभा हेल्थ आईडी ने बढ़ाई मुसीबत, लंबी लाइन के बाद अब दस्तावेज की झंझट

जागरण, रीवा। जिला अस्पताल में आईपीडी और ओपीडी में आने वाले मरीजों के ब्लड सैंपल के साथ आभा हेल्थ आईडी बनाने के लिए आधार कार्ड लिए जा रहे हैं। यहां ओपीडी में ब्लड सैंपल के लिए लगने वाली लंबी लाइन के बीच आधार कार्ड नहीं लाने वाले मरीजों की समस्या बढ़ रही है। प्रचार-प्रसार के अभाव में मरीज पहचान आईडी नहीं ला रहे हैं, जिसके कारण उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक जिला अस्पताल में ओपीडी के लिए ब्लड सैंपल का कलेक्शन के लिए यहां लंबी लाइन लग रही है। मरीजों को ब्लड जांच सैंपल के लिए घंटों खड़ा रहना पड़ता है। अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नए आदेश ने मरीजों की मुसीबत और बढ़ा दी है। जिला अस्पताल आने वाले मरीजों को आभा हेल्थ आईडी बनाई जा रही है। इसके लिए ब्लड कलेक्शन के दौरान आने वाले मरीजों से आधार कार्ड मांगे जा रहे हैं। यहां आने वाले मरीजों को पहले से इस बात की जानकारी नहीं होने के कारण उन्हें समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लाइन में लगने के बाद उन्हें जब जानकारी लगती हैए तो फिर आधार कार्ड पहचान पत्र के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य मिशन के निर्देश पर बन रही

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अपर संचालक के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में आभा आईडी जनरेट की जा रही है। इसकी जिम्मेदारी पैथोलॉजी लैब का संचालन करने वाले एजेंसी को सौंपी गई है। एनएचएम के निर्देश है कि ओपीडी और आईपीडी में आने वाले 80 प्रतिशत मरीजों की जांच के पूर्व आभा आईडी को पोर्टल पर लिंक किया जाए। जिन मरीजों की आभा आईडी नहीं है, उनकी आईडी सेंपल कलेक्शन के दौरान जनरेट की जाए। हालांकि निर्देश में यह भी कहा गया है कि जिन मरीजों की आभा आईडी नहीं है, उन्हें जांच से वंचित नहीं किया जाए लेकिन इसमें भी यह शर्त है कि ऐसे मरीजों की संख्या 20 प्रतिशत से कम हो।

आभा आईडी में रहेगी मेडिकल हिस्ट्री

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के द्वारा आभा आई का निर्माण दो साल पहले से कराया जा रहा है। आभा आईडी आयुष्मान हेल्थ अकाउंड और डिजिटल हेल्थ कार्ड है, जिसमें मरीज की सारी मेडिकल हिस्ट्री और रिकॉर्ड रहता है। जब मरीज आगामी समय में उपचार के लिए आएंगे तो पुरानी जांचे लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आभा आईडी से मेडिकल हिस्ट्री मिल जाएगी। आभा हेल्थ आईडी से मरीजों को फायदा होगा।

युवाओं के लिए डिजिटल भुगतान, पेंशनधारकों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र की सुविधा

संचार क्रांति के दौर में अब डाकघर भी हुए हाईटेक

जागरण,रीवा। बढ़ती प्रतिस्पर्धा व संचार क्रांति के इस दौर में भी पोस्ट ऑफिस अपने आपको स्थापित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ है। वे वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अपने आप में बदला करते हुए अपने आप को अपडेट करते हुए हाईटेक हो रहे हैं। डाक विभाग एक ओर डिजिटल भुगतान तो दूसरी ओर पेंशनधारकों डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा प्रदान कर रहा है। ये सुविधाएं जिले के सभी डाकघर, उप डाकघर में शुरू की जा रही है। वित्त मंत्रालय ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक को डिजिटल भुगतान पुरस्कार से समानित किया था। इसके बाद से देशभर के डाकघरों में कार्ड स्वाइपिंग डिवाइस यानी पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीनें लगाई जा रही हैं जिससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के सरकार के उद्देश्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। पीओएस मशीनों के अभाव में अभी तक ग्राहकों को अपने पार्सल या डाक की बुकिंग के लिए डाकघरों में नकद भुगतान ही एकमात्र विकल्प था। आज की डिजिटल वॉलेट वाली युवा पीढ़ी के लिए इन पीओएस मशीनों के जरिए डिजिटल भुगतान आसान और सुरक्षित हो जाएगा।

जीवित प्रमाण पत्र से पेंशन धारकों को मिलेगी राहत

पेंशनधारकों को हर साल नवंबर में जीवित प्रमाण पत्र जमा कराना पड़ता है। उन्हें प्रमाण पत्र के लिए बैंक व शासकीय कार्यालयों में भटकना पड़ता है। डाक विभाग ने उनको परेशानी से छुटकारा दिलाने के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा प्रारंभ की है। जिसके तहत डाक कर्मचारी पेंशनधारक के घर जाकर उनका डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार करेंगे। इससे वरिष्ठ नागरिकों और असहाय पेंशनधारकों को राहत मिलेगी।

पोस्टमैन को घर बुलाकर भी सेवा प्राप्त कर सकते हैं

पेंशनधारक यह सेवा घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें क्षेत्र के पोस्टमैन को कॉल करना होगा। वह तय समय पर घर पहुंचेगा और वहीं पर बायोमेट्रिक तकनीक से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार कर देगा। उसे ऑनलाइन संबंधित विभाग को भेज दिया जाएगा। इस डोर स्टेप सर्विस के लिए पेंशन धारक को कुछ राशि देना होगी।

डाकघर, शाखा व उप डाकघरों में सुविधा

संभाग में यह सेवा बड़े पैमाने पर शुरू की गई है। संभाग के सैकड़ो डाकघर, शाखा डाकघर और उप डाकघरों में यह सुविधा शुरू हो गई है। इस पहल से संभाग के हजारों पेंशनधारकों को लंबी कतारों और विभागों के बार-बार चक्कर लगाने की झंझट से मुक्ति मिलेगी।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

बच्चों में अखबार पढ़ने की आदत एक जरूरी कदम

उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों को अब अखबार पढ़ने की आदत डाली जाएगी। हर दिन सुबह 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। यह कदम बच्चों में स्क्रीन की लत को कम करने के लिए उठाया गया है। अखबारों से बच्चों को सही जानकारी मिलेगी और उनकी भाषा सुधरेगी। यूपी के सरकारी स्कूलों में बच्चे अब अखबार भी पढ़ेंगे। उनमें पढ़ने की आदत विकसित करने और स्क्रीन टाइम घटाने के लिए यह आदेश दिया गया है। अखबार केवल सूचनाएं नहीं पहुंचाते, समझ, संवेदनशीलता और सामाजिकता भी पैदा करते हैं। इस तरह के आदेश की नौबत आना ही बताता है कि बच्चों में स्क्रीन की लत किस कदर गंभीर हो चुकी है। आदेश के मुताबिक, मॉर्निंग असेंबली के दौरान हर दिन 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। इंग्लिश और हिंदी के अखबार बच्चों को दिए जाएंगे। सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों पर आदेश लागू होगा, लेकिन प्राइवेट और दूसरे स्कूल भी चाहें तो इसका पालन कर सकते हैं।

पढ़ने का मतलब केवल कोर्स की किताबें नहीं होतीं। डिजिटल दौर में सूचनाएं हर तरफ से आ रही हैं, लेकिन उसमें कौन-सी सही हैं और कौन गलत – यह समझना चुनौती है। अखबार आज भी सबसे भरोसेमंद माध्यम हैं। इनको पढ़ने से बच्चों को विश्वसनीय जानकारी मिलेगी, विभिन्न घटनाओं को लेकर उनका अपना नजरिया बनेगा और भाषा में सुधार होगा।

यह आदेश सबसे बड़ी समस्या की ओर भी ध्यान खींचता है – बच्चों का टीवी, मोबाइल से चिपके रहना। इस साल जुलाई के एक सर्वे के मुताबिक, भारत में 5 साल की उम्र तक के बच्चे हर दिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। यहां तक कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी हर दिन औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उन्हें बिल्कुल ही दूर रहना चाहिए। एक चौथाई से ज्यादा की पहुंच इंटरनेट तक है और 10 से कम उम्र वालों के भी सोशल मीडिया अकाउंट हैं।

पढ़ने की संस्कृति व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलता है। मगर आज के डिजिटल तकनीक के दौर में खासकर बच्चे और युवाओं की अंगुलियां मोबाइल फोन और लैपटाप पर ही चलने लगी हैं।

इससे पहले हिमाचल प्रदेश में जून में सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के समाचार पत्र पाठ की व्यवस्था लागू की गई थी। इस पहल को अब उत्तर प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ाया है। इसके तहत विद्यार्थी प्रतिदिन राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और खेल समाचारों के साथ-साथ प्रमुख संपादकीय भी पढ़ेंगे। साथ ही विद्यार्थी अखबारों से पांच कठिन शब्द चुनकर उन्हें सूचना पट्ट पर प्रमुखता से प्रदर्शित करेंगे। यह व्यवस्था कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इससे न केवल विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, शब्दावली, रचनात्मकता और संवाद कौशल विकसित होगा, बल्कि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने में भी मदद मिलेगी। पढ़ने की संस्कृति अगर फिर से बच्चों की आदत में शुमार हो जाए, तो मोबाइल या लैपटाप की स्क्रीन पर जरूरत से ज्यादा समय बिताने की उनकी प्रवृत्ति भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। स्क्रीन मासूमियत ही नहीं छीन रही – बेचैनी, ध्यान की कमी, नींद से जुड़ी समस्याएं, चिड़चिड़ापन भी दे रही है। स्क्रॉल से फोकस घट रहा है। यही वजह है कि हाल में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के किशोर-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन कर दिया। मद्रास हाईकोर्ट ने भी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को ऑस्ट्रेलिया जैसा कानून बनाने का सुझाव दिया है। यूपी सरकार का आदेश टेक्नॉलजी से दूर नहीं करता, बल्कि संतुलन बनाने की कोशिश है। पढ़ने की आदत धीरे-धीरे विकसित होती है। आदेश से ज्यादा प्रभाव तब पड़ेगा, जब घर-परिवार में भी बच्चों को अखबार पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उत्तराधिकार कानून | संसद ने भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की बेड़ियां काटकर नई सुबह का आगाज किया है।

वसीयत को 'तारीखों' से मिली आजादी

डॉ सुधीर कुमार

भविष्य की कानूनी लड़ाइयों से बचने के लिए आज भी दो गवाहों की मौजूदगी में स्पष्ट वसीयत लिखना ही एकमात्र अचूक मंत्र है। कानून ने अनिवार्य प्रोबेट की लाठी छीन ली है, लेकिन समझदारी का छाता आपके हाथ में छोड़ दिया है।

भारत में अपनी ही संपत्ति को अपनों के नाम छोड़ जाने की प्रक्रिया अक्सर एक कानूनी दुःस्वप्न बन जाती थी। लेकिन संसद ने 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' के जरिए भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की बेड़ियां काटकर एक नई सुबह का आगाज किया है। सालों से चली आ रही 'प्रोबेट' की अनिवार्य शर्त को अब इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया गया है। सरल शब्दों में कहें तो, अब मरने वाले की अंतिम इच्छा यानी उसकी 'वसीयत' को कानूनी मान्यता दिलाने के लिए अदालतों की लंबी कतारों और भारी-भरकम फीस से मुक्ति मिल गई है।

सरल शब्दों में समझें तो 'प्रोबेट' अदालत द्वारा जारी किया गया वह प्रमाणपत्र है, जो कानूनी रूप से यह तस्दीक करता है कि वसीयत पूरी तरह असली है और इसे बनाने वाला व्यक्ति (वसीयतकर्ता) इसे लिखते समय पूरी तरह होश-ओ-हवास और सही मानसिक स्थिति में था। अब तक हमारा कानून एक अजीब विरोधाभास और 'क्षेत्रीय भेदभाव' का शिकार था। अगर आप मुंबई, कोलकाता या चेन्नई जैसे पुराने 'प्रेसिडेंसी टाउन्स' में रहते थे, तो वसीयत होने के बावजूद संपत्ति हस्तांतरण के लिए प्रोबेट लेना अनिवार्य था।

यह प्रक्रिया किसी दुःस्वप्न से कम नहीं थी; इसमें न केवल सालों का समय बर्बाद होता था, बल्कि संपत्ति की कुल कीमत का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 2 से 5 प्रतिशत तक) भारी-भरकम 'कोर्ट फीस' और वकीलों के खर्च की भेंट चढ़ जाता था। 2025 का यह नया सुधार इसी विसंगति पर प्रहार करता है। अब चाहे आप दिल्ली के दिल में हों, पटना की गलियों में या मुंबई के समंदर किनारे- कानून की नजर में सब बराबर हैं। सरकार ने इस 'अनिवार्यता' को खत्म कर यह सुनिश्चित किया है कि अब विरासत पाने के लिए आपको अपनी ही जेब खाली नहीं करनी पड़ेगी।

यह ऐतिहासिक बदलाव रातो-रात नहीं आया, बल्कि इसके पीछे न्यायपालिका के दशकों पुराने कानूनी मंथन की गूंज है। इस सुधार की बुनियाद असल में साल 2001 में ही रख दी गई थी, जब 'क्लोरेंस पैस बनाम भारत संघ' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। हालांकि उस वक्त अदालत ने धारा 213 की वैधता को बरकरार रखा, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट संकेत भी दिया कि प्रोबेट की अनिवार्यता केवल कुछ विशेष और सीमित परिस्थितियों के लिए ही तर्कसंगत हो सकती है। इस फैसले ने भविष्य के लिए एक नई बहस छेड़ दी थी – कि क्या एक निर्विवाद वसीयत के लिए भी अदालती मुहर हर हाल में जरूरी होनी चाहिए?

साल 2005 में 'मैरी कोचु बनाम थॉमस' जैसे मामलों में अदालतों ने और भी सख्त रुख अपनाया। केरल हाईकोर्ट और बाद के विभिन्न फैसलों में यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया कि प्रोबेट की अनिवार्यता का नियम अक्सर न्याय दिलाने के बजाय केवल कानूनी पेचीदगियां और बोझ बढ़ाता है। हाल के वर्षों में तो सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार यह दोहराया कि यदि वसीयत की सत्यता पर कोई संदेह नहीं है, तो वारिसों को जबरन अदालती चक्रव्यूह में घसीटना 'ईज ऑफ लिविंग' (सुगम जीवन) के बुनियादी सिद्धांतों के सरासर खिलाफ है। 2025 के इस नए कानून ने असल में न्यायपालिका की इन्हीं प्रगतिशील टिप्पणियों और वर्षों की कानूनी जद्दोजहद को एक 'वैधानिक कवच' प्रदान कर दिया है। संसद ने अदालतों की उस मंशा को कानून का रूप दे दिया है, जो लंबे समय से आम आदमी को वसीयत के नाम पर होने वाली कानूनी प्रताड़ना से बचाना चाहती थी।

धारा 213 के हटने से वसीयत अब एक बेहद शक्तिशाली दस्तावेज बन गई है। अब उत्तराधिकारी प्रोबेट के बिना भी सीधे संपत्ति का म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) और बैंक खातों का सेटलमेंट करा सकेंगे। प्रोबेट अब 'अनिवार्य' नहीं है, लेकिन 'अप्रासंगिक' भी नहीं है। भले ही सरकार ने इसे थोपना बंद कर दिया हो, लेकिन इसे बेकार समझना भारी भूल होगी। यदि परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद की जरा भी आशंका है, तो प्रोबेट आज भी अदालत में सबसे मजबूत 'सुरक्षा कवच' है। विशेषज्ञों के अनुसार, बड़ी संपत्ति या आपसी अनबन की स्थिति में 'स्वैच्छिक प्रोबेट' कराना एक स्मार्ट मूव है- यह भविष्य के महंगे मुकदमों से बचने का एक सबसे सस्ता और पक्का बीमा है।

निःसंदेह, सरकार का यह कदम संकेत देता है कि भविष्य 'डिजिटल उत्तराधिकार' का है। जब प्रोबेट की अनिवार्यता खत्म होती है, तो लोगों में वसीयत लिखने का उत्साह बढ़ेगा। मध्यम वर्ग के लिए यह सबसे बड़ी राहत है, क्योंकि उनका जीवनभर का निवेश अब कानूनी दांव-पेंच में नहीं फंसेगा। संसद का यह फैसला 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' का जीवंत उदाहरण है, जिसने वसीयत को अदालती धूल और अंतहीन तारीखों से आजाद कर सीधे हकदारों को सौंप दिया है। यह कदम साहसिक है, लेकिन पाठकों को समझना होगा कि कानून 'सरल' हुआ है, 'खत्म' नहीं। सरकार ने प्रोबेट की अनिवार्यता हटाकर राह तो आसान कर दी है, लेकिन यह सरलीकरण 'सावधानी' का विकल्प नहीं है। अगर जरा सा भी अंदेशा हो कि भविष्य में 'अपनों' के बीच 'सपनों' की संपत्ति को लेकर 'तलवारें' खिंच सकती हैं, तो याद रखिए भविष्य की कानूनी लड़ाइयों से बचने के लिए आज भी दो गवाहों की मौजूदगी में स्पष्ट वसीयत लिखना ही एकमात्र अचूक मंत्र है। कानून ने अनिवार्य प्रोबेट की लाठी छीन ली है, लेकिन समझदारी का छाता आपके हाथ में छोड़ दिया है।

खुला मंच

चरित्र-चित्र बांचती फाइलों का खुलना

सहीराम

नहीं, वो प्रेमिका नहीं थी। जी, यह सच है कि प्रेमिकाएं बड़ा इंतजार करवाती हैं। जमाने का कायदा यही है जी। प्रेमिकाएं इंतजार न करवाएं तो कहानी ही नहीं बनती और न ही प्रेमगीत लिखे जा सकते हैं। हालांकि, प्रेमिकाएं भी अपने प्रेमियों का इंतजार करती हैं और उनके आने पर नाचती-गाती फिरती हैं कि आ गए-आ गए आज मेरे सनम। आज मेरे जमीं पर नहीं हैं कदम... टाइप से। लेकिन वह प्रेमिका नहीं थी। न यह कोई प्रेम कहानी है। यह तो हवस की कहानी है। हवस की इन्हीं फाइलों का इंतजार था, जिन्हें एप्सटीन फाइल्स कहा जा रहा है। वे भी बड़ा इंतजार करवा कर आयी हैं। लोग उसी तरह से इन फाइलों का इंतजार कर रहे थे, जैसे कयामत आने वाली हो। प्रलय आने वाली हो।

कयामत तो बहरहाल, नहीं आई। न ही उन नामचीनों का कुछ बिगड़ा है, जिनके नाम इनमें आ रहे हैं और जिनको लेकर यह माना जा रहा था कि इनके आते ही, यह नामचीन कहीं के नहीं रहेंगे। अभी तक तो यह नामचीन कहीं गए नहीं हैं, आगे की वक्त बताएगा।

पर वे एप्सटीन फाइलें आ गयी हैं और इंटरनेट से लेकर मीडिया तक छा भी गयी हैं। हालांकि हमारे यहां तो फाइलों का बड़ा बुरा हश्र हो रहा है। फाइलों के नाम पर बनी फिल्मों में बस एक कश्मीर फाइल्स चली और बाकी सारी ध्वस्त हो गयीं। वैसे जब हमारे यहां सरकार ही फाइलों की कद्र नहीं कर रही तो जनता तो फिर क्यों ही करेगी।

बताते हैं कि सरकार ने लाखों फाइलें यह कह कर नष्ट करवा दी कि बस धूल खा रही हैं और बेकार हैं। धूल खाना फाइलों का चरित्र होता है। उनकी दूसरी भी कई विशेषताएं होती हैं, जैसे कि जब जरूरत होती है तो वे नहीं मिलती हैं, कई बार दब जाती हैं कई बार खो भी जाती हैं और फिर मिलती नहीं हैं। वैसे फाइलों के बिना न नौकरशाही, नौकरशाही रहती है और न ही बाबू, बाबू रहता है।

बाबुओं के लिए फाइलें एक तरह की फसल होती हैं, जैसे किसानों के लिए धान-गेहूं की फसलें होती हैं। खैर, एप्सटीन फाइलें वैसी फाइलें नहीं हैं। यह कुछ-कुछ हमारी फिल्मों वाली फाइलों जैसी हैं।

अब कुछ लोग कह रहे हैं कि यह हिट जाएंगी। क्योंकि इनमें दुनिया भर के नामी कलाकार यानी नेता और सेठ लोग शामिल हैं। बिल क्लिंटन से लेकर बिल गेट्स तक। उनके चित्र आने भी लगे हैं। सुना है कि ट्रंप ताऊ ने अपने फोटो हटवा लिए। अरे यार फिर क्या मजा है। उन्हीं के नाम तो यह फाइलें हिट होने वाली थीं। हालांकि जलकुकड़ों को इंतजार था कि फाइलों में यहां वालों का भी बहुत जिक्र है।

प्रसंगवश

क्रिसमस के दिन देश का माहौल बिगाड़ने की साजिश

क्रिसमस के मौके पर छत्तीसगढ़ और असम सहित कुछ राज्यों में ईसाई समुदाय के प्रार्थना स्थलों और अन्य जगहों पर दक्षिणपंथी समूहों ने हमला किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई।

दुनिया भर में भारत को विविधताओं से भरी सांस्कृतिक छवियों वाले एक ऐसे देश के रूप में देखा-जाना जाता है, जहां अलग-अलग धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते और एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते आए हैं। मगर हाल के वर्षों में कुछ खास त्योहारों के ठीक पहले जिस तरह द्वेष का माहौल पैदा करने की कोशिश की जाने लगी है, वह न केवल देश में सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है, बल्कि मानवीय तकाजों के भी विरुद्ध है।

क्रिसमस को ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसमें आमतौर पर देश में सभी धर्मों के लोग उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। विडंबना यह है कि अब कुछ असामाजिक तत्व क्रिसमस के मौके पर देश के ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाने लगे हैं और इसका सीधा नुकसान देश की छवि को हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष फिर क्रिसमस के मौके पर छत्तीसगढ़ और असम सहित कुछ राज्यों में ईसाई समुदाय के प्रार्थना स्थलों और अन्य जगहों पर दक्षिणपंथी समूहों ने हमला किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई।

सवाल है कि वे कौन लोग हैं, जो सद्भाव के माहौल में नफरत घोलना चाहते हैं और उन्हें देश के अल्पसंख्यक या अन्य समुदायों के पर्व-त्योहार से परेशानी होने लगी है। क्या मानवीयता के मूल्यों को अपनी आस्था का सबसे अहम पक्ष मानने वाला कोई भी व्यक्ति किसी अन्य समुदाय के त्योहार से इस कदर दुश्मनी रख सकता है? सद्भाव या सौहार्द के साथ किसी धार्मिक उत्सव को मनाए जाने से किसे दिक्कत हो सकती है? केवल निराधार आरोपों का हवाला देकर किसी ऐसे त्योहार पर अराजकता फैलाने का क्या मकसद हो सकता है, जिसमें देश के सभी धर्मों के लोग या तो सहज रहते हैं या फिर उसमें शामिल होते हैं?

कथित धर्म परिवर्तन के आरोप अगर लगाए भी जाते हैं, तो इस मसले पर सरकार और प्रशासन अपना काम करेंगे या कुछ अराजक और असामाजिक तत्वों को अपनी ओर से हिंसा करने की छूट मिल जाती है? किसी समुदाय के भीतर डर पैदा करके किस तरह से धर्म की सेवा की जा सकती है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी बहाने से अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ हिंसा करना या तोड़फोड़ मचाना वास्तव में अपने ही देश की सांस्कृतिक छवि को नकारात्मक बनाना है। अगर इस तरह की प्रवृत्तियों को तुरंत नहीं रोका गया, तो इससे आपसी सद्भाव का माहौल बिगड़ने की आशंका पैदा होगी।

इतना तय है कि देश के संविधान का सम्मान करने वाली सरकारें और ज्यादातर संवेदनशील लोग धर्म के नाम पर टकराव तथा तनाव पैदा करने की कोशिशों का समर्थन नहीं करते। यही वजह है कि कई जगहों पर क्रिसमस पर उत्पात मचाने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया।

यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किसी भी पर्व-त्योहार के मौके पर सांप्रदायिकता फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। विचित्र यह भी है कि क्रिसमस के मौके पर एक ओर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईसाई समुदाय के साथ मेलजोल, शांति और सद्भाव का संदेश दे रहे थे, तो दूसरी ओर कुछ असामाजिक तत्व तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने में लगे थे। देश में सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों के अवसर पर सौहार्द तथा सद्भाव की जो परंपरा रही है, उसे बचाने और मजबूत करने के लिए सरकार और समाज को एक बार फिर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

जलवायु परिवर्तन | भारत के दक्षिणी राज्यों में ठंड के मौसम में उत्तरी हवाओं का गहरा प्रवेश अचरज की बात है।

दक्षिण भारत में हो रहा असामान्य ठंड का गंभीर असर

पंकज चतुर्वेदी

दक्षिण भारत में ठंड के मौसम में उत्तरी हवाओं के असामान्य रूप से गहरे प्रवेश के कारण आंतरिक हिस्सों में तापमान में भारी गिरावट आयी। जिसका गंभीर असर पारिस्थितिकी व मानव जीवन पर हो रहा है। इसमें जलवायु बदलाव की बड़ी भूमिका है।

कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ में कभी स्वेटर की दुकान नहीं होती थी, आज वहां लोग रूम हीटर खरीद रहे हैं। यह हाल भीषण गर्मी के लिए मशहूर पूरे उत्तरी-कर्नाटक का है। धारवाड़ में तापमान लगातार 10.2 डिग्री के आसपास है। इसी तरह, गदग में न्यूनतम तापमान 10.8, बीदर में 10 डिग्री सेल्सियस, हासन में 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हासन, विजयपुर के बाजारों में पहली बार जाड़े के कपड़ों की बिक्री जमकर हो रही है। बेंगलुरु में इतनी सर्दी कभी देखी नहीं गई। उधर चेन्नई में सालों बाद 20 डिग्री से नीचे तापमान गया और समुद्र किनारे के इस महानगर के लिए यह कड़ाके की ठंड बन गया। ऊटी तो खैर राज्य का पहाड़ी क्षेत्र है लेकिन वहां भी तापमान 5.3 हो जाना अचरज है। ईरोड के तलवाड़ी में 11.4 डिग्री, डिग्री, धर्मपुरी के कुछ हिस्सों में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यही हाल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में है। मौसम का बदलता मिजाज समाज, अर्थव्यवस्था आदि पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। जलवायु परिवर्तन के लिए सरकार व समाज को चेत जाना चाहिए।

भारत के दक्षिणी प्रायद्वीपीय राज्यों- तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना और केरल- को समशीतोष्ण या उष्णकटिबंधीय जलवायु के लिए जाना जाता है, जहां शीत लहर की स्थिति दुर्लभ होती है। हाल के वर्षों में ठंड के मौसम में उत्तरी हवाओं के असामान्य रूप से गहरे प्रवेश के कारण इन क्षेत्रों के आंतरिक हिस्सों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अप्रत्याशित शीत लहर के चलते कई जगह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसका गंभीर असर स्थानीय पारिस्थितिकी प्रणालियों और मानव जीवन पर हो रहा है

भारत के 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी' का एक शोध बताता है कि साल 2021-2050 के बीच दक्षिण भारत के कई इलाकों का तापमान 0.5 डिग्री से 1.5 डिग्री तक और सर्दियों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक बढ़ सकता है। यही नहीं खरीफ और रबी दोनों फसली-मौसम में वर्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रिपोर्ट में राज्यों को जलवायु जोखिम मूल्यांकन और लचीली आधारभूत संरचना निर्माण की सलाह दी गई है। बढ़ती मौसम असमानता के कारण बाढ़ के बाद जल-जनित रोग और तापमान उतार-चढ़ाव से श्वसन की समस्याएं बढ़ी हैं। मौसम की ये प्रवृत्तियां दक्षिण भारत के समाज को नई चुनौती है। दक्षिण भारत की कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय फसलों पर निर्भर करती है, जो पाले या अत्यधिक ठंड के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती हैं। अप्रत्याशित शीत लहर से फसल को नुकसान और उपज में कमी की प्रबल संभावना होती है। दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, कर्नाटक के मलनाड आदि पहाड़ी क्षेत्र और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में कॉफी, चाय और इलायची जैसी बागवानी फसलें उगाई जाती हैं, जो ठंड के प्रति संवेदनशील हैं। कर्नाटक के चिकमंगलूर, कोडागु तथा केरल व तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में अचानक गिरावट से पौधों की पत्तियां पाले से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान कम होने से कॉफी के पौधों में पत्ती झुलसने की समस्या हो जाती है। ठंड की मार आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में केले की फसल पर पड़ने की संभावना है। पाला पड़ने पर पत्तियां पीली पड़ जाती हैं व फल छोटे रह जाते हैं। लंबे समय तक ठंड से नारियल व सुपारी के पौधों में विकास रुक जाता है। ऐसा ही असर सब्जी व दालों की खेती पर होगा। कर्नाटक, तमिलनाडु में अचानक शीत लहर के दौरान गायों-भैंसों को बीमारियां तो लगती ही हैं, शरीर का तापमान बनाए रखने को उन्हें अधिक आंतरिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे दूध पैदावार में 10-20 फीसदी तक की कमी होती है।

आंध्र प्रदेश, विशेषकर कृष्णा और गोदावरी जिलों में झींगा और मछली पालन होता है। तालाबों में जब पानी का तापमान अचानक गिरता है, तो मछली की चयापचय दर कम हो जाती है, वे भोजन खाना बंद कर देती हैं, और रोगग्रस्त हो जाती हैं। अत्यधिक ठंड में मछलियां मर भी सकती हैं। इसी तरह झींगा फार्मों में पानी का तापमान 20 डिग्री से नीचे जाने पर झींगा का विकास रुक जाता है जिससे किसानों को नुकसान होता है। अचानक जाड़ा पड़ने के साथ ही दक्षिण भारत में बड़ी संख्या में सांस और खांसी के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। चूंकि उनकी जीवनशैली और आवास हल्के मौसम के अनुरूप बने हैं, अचानक और तीव्र ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दक्षिण भारत में पड़ रही अधिक ठंड अल्पकालिक मौसमी विसंगतियों जैसे – ठंडी हवाओं का गहरा प्रवेश, साफ आसमान, चक्रवात के अप्रत्यक्ष असर का परिणाम है। लेकिन, जलवायु परिवर्तन इस संभावना को बढ़ाता है कि शीत लहर जैसी चरम-मौसम की घटनाएं असामान्य रूप से तीव्र या अप्रत्याशित हो सकती हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जलवायु परिवर्तन न केवल औसत तापमान बढ़ा रहा है, बल्कि मौसमी घटनाओं को चरम और अप्रत्याशित बना रहा है। शीत लहर ने उजागर किया है कि आंतरिक कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे क्षेत्र अब अत्यधिक ठंड के प्रति असुरक्षित हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों में, जहां बुनियादी ढांचा व जीवनशैली गर्मी और आर्द्रता के अनुरूप बनी है, वहां अप्रत्याशित ठंड से निपटने के लिए सरकारों को बहुआयामी और दूरदर्शी रणनीति अपनाने की जरूरत है।

जीवन दर्शन

खुश रहना जीवन जीने की महान कला है

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखना किसी भी धन-दौलत से कीमती है। खुश रहना जीवन जीने की महान कला है यह वही चमत्कारिक औषधि है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बना सकती है।

हर बात में शिकायत ढूंढना, आलोचना करना और छोटी-सी बात में भी बुराई खोज लेना, आत्मा का धीरे-धीरे क्षय करने वाली सबसे घातक आदत है। यदि यह आदत जीवन की शुरुआत में ही पड़ जाए, तो व्यक्ति अनजाने में इसका कैदी बन जाता है। उसका आत्मबल क्षीण हो जाता है, उसका मन नकारात्मकता की धुंध से घिर जाता है, और फिर उसका पूरा जीवन निराशा और निंदकता की दलदल में फंस जाता है। जीवन में किसी भी क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने का सबसे पहला नियम है-हर परिस्थिति में उजियारा देखने की आदत डालना। चाहे विपरीत हवा कितनी भी प्रचंड क्यों न हो, अपने मन को यह वचन दीजिए कि मैं हर दिन को एक नई भोर की तरह देखूंगा।

सफलता केवल मेहनत या कौशल का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह आपके दृष्टिकोण का प्रतिबिंब भी होती है। चाहे जीवन में कितनी भी चुनौतियां आएं, यदि आप यह संकल्प ले लें कि हर दिन का भरपूर आनंद लेंगे और हर अनुभव में कुछ न कुछ सीखने योग्य ढूंढेंगे, तो आपके भीतर अद्भुत शक्ति जागृत होने लगती है। सकारात्मकता कोई साधारण आदत नहीं, बल्कि आत्मा को ऊंचा उठाने वाला अमृत है। कठिन से कठिन माहौल में भी यदि आप ध्यान से देखें, तो आपको कोई न कोई ऐसा पहलू अवश्य दिखेगा, जो मन को संतोष दे और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाए।

युवाओं के लिए यह क्षमता कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखें, किसी भी धन-दौलत से अधिक कीमती है। यह वही शक्ति है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बनाने का सामर्थ्य रखती है। इसलिए संकल्प लें कि जीवन में आशावाद आपका स्थायी साथी होगा, निराशा को आपके भीतर घर करने की अनुमति कभी नहीं मिलेगी, और जहां भी जाएंगे, अपने साथ प्रकाश, ऊर्जा और प्रसन्नता लेकर जाएंगे।

खुशी का प्रभाव किसी चमत्कारिक औषधि की तरह होता है। यह केवल मन को ही नहीं, शरीर को भी स्वस्थ बनाती है। एक खुशमिजाज व्यक्ति की उपस्थिति से पूरा माहौल बदल जाता है, वहां मौजूद लोगों के मन में उत्साह और वातावरण में नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। जैसे एक संगीतकार बनने के लिए केवल इच्छा नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास आवश्यक है, वैसे ही खुश रहना भी एक कला है, एक अनुशासन है। मन में यह विश्वास जगाएं कि हमारे भीतर बाधाओं को पार करने की अपार क्षमता है।

दृष्टिकोण बदलने भर से जीवन का हर दृश्य बदल जाता है। हर बुरी से बुरी घटना में भी कोई न कोई संदेश होता है, कोई सीख छिपी होती है, जो आगे बढ़ना सिखाती है। सच्चाई यही है कि प्रसन्न मनुष्य सबसे अधिक ताकतवर होता है। मैसिलन के शब्दों में 'स्वास्थ्य व अच्छा मूड इन्सान के लिए वही हैं, जो पेड़-पौधों के लिए धूप। खुश रहना कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की सबसे महान कला है।

जीवन में सफलता का आधार केवल मेहनत नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण भी है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में उजाला देखने की आदत विकसित कर लेता है, वही जीवन की कठिनाइयों को अवसरों में बदल पाता है। शिकायत और आलोचना हमें भीतर से कमजोर करती हैं, जबकि आशावाद आत्मा को शक्ति देता है।

ओरिसन स्वेट मार्डेन

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

कर्मणो ह्यपि बोद्धव्यं बोद्धव्यं य विकर्मणः।
अकर्मणश्च बोद्धव्यं गहना कर्मणो गतिः।।

भावार्थ

कर्म का स्वरूप भी जानना चाहिए और अकर्म का स्वरूप भी जानना चाहिए तथा विकर्म का स्वरूप भी जानना चाहिए, क्योंकि कर्म की गति गहन है।

पठन-पाठन प्रभावित: खत्म नहीं हो रहा शिक्षकों का संलग्नीकरण, जारी हो रहा गोलमोल आदेश

आदेश होने के बाद भी पढ़ाई छोड़कर कार्यालय का काम निपटा रहे शिक्षक

जागरण, रीवा

शासन के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी जिले में शिक्षकों का संलग्नीकरण खत्म नहीं हो रहा है। कई शिक्षक अभी भी अपना मूल शैक्षणिक काम छोड़कर कार्यालयों में बाबूगिरी कर रहे हैं। शिक्षा विभाग पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त शिक्षकों के प्रति मेहरबान होने का आरोप है। विभाग एक ओर शत-प्रतिशत युक्तियुक्तकरण का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कई शिक्षक अन्य विभागों में संलग्न होकर प्रशासनिक या लिपिकीय कार्य कर रहे हैं। इससे शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। मजेदार बात यह है कि शिक्षक कार्यालयों में पदस्थ होकर वहां का काम कर रहे हैं लेकिन वेतन उनका उसी संकुल से निकल रहा है, जिसके अंतर्गत आने वाले स्कूल में वे पदस्थ हैं।

सभी नियम-कायदे दरकिनार

जिले में सरकारी स्कूलों में पदस्थापना या अन्य विभागों में संलग्नीकरण के लिए राजनीतिक पहुंच या शिक्षा विभाग के अधिकारियों से सांठ-गांठ आवश्यक है। ऐसे मामलों में सभी नियम-कायदों को दरकिनार कर दिया जाता है, जबकि सामान्य शिक्षकों को नियमों का कड़ाई से पालन करना पड़ता है। जिला शिक्षा विभाग में ऐसे कई शिक्षक-शिक्षिकाएं हैं, जो नौकरी में होने के बाद भी स्कूलों में अध्यापन कार्य कर रहे हैं।

आयुक्त ने जारी किए थे निर्देश

स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त ने शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने का आदेश पिछले साल जारी किया था। यानी शिक्षकों के अटैचमेंट नहीं होने थे। शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य नहीं कराया जा सकता है और यदि कोई अधिकारी शिक्षकों से कार्य करवाता है तो ऐसे अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी हैं।

मौन रहना प्राचार्यों की मजबूरी

शिक्षकों के कार्यालयों में पदस्थ होने से स्कूलों में पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। इस बात से प्राचार्य भलीभांति परिचित होते हैं, उसके बाद भी मौन रहना मजबूरी है। क्योंकि जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश के खिलाफ वे आवाज भी नहीं उठा सकते। जिला शिक्षा अधिकारियों में भी गोलमोल आदेश जारी करने की परंपरा बन गई है। उन्हें जिस शिक्षक को अटैच करना होता है, वे उसके लिए जो आदेश जारी करते हैं, उसमें लिखा होता है कि वे मूल काम अध्यापन के साथ कार्यालय का काम भी करेंगे लेकिन आदेश के बाद शिक्षक स्कूल में पढ़ाने का काम छोड़कर सिर्फ कार्यालयीन काम कर रहे हैं।

विज्ञान के प्रति अभिरुचि जगाने नहीं हुए प्रयास

कई विद्यालयों में गठित नहीं हुए विज्ञान मित्र क्लब, शासन की योजना पर पलीता

जागरण,रीवा। जिले की सरकारी माध्यमिक शालाओं में विज्ञान के प्रति अभिरुचि जगाने के प्रयास नहीं हुए। इसके लिए कई विद्यालयों ने तो विज्ञान मित्र क्लब का गठन भी नहीं किया। इस कारण लोक शिक्षण संचालनालय के उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो पा रही है। गत वर्ष वरिष्ठ अधिकारियों ने योजना के क्रियान्वयन हेतु पत्र जारी किया था। इसके बाद भी सारे विद्यालयों में क्लब का गठन नहीं हो सका। अब इस सत्र में अभी तक शिक्षण संस्थान चुनावी चक्कर में सुस्त पड़े हैं। विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था के हिसाब से यदि उक्त क्लब गठित होते तो छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने में कुछ आसानी हो सकती थी। बहरहाल, अधिकांश विद्यालयों में तो जैसे शासन के निर्देशों की खानापूर्ति हो रही है। इस स्थिति में उक्त योजना के प्रभावी होने के आसार अब न के बराबर हैं।

गौरतलब है कि सत्र 2017-18 में संचालनालय के कहने पर राज्य शिक्षा केंद्र ने इस बाबत निर्देश जारी किए थे। निर्देश में कहा गया था कि सभी माध्यमिक शालाओं में विज्ञान मित्र क्लब का गठन किया जाये। इसके जरिये कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के मन में विज्ञान के प्रति रूचि जगाने का प्रयास विद्यालय प्रबंधनों को करना था। इस कार्य के लिए प्रति विद्यालय 3-3 हजार रूपये भी दिए गए। साथ ही संबंधित विद्यालय प्रबंधन को डाइट में बुलाकर प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके अलावा, संबंधित शिक्षकों को अन्वेषिका पत्रिका व विज्ञान हैण्ड बुक भी वितरित की गई। अब उद्देश्य की पूर्ति न होने पर सरकार का उक्त पैसा फिजूल खर्च प्रतीत हो रहा है। वितरित की गई ज्ञानवर्धक उन पुस्तकों को भी कई विद्यालयों ने कबाड़ के भाव बेच दिया। बताते हैं कि कुछ विद्यालय प्रबंधन तो विज्ञान मित्र के नाम पर अपने चहेतों को राशि बांट रहे हैं। इस तरह विभाग की बेहतर योजना को विद्यालय प्रबंधन पलीता लगा रहे हैं।

क्विज प्रतियोगिता में विजेताओं को किया पुरुस्कृत

रीवा। पीएम श्री मॉडल साइंस कॉलेज में भारतीय मानक ब्यूरो भोपाल के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ.आरएन तिवारी के मार्गदर्शन में गठित मानक क्लब द्वारा टेक्निकल क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय के 50 मानक क्लब सदस्यों के द्वारा उक्त प्रतियोगिता में सहभागिता की गई। यह प्रतियोगिता स्किम्ड मिल्क पाउडर के मानक पर आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित छात्र रोहित शुक्ल को नकद 1000 रुपए, द्वितीय स्थान पर चयनित पवन कुमार बंसल को 750 रुपए, तृतीय स्थान पर चयनित प्रियांशु शुक्ल को 500 रुपए एवं सांत्वना पुरस्कार के रूप में विमलेश मिश्र को 250 रुपए राशि दिया गया। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.आरएन तिवारी द्वारा पीने के पानी की गुणवत्ता को विस्तार से बताया गया तथा छात्रों का ज्ञान वर्धन किया एवं भारतीय मानक ब्यूरो के इस पहल की प्रशंसा की। कार्यक्रम में महाविद्यालय की आईक्यूएसी प्रभारी डॉ.नीलम पांडेय, गणित विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो.ऋषि कुमार तिवारी, प्राणिशास्त्र विभाग के डॉ.बालमहेंद्र प्रजापति, डॉ.प्रदीप पटेल, एवं मॉनक क्लब के मेंटर डॉ.जितेंद्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

जल्दबाज़ी नहीं, समय रचता है सफलता: प्रो. अखिलेश शुक्ल

रीवा। हर चीज समय मांगती है, यह जीवन का सबसे गहरा और शाश्वत सत्य है। चाहे जीवन की यात्रा हो, किसी लक्ष्य की प्राप्ति, आत्मविकास की प्रक्रिया या फिर रोज़मर्रा का साधारण सा काम, हर क्रिया का अपना एक निश्चित समय होता है। प्रकृति स्वयं इस बात की सबसे बड़ी शिक्षक है। जो बीज आज धरती में बोया जाता है, वह आज ही फल नहीं देता। उसे मिट्टी की गोद में रहकर, धूप और पानी के सान्निध्य में, मौसमों की मार सहते हुए धीरे-धीरे विकसित होना पड़ता है। यही क्रम जीवन और हमारे सपनों पर भी लागू होता है। आज के समय में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज़ हो चुकी है, हम हर चीज़ तुरंत चाहते हैं, तुरंत सफलता, तुरंत पहचान, तुरंत परिणाम। मोबाइल की एक क्लिक में सब कुछ पाने की आदत ने हमें अधीर बना दिया है। लेकिन यह भूलना हमारी सबसे बड़ी भूल है कि प्रकृति कभी जल्दबाज़ी में काम नहीं करती। जल्दबाज़ी से न तो समय छोटा होता है और न ही मंज़िल करीब आती है। उलटे, अधैर्य हमें मानसिक अशांति और निराशा की ओर ले जाता है। परिणाम वही आता है, जो समय की प्रक्रिया से होकर गुजरता है।

जीवन यह सिखाता है कि हर चीज़ का एक उपयुक्त समय होता है। सही समय पर घटित हुई घटना ही सबसे सुंदर और सार्थक होती है। फूल यदि समय से पहले खिल जाए तो उसकी सुगंध अधूरी रह जाती है। ठीक उसी प्रकार, समय से पहले मिली सफलता भी कई बार हमें संभालना नहीं आती। इसलिए प्रतीक्षा करना, धैर्य रखना और निरंतर प्रयास करते रहना जीवन की अनिवार्य शर्तें हैं। यहाँ तक कि एक सशक्त और प्रभावशाली विचार भी अचानक नहीं जन्म लेता। उसके पीछे अनुभवों की लंबी श्रृंखला, असफलताओं की पीड़ा और सीख की गहराई छिपी होती है। कई बार जिन परिस्थितियों को हम बोझ समझते हैं, वही आगे चलकर हमारी सोच को परिपक्व बनाती हैं। समय हमें केवल प्रतीक्षा करना ही नहीं सिखाता, बल्कि हमें भीतर से मजबूत भी करता है। इसलिए स्वयं पर और अपनी प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। रास्ता भले ही लंबा लगे, मंज़िल भले ही दूर दिखाई दे, लेकिन हर छोटा कदम हमें आगे ही बढ़ाता है। निरंतरता और धैर्य, यही सफलता के दो मजबूत स्तंभ हैं। जो समय आज कठिन प्रतीत हो रहा है, वही कल आपके आत्मविश्वास की सबसे बड़ी पूंजी बनेगा। याद रखिए, जो चीज़ समय लेकर बनती है, वही टिकाऊ, गहरी और मूल्यवान होती है। समय केवल परीक्षा नहीं लेता, वह हमें निखारता भी है। जो इसे समझ लेता है, वही जीवन की सच्ची सफलता का स्वाद चख पाता है।

रीवा सुपर किंग्स 56 रन से हुई विजयी, क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हाईकोर्ट जबलपुर के तत्वाधान में रीवा में किया जा रहा क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन

जागरण, रीवा। जिला अधिवक्ता संघ रीवा के आयोजकत्व में अ.प्र.सिंह वि.वि. के स्टेडियम व महाराजा पब्लिक स्कूल बेला के टर्फ विकेट में रविवार को प्रतियोगिता के कुल 4 मैच खेले गये। अ.प्र.सिंह वि.वि.के स्टेडियम में पहला मैच भोपाल यलो टीम व इन्दौर ब्ल्यू की टीम के मध्य खेला गया जिसमें भोपाल यलो ने 7 विकेट के नुकसान पर 197 रन बनाये। वहीं इन्दौर ब्ल्यू की टीम 16.5 ओवर में 10 विकेट पर 110 रन ही बना सकी और भोपाल यलो 87 रन से विजयी हुई। दूसरा मैच रीवा सुपर किंग्स विरुद्ध उज्जैन एडवोकेट के मध्य खेला गया, जिसमें रीवा सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 192 रन बनाए। उज्जैन एडवोकेट 19.1 ओवर में 136 के स्कोर में ऑल आउट हो गई, इस तरह रीवा सुपर किंग्स 56 रन से विजयी हुई। महाराजा पब्लिक स्कूल के ग्राउन्ड में पहला मैच जबलपुर रेड और इन्दौर शिवाय वारियर्स के मध्य खेला गया। जबलपुर रेड ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाये, जिसके जवाब में इन्दौर शिवाय वारियर्स 186 रन बनाकर 4 विकेट से विजेता रही। महाराजा पब्लिक स्कूल में खेला गया दूसरा मैच एडवोकेट रीवा लायन्स व देवास वारियर्स के मध्य खेला गया। एडवोकेट रीवा लायन्स 147 रन बनाये। जबाव में देवास वारियर्स 5 विकेट पर 142 रन ही बना सकी और एडवोकेट रीवा लायन्स 5 रन से विजयी घोषित हुई। अ.प्र.सिंह वि.वि.के स्टेडियम में खेले गये रीवा सुपर किंग्स व उज्जैन एडवोकेट में रीवा सुपर किंग्स की ओर से 53 रन बनाकर 3 विकेट लेने वाले प्रवीण तिवारी को मैन आफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। खेल के मुख्य अतिथि पूर्व खिलाड़ी शेख आबिद खांन रहे व विशिष्ट अतिथि जगत बहादुर सिंह समाजसेवी उपस्थित रहे। जबकि दर्शक दीर्घा मे वरिष्ठ अधिवक्ता विजेन्द्र बहादुर सिंह चौहान, कुलदीप सिंह सोमवंशी एडवोकेट, सलीम अंसारी, शिवराज सिंह, आदित्य सिंह परिहार, सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

बीएएलएलबी की मान्यता में नियमित शिक्षकों की कमी बनी रोड़ा

बीसीआई की मनाही के बाद स्थिति वही, प्रयास में जुटा विधि महाविद्यालय प्रबंधन

जागरण, रीवा। शासकीय विधि महाविद्यालय में फिलहाल ऑनर्स बीएएलएलबी पाठ्यक्रम शुरू नहीं हो पायेगा। बार काउंसिल ऑफ इण्डिया (बीसीआई) से इस पाठ्यक्रम को आरम्भ करने महाविद्यालय को मान्यता नहीं दी गई। हालांकि महाविद्यालय प्रबंधन इसको लेकर लगातार पत्राचार कर रहा है और प्रयासरत है, माना जा रहा है कि आगामी वर्ष में इस प्रयास में सफलता मिल सकती है। बीसीआई ने नियमित शिक्षकों की कमी का हवाला देते हुए मान्यता पर रोक लगाई थी, जिसके बाद से प्राचार्य योगेन्द्र तिवारी द्वारा लगातार पत्राचार शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए किए जा रहे हैं। आवश्यकतानुसार नियमित शिक्षकों के पद भरना महाविद्यालय के बस में नहीं है। छात्र अनुपात में नियमित शिक्षकों की नियुक्ति होने के बाद महाविद्यालय में बीएएलएलबी के आरम्भ की उम्मीद की जा सकती है। गौरतलब है कि मार्च 2021 में तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री ने महाविद्यालय में बीएएलएलबी पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। फिर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति ने सितम्बर 2022 में स्ववित्तीय पाठ्यक्रम के रुप में ऑनर्स बीएएलएलएबी शुरू करने का निर्णय लिया। इसके बाद महाविद्यालय प्रबंधन ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से दिसम्बर 2022 में सम्बद्धता प्राप्त की। इसी समय महाविद्यालय ने बीसीआई के समक्ष मान्यता आवेदन किया। मान्यता संबंधी एक अन्य मामला हाइकोर्ट पहुँचा, तब जाकर डेढ़ वर्ष बाद 30 मई 2024 को बीसीआई ने महाविद्यालय को वर्चुअल निरीक्षण किया। इस निरीक्षण की रिपोर्ट अभी विगत माह आई। इस रिपोर्ट में बीसीआई ने उल्लेख किया कि बीएएलएलबी शुरू करने महाविद्यालय के पास 12 नियमित शिक्षक होने चाहिए। बीसीआई की इस टीप के साथ ही मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

प्रवेश के लिए 60 सीट निर्धारित

महाविद्यालय ने तय किया था कि उक्त नवीन पाठ्यक्रम का संचालन 2023-24 से होगा परंतु ऐसा सत्र 2025-26 तक नहीं हो पाया। इस नवीन स्ववित्तीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 60 सीट निर्धारित की जानी थी। हालांकि महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं कि आगामी वर्षों में पाठ्यक्रम शुरू हो जाए।

शासन के लिए टेढ़ी खीर

बता दें कि अभी महाविद्यालय में नियमित पाठ्यक्रम एलएलबी और एलएलएम संचालित हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए महाविद्यालय में शिक्षकों के 8 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 6 भरे हैं और 2 रिक्त हैं। अब बीएएलएलबी के लिए बीसीआई ने अलग से 12 नियमित शिक्षकों के नियुक्त होने की बात कही है। अब एक महाविद्यालय में इतने पद स्वीकृत करना और उन्हें भरना तो फिलहाल शासन के लिए भी टेढ़ी खीर ही है।

छात्रों को नहीं मिली राहत

उल्लेखनीय है कि अभी वर्तमान में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग में बीएलएलबी पाठ्यक्रम संचालित है। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय का बीएएलएलबी पाठ्यक्रम मान्यता न होने के कारण बंद हो गया है। यदि मान्यता मिल जाती तो विधि महाविद्यालय में कक्षा 12वीं के बाद सीधे प्रवेश का अवसर छात्रों को मिल जाता। अब विंध्य में बीएएलएलबी करने के इच्छुक युवाओं को अब निजी कॉलेज में ही मोटी राशि लेकर चक्कर काटना होगा।

> बीसीआई ने नियमित शिक्षकों की कमी का हवाला देते हुए मान्यता पर रोक लगाई थी, मानक पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शासन को लगातार पत्राचार किया जा रहा है।
> **योगेन्द्र तिवारी, प्राचार्य विधि महाविद्यालय**

पशुपालकों को डीवर्मिंग की महत्ता के बारे में दी जानकारी

पशुओं में कृमिनाशन कार्यक्रम का आयोजन

रीवा। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. त्रिपाठी एवं केवीके प्रमुख डॉ अजय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में ग्राम लक्ष्मणपुर एवं खौर में पशुपालन विभाग के अंतर्गत कृमिनाशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पशुओं के स्वास्थ्य संवर्धन एवं पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्साधिकारी एवं कंपाउंडर की उपस्थिति में पशुओं की फेनबेंडाजोल मौखिक सस्पेंशन दवा द्वारा डीवर्मिंग करवाई गई। इस अवसर पर पशुपालकों को डीवर्मिंग की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई तथा बताया गया कि डीवर्मिंग पशुओं के पेट में पाए जाने वाले आंतरिक परजीवियों को नष्ट कर उन्हें स्वस्थ, सक्रिय एवं उत्पादक बनाती है, जिससे दूध उत्पादन एवं वृद्धि दर में सुधार होता है। खुराक संबंधी जानकारी देते हुए बताया गया कि छोटे बछड़ों (गाय एवं भैंस के कैल्फ) को 5 मिलीलीटर फेनबेंडाजोल सस्पेंशन तथा वयस्क गाय एवं भैंसों को 50 मिलीलीटर दवा दी जाती है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि गर्भवती गाय एवं भैंसों को यह दवा नहीं देनी चाहिए, क्योंकि इससे गर्भपात होने की संभावना रहती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पशुपालकों में पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ी एवं वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन अपनाने का संदेश दिया गया, जिससे ग्रामीण स्तर पर पशुधन उत्पादन एवं आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। इस कार्यक्रम में रावे की छात्राएं ज्योति, आंचल, पूर्णिमा, अनुराधा, वंशिका ने भाग लिया।

एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी में चल रही है रीवा प्रो लीग

तीन दिवसीय खेल महाकुंभ का समापन आज

जागरण, रीवा। संस्था एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल रतहरी में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता रीवा प्रो लीग का आयोजन एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी, हैंडबॉल संघ रीवा एवं जिला ओलंपिक एसोसिएशन रीवा के तत्वावधान में किया जा रहा है। 29 दिसंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय इस खेल महाकुंभ में खो-खो, कबड्डी, वालीबॉल एवं हैंडबॉल जैसी बालक-बालिकाओं की प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। इन खेलों में एस. पी. एम.वॉरियर्स , बघेली वॉरियर्स , द ग्रेट लॉर्ड बुद्धा, सी.एस. एम. हीरोज, सरदार पटेल लीजेंट, रीवा रॉयल्स, व्हाइट टाइगर, ब्लैक पैंथर टीमें शामिल हैं। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के लगभग 22 जिलों से बालक एवं बालिकाएं सहभागिता कर रहे हैं। सभी प्रतिभागियों एवं रेफरीज, कोचेस, ऑफिशियल्स सहित लगभग 500 लोगों की रहने व खाने की व्यवस्था स्कूल परिसर में ही की गई है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित दर्शना बागड़े रहीं। अध्यक्षता सरदार पटेल ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन मास्टर बुद्धसेन पटेल ने की। देश के वीर जवानों में शामिल अतुल पाण्डेय व समस्त जनों द्वारा शिक्षा की जननी माता सावित्री बाई फुले जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन करने के साथ ही मशाल प्रज्ज्वलन कर खेलों का शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि दर्शना बागड़े ने अपने उद्बोधन में कहा इन खेलों को विश्व पटल पर ले जाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं दिशानिर्देश एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी के संचालक एड. अभिषेक पटेल का रहा। मंच संचालन उमेश मिश्रा बिहान ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी वीरेन्द्र शुक्ला सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों के मुख्य रूप में ,डॉ. डी.के. सिंह , पूर्व पार्षद अशोक पटेल झब्बू , धीरेंद्र देशमुख ,रामफल , मुनेंद्र मिश्रा ,राहुल शर्मा ,दिनेश डायमंड, शेरोन जॉन , डॉ. इरशाद खान, डॉ. राहुल शर्मा , सुभाष दुबे ,आई.पी. तिवारी ,चंदन सिंह परिहार . संजय सिंह एस.पी.एस. ,मुनिराज पटेल ,भूपेंद्र सिंह , अतुल शुक्ला , धर्मराज सिंह , रामलाल पटेल . वंश बहादुर पटेल ,अधिवक्ता विवेक वर्मा . अधिवक्ता राजकरण कुशवाहा ,प्रदीप सक्सेना ने इस खेल महाकुंभ की सराहना करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ भाग लेते हुए खेल का भरपूर आनंद लिया।

शिक्षकों ने भोपाल में धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

रीवा। राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रान्तीय कार्यकारणी के आह्वान पर संघ के प्रान्ताध्यक्ष जगदीश यादव के नेतृत्व में अम्बेडकर पार्क भोपाल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये हजारों शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन आयोजित कर मुख्यमंत्री निवास जाकर अधिकृत प्रतिनिधि को नौ सूत्रीय ज्ञापन पत्र सौंपा। शिक्षकों के धरना प्रदर्शन में रीवा जिले से संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र सोहगौरा के नेतृत्व में सन्तोष सिंह राजपूत, रामायण सिंह, हेमलाल चौरसिया, आत्मानन्द शर्मा, शैलेन्द्र त्रिपाठी, सुखेन्द्र सिंह, पद्मधर द्विवेदी, मनोज कुमार मिश्रा, श्याम किशोर शर्मा, सुभाष त्रिपाठी, चीतेन्द्र कुमार मिश्र, सत्यनारायण सोनकर, पुष्पेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र द्विवेदी, प्रमोद सिंह, उमेश सेन, प्रदीप मिश्रा सहित सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लिया।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 05, 11 और 21 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल ₹3,400 **करोड़ (अंकित मूल्य)** राशि की प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारुप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन **(ई-कुबेर)** पर **30 दिसंबर 2025 (मंगलवार)** को आयोजित की जाएगी। व्यक्तिगत निवेशक भी **रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in)** के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसर बोली लगा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट **(www.rbi.org.in)** पर **26 दिसंबर 2025 (शुक्रवार)** की प्रेस प्रकाशनी देखें।

''पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/कॉल द्वारा धोखा न खाएं''

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में।

रीवा: अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट। कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा। ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी डे- केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर), A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, गाउट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेड़े मेड़े पाँव का उपचार, रीड की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फ्रैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फ्रैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

भ्रातृ प्रेम को समझना ही राम कथा का सार है: बाला शास्त्री

चिरहुला नाथ मंदिर प्रांगण में चल रही श्री राम कथा

जागरण, रीवा। सिद्ध श्री चिरहुला नाथ मंदिर प्रांगण में चल रही श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास पंडित बाला वेंकटेश शास्त्री महाराज ने भगवान श्री राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न जी की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि चारों भाई एक साथ में खेलते थे, एक साथ में प्रसाद ग्रहण करते थे। एक बार राम जी के प्रसाद की थाली लगी हुई थी लेकिन भरत की वहां उपस्थित नहीं थे तो प्रभु श्री राम जी प्रसाद ग्रहण नहीं किये । माता कौशल्या जी पूछती हैं कि प्रसाद ग्रहण क्यों नहीं कर रहे हैं, तब प्रभु श्री राम जी ने कहा कि हम चारों भाई एक साथ में बैठकर प्रसाद ग्रहण करेंगे, जब भरत जी को बुलाया गया तब भगवान ने प्रसाद ग्रहण किया। आज के मानव की कमजोरी यही है घर में रामायण पढ़ते हैं और भाई-भाई को देखना नहीं चाहते। एक फिट जमीन के लिए गर्दन काटने को तैयार रहते हैं, इस प्रकार की रामायण पढ़ने से कल्याण होने वाला नहीं। इसके पहले आचार्य श्री ने चारों भाइयों की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि जैसे ही प्रभु का प्राकट्य हुआ, प्रभु रुदन किये। बड़े ही धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया गया। आचार्य श्री ने चारों भाइयों के नामकरण संस्कार लीला का वर्णन करते हुए बताया कि गुरु वशिष्ट जी नामकरण संस्कार करते हुए कहा कि जो बाहर के शत्रुओं का नाश करें उनका नाम लक्ष्मण एवं जो अंदर के शत्रुओं का संहार करें उनका नाम है शत्रुघ्न एवं संपूर्ण विश्व के भरण पोषण करने की जिन्हें चिंता रहती है उनका नाम भरत और जो संपूर्ण मर्यादा में रहते हुए प्रजा का पालन करेंगे उनका नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम होगा। आचार्य श्री ने भगवान की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान के पैर में घुंघरू बंधी रहती थी, वे जब आंगन में ठुमक ठुमक कर चलते थे तो बड़ी ही सुंदर अपार शोभा होती थी। तीनों माताएं महाराज दशरथ जी के सहित अत्यंत प्रफुल्लित होती थी। इसके बाद आचार्य श्री ने भगवान के विद्या अध्ययन के प्रसंग को वर्णन किये। इस अवसर पर प्रमुख रूप से चिरहुला नाथ स्वामी के प्रमुख सेवक स्वामी गोकर्णाचार्य, टोनी महाराज, बृजेंद्र शुक्ला, आचार्य शिवकांत द्विवेदी, सोमधर शुक्ला, वी आई पी बाबू उप मुख्यमंत्री के निज सचिव पवन शुक्ला, अलख मुनि तिवारी, गिरीश शर्मा, इंद्रमणि शुक्ला, एडवोकेट अमित शुक्ला, हनुमान द्विवेदी, अनुराग शास्त्री सहित भारी संख्या में उपस्थित भक्तों ने भाव विभोर होकर कथा श्रवण किया ।

खुली नाली में फंसी गाय, मुंह से निकलने लगा झाग

ननि आयुक्त के आदेश के पश्चात भी नालियों को नहीं ढंका गया

जागरण, रीवा। शहर के वार्ड क्रमांक 43 गोपाल नगर वन स्टॉप के समीप शनिवार को खुली नाली में एक गाय फंस गई, जिसे आसपास के लोगों ने निकालने का प्रयास किया, किन्तु निकाल नहीं पाए। बाद में वार्ड के लोगों ने इसकी सूचना नगर निगम को भी दी, किन्तु कर्मचारियों की हड़ताल के चलते सूचना देने के बाद भी कोई मौके पर नहीं पहुंचा। बाद में वार्ड के ही लोगों ने ही जैसे-तैसे नाली में फंसी गाय को निकाला।

खुली नाली में गाय को फंसे काफी समय बीत गया था, जिससे उसके मुंह से झाग निकलने लगा था, लेकिन वार्ड के लोगों की सक्रियता से गाय को बचा लिया गया। ज्ञातव्य है कि गत वर्ष नवंबर-दिसंबर माह के दौरान शहर के प्रत्येक वार्ड में नगर निगम द्वारा जन समस्या शिविरों का आयोजन किया गया था, इस दौरान शहर में खुले नाले व नालियों को ढंकने की मांग शहरवासियों ने की थी, जिस पर आयुक्त ने शिविर स्थल पर ही अपने अधीनस्तों को खुली नालियों को ढांकने के निर्देश दिए थे, लेकिन अधीनस्त कर्मचारियों की लापरवाही ये रही कि खुली नालियों को एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी ढंकना तो दूर उसकी शुरूआत तक नहीं की गई। जिससे आए दिन कोई बच्चा, मवेशी आदि खुले नाले-नालियों का शिकार हो रहे हैं।

पीड़ितों को न्याय दिलाने सपा लड़ेगी आर पार की लड़ाई

जागरण, सिंगरौली। सिंगरौली जिले के ग्राम खम्हरिया एवं परसदेही के भूमि विस्थापित किसान परिवारों को न्याय दिलाने समाजवादी पार्टी ने पावर ग्रिड कंपनी के समक्ष धरना प्रदर्शन आयोजित कर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम सिंगरौली को तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व सपा राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह पटेल ने किया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष उमाकांत नामदेव ने की। संचालन आयोजनकर्ता जिला उपाध्यक्ष सुघरमन सिंह यादव एवं सुनील यादव ने किया। विशिष्ट अतिथि की हैसियत से सपा के प्रदेश महासचिव राम प्रताप सिंह यादव सपा नेता बीएल यादव प्रदेश सचिव सिंगरौली प्रभारी श्रवण विश्वकर्मा बबलू जिला अध्यक्ष सीधी राजेंद्र सिंह पटेल मऊगंज जिला अध्यक्ष अनूप यादव राष्ट्रीय सचिव युवजन सभा राकेश कुमार जिला अध्यक्ष मजदूर सभा अंबिका जायसवाल विधानसभा अध्यक्ष संदीप शाह जिला अध्यक्ष महिला सभा सुनीता श्रीवास्तव जिला महासचिव वीरेंद्र यादव शहर अध्यक्ष समर बहादुर यादव हरिश्चंद्र सोनी जिला सचिव रीवा मयंक सिंह मीडिया प्रभारी राजरखन यादव रहे। धरने को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय सचिव किसान नेता शिव सिंह पटेल व सपा प्रदेश महासचिव राम प्रताप सिंह यादव ने कहा कि सरकार पीड़ित किसान परिवारों के साथ जल्द न्याय करे, नहीं तो सरकार को सपा से लंबी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा। नेताओं ने प्रशासन को एक माह का अल्टीमेटम दिया है। धरना प्रदर्शन दौरान सैकड़ो की संख्या में किसान एवं महिलाएं शामिल रहीं।

खाद्यान्न गबन में खंगाले जा रहे दस्तावेज, कई चेहरे होंगे बेनकाब

जागरण, सीधी । जिले के मझौली विकासखंड अंतर्गत शासकीय वेयर हाउस मझौली के कैंप नेबूहा में ढाई वर्ष पूर्व हुए 67 लाख रुपए के खाद्यान्न गबन मामले की कुंडली खंगालने का कार्य शुरू हो गया है, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर गत दिनों जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा इस मामले जुड़े सभी दस्तावेज अपर कलेक्टर के पास जमा कर दिए गए थे, जल्द ही उप खण्ड स्तरीय अधिकारी के मार्गदर्शन में जांच टीम का गठन कर नए सिरे से इस भ्रष्टाचार में शामिल सभी जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की करतूतों का खुलासा होगा। उल्लेखनीय है कि नेबूहा कैंप में करीब ढाई वर्ष पूर्व हुए खाद्यान्न गबन के मामले को लेकर मीडिया द्वारा उजागर किए जाने पर कलेक्टर ने दस्तावेज तलब कर लिया है। जिसकी जांच एवं छानवीन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है, सूत्र बताते हैं कि जल्द ही विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत टीम द्वारा मौके से एवं विभाग के माध्यम से पूरे गोलमाल की जानकारी जुटाई जाएगी। बता दें कि इस पूरे गबन मामले में तत्कालीन नान प्रबंधक, गोदाम प्रभारी एवं खाद्य अधिकारी की भी भूमिका संदिग्ध है, जिसके खिलाफ अभी कोई कार्यवाही नहीं प्रस्तावित की गई है। वहीं विभागीय सूत्रों की मानें तो इस पूरे गबन मामले में मझौली वेयर हाउस प्रबंधक, नेबुहा कैंप प्रभारी, जिला प्रबंधक नान, एवं ट्रांसपोर्टर सहित खाद्य विभाग की अहम भूमिका है। अगर निष्पक्षता पूर्ण इस मामले की जांच हुई तो इस पूरे गोलमाल में विभाग के कई चेहरे बेनकाब हो सकते है।

किसानों को ई-कृषि यंत्र पोर्टल से है अनुदान की सुविधा

जागरण, रीवा। कृषि को उन्नत बनाने के लिए कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। खेती से जुड़े उपकरणों की खरीद पर किसानों को उनकी पात्रता के अनुसार ई-कृषि यंत्र पोर्टल के माध्यम से अनुदान की सुविधा दी जा रही है। ई-कृषि यंत्र पोर्टल पर पंजीयन कराने के बाद किसान ट्रैक्टर, पावर टिलर सहित सभी तरह के शक्ति चालित एवं स्वचलित कृषि यंत्रों पर अनुदान का लाभ ले सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से बिजली एवं डीजल से चलने वाले सिंचाई पंप, ड्रिप सिस्टम, स्प्रिंकलर, रेनगन तथा सिंचाई पाइपलाइन के लिए भी अनुदान की भी व्यवस्था है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ई-कृषि यंत्र पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए किसान के यूआईडीएआई आधार पंजीयन में अधिकृत फिंगर प्रिंट स्केनर डिवाइस के माध्यम से पंजीयन की सुविधा दी गई है। आधार कार्ड और स्वयं की फोटो अपलोड करके भी किसान पंजीयन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। पंजीयन के साथ-साथ किसान को अनुदान का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रपत्र में घोषणा पत्र देना होगा। जिसमें इस बात का उल्लेख रहेगा कि गत वर्षों में निर्धारित अवधि में किसान को अनुदान का लाभ नहीं मिला है। पंजीयन होते ही किसान को कृषि सामग्री के लिए जिले और आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध अधिकृत विक्रेताओं की सूची पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएगी। किसान के पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से पंजीयन की जानकारी तथा विशेष कोड प्राप्त होगा। इस कोड के माध्यम से डीलर के यहाँ किसान का आवेदन पत्र खुलेगा। किसान पंजीयन का प्रिंट आउट और विक्रेताओं की सूची प्राप्त कर सकते हैं। इन अधिकृत विक्रेताओं में से किसान अपनी पसंद तथा कृषि उपकरण का मोलभाव करके विक्रेता का चुनाव कर सकते हैं। पंजीयन के बाद किसान को अधिकतम 10 दिन की समय सीमा में उपकरण खरीदना होगा। समय सीमा पूरी होने पर पंजीयन अपने आप निरस्त हो जाएगा। साथ ही किसान अगले 6 माह के लिए पंजीयन से अपात्र हो जाएगा। पोर्टल के माध्यम से किसान एक साल में केवल दो उपकरणों के लिए आवेदन कर सकता है। एक ही उपकरण को खरीदने का लाभ पुनः लेने के लिए पोर्टल में समय सीमा तय है। स्वचलित और शक्ति चलित पंप में पाँच साल तथा शेष सिंचाई पंप, ड्रिप सिस्टम, स्प्रिंकलर, रेनगन तथा सिंचाई पाइप विद्युत एवं डीजल पंप में सात साल में एक बार खरीदने का लाभ मिलेगा। ट्रैक्टर से चलने वाले कृषि यंत्रों को खरीद के समय किसान के पास उपयुक्त हार्सपावर का ट्रैक्टर होना आवश्यक है। पोर्टल में आवेदन करने के बाद आगे आएं लाभ उठाएं के आधार पर सूची के अनुसार किसानों को अनुदान का लाभ दिया जाएगा।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने सौंपा उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन

रीवा। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने अपनी मांगों के समर्थन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल को गत दिवस ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन द्वारा कलेक्ट्रेट में रिक्त कमरे संगठन को आवंटित करने ताकि पेंशनर्स उसमें बैठ अपनी मीटिंग कर सकें। मप्र शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं कमिश्नर पेंशनरों की नियमित बैठक लेने पेंशनर फोरम का शीघ्र गठन, शासन के निर्देशानुसार पेंशनर स्वास्थ्य समिति का शीघ्र गठन किया जाए जिससे पेंशनरों को चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो तथा पेंशनरों के रिटायर होते ही पेंशन अदायगी आदेश पीपीओ प्राप्त हो तथा सभी प्रकार के स्वत्वों का भुगतान किए जाने की मांग की गई।

केसरी सोधिया के निधन पर दी श्रद्धांजलि

रीवा। नारी चेतना मंच की वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय रीवा के छात्रावास में लंबे समय तक सेवाएं देने वाली केसरी सोधिया का गत 25 दिसंबर को निधन होने पर नारी चेतना मंच, समता सम्पर्क अभियान,समाजवादी कार्यकर्ता समूह एवं विंध्यांचल जन आंदोलन की ओर से उन्हें याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। 75 वर्षीया केसरी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गईं । उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में सम्पन्न हुआ।

सोन नदी की क्षतिग्रस्त रेलिंग का हुआ सुधार

क्षतिग्रस्त स्लैब पर नहीं पड़ रही विभाग की नजर

जागरण, सीधी

पटपरा मार्ग पर स्थित सोन नदी के गऊघाट पुल के खस्ताहाल होने की तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल होने पर लोक निर्माण विभाग द्वारा रेलिंग का सुधार करा दिया गया है, लेकिन अभी तक पुल के स्लैब की मरम्मत नहीं कराई गई है। जबकि पुल के कई हिस्सों में स्लैब जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। गऊघाट सोन नदी के पुल की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि कई जगहों पर स्लैब में बड़े-बड़े होल हो चुके हैं। दो पहिया वाहन चालकों की निगाह स्लैब की सडक से हटते ही बड़े होल में पहिया घुसने का खतरा बना हुआ है। रात में तो तेज रफ्तार में कई बार दो पहिया वाहन सवार हादसे का शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी जिम्मेदारों को 5-7 इंच के बड़े-बड़े होल नजर नहीं आ रहे हैं। कुछ स्थानों पर तो पीडब्ल्यूडी द्वारा रेलिंग के दरारों को ढकने के लिये सीमेंट का लेप लगाया गया है। गौरतलब है कि सोन नदी के गऊघाट में उक्त बड़ी पुल का निर्माण करीब 40 वर्ष पूर्व कराया गया था। वाहनो का काफी लोड इस पुल में होने के कारण यह पुल लगातार जर्जर हालत में पहुंच रही है। तत्संबंध में युवा समाजसेवी दिग्विजय सिंह चौहान देवघटा ने सोशल मीडिया में जर्जर पुल एवं रेलिंग की फोटो पोस्ट कर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया था। जिसके बाद पुल की रैलिंग का सुधार तो कराया गया लेकिन अभी भी स्लैब का सुधार नहीं हो सका है।

उत्साह के साथ बूथ स्तर पर सब ने सुना मन की बात

जागरण सतना। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले में बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस क्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक ने बूथ क्रमांक 238 पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय एवं सांसद गणेश सिंह ने रविवार को बूथ क्रमांक 228 में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सभी ने ध्यानपूर्वक सुना। नेताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि ष्मन की बातष् देशवासियों में सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ.साथ राष्ट्र निर्माणए सामाजिक दायित्वों और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आम नागरिकों को देश के विकास से जोडने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। बूथ स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संदेशों को गंभीरता से सुना और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के पश्चात सांसद गणेश सिंह ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आगे कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर.घर तक पहुंचाने का कार्य करें ताकि आमजन को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर सक्रियता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और इसी के माध्यम से भाजपा समाज के हर वर्ग से जुडक़र राष्ट्र सेवा के संकल्प को आगे बढ़ा रही है।

अटैंचमेंट का खेल: वेतन रामनगर से कार्य कर रहे अमरपाटन में

पीसीओ को लम्बे समय से किया गया है अटैच

जागरण सतना

एक तरफ शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी कर्मचारी को अटैच नही किया जायेगा। मगर जनपद पंचायत अमरपाटन में एक पीसीओ को लम्बे समय से अटैच किया गया है जिसके चलते उनके पदस्थापना वाले जनपद में कार्य प्रभावित हो रहे है। उक्त पीसीओ को अमरपाटन से मुक्त करने जहां पीसीओ संघ द्वारा जिला पंचायत सीईओ को पत्र लिखा गया है वही अजाक्स ने भी पत्र लिखकर पीसीओ को मुक्त करने की बात कही है। अब सवाल यह उठता है कि सन 2022 में तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ द्वारा रामनगर जनपद में पदस्थ पीसीओ को अमरपाटन अटैच किया गया था उन्हें क्या अब मौजूदा जिला पंचायत सीईओ अमरपाटन से मुक्त करेगें।

कार्यालय जनपद पंचायत अमरपाटन जिला-सतना (म0प्र0)

आदेश

ये है मामला

बताया जाता है कि जनपद पंचायत रामनगर में पदस्थ पीसीओ उमेश कुमार गौतम को प्रभारी बीपीओ अमरपाटन बनाया गया था। लेकिन शासन के स्पष्ट निर्देशो के बाद भी उन्हें अभी तक अमरपाटन से मुक्त क्यों नहीं किया गया। यह बात अब जोर पकड़ने लगी है। इस अटैच मेंट के बाद सन 2022 में पदस्थ रहे जनपद सीईओ द्वारा एक आदेश जारी कर पंचायत समन्वय अधिकारी रामानंद सूर्यवंशी के अतिरिक्त प्रभार खण्ड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत अमरपाटन का सम्पूर्ण प्रभार पीसीओ उमेश कुमार गौतम को सौंप दिया गया था।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा था कि रामनगर से मिलेगा वेतन

तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ ने उमेश कुमार गौतम को रामनगर से अमरपाटन जनपद अटैच करने के आदेश जारी किये थे जिसमें उन्होने कहा था उमेश कुमार गौतम का वेतन एवं भत्तो का भुगतान पूर्ववत जनपद पंचायत रामनगर से ही होगा।

आखिर सेंट्रल किचन पर क्यों नहीं होती कार्यवाही

आये दिन गुणवत्ता विहीन भोजन देने का सामने आता है मामला

जागरण सतना। लम्बे अर्से से सतना और मैहर जिले के शहरी क्षेत्रों में मध्यान भोजन का संचालन करने वाले स्व सहायता समूह के सेंट्रल किचन पर कार्यवाही क्यों नहीं होती इस बात को लेकर लोगों में चर्चा बनी रहती है। क्योंकि आये दिन किसी न किसी क्षेत्र में बच्चों को गुणवत्ता विहीन भोजन देने की शिकायत सामने आ जाती है लेकिन इसके बाद भी कार्यवाही नहीं की जाती। इसके पीछे की क्या वजह है यह तो विभागीय अधिकारी ही जाने।

जैतवारा स्कूल में बच्चो को मिले थे कीड़े

जानकारी के मुताबिक विगत दिनों जैतवारा नगर परिषद के अंतर्गत संचालित एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को घटिया स्तर का कीड़े युक्त मध्यान भोजन उपलब्ध कराया गया जिसे बच्चों ने फेंक दिया था। इस मामले को लेकर डीपीसी द्वारा जांच भी कराई गई जिसमें मामला सही पाया गया। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि जांच प्रतिवेदन जिला पंचायत को भेज दिया गया है कार्यवाही अब जिला पंचायत को करनी है।

कहां होती है मॉनिटरिंग

मध्यान भोजन की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए जिला पंचायत में विशेष तौर पर एमडीएम की टीम बैठी हुई है जिसमें क्वालिटी मॉनिटर सहित कई लोग पदस्थ है। मगर जिस तरह की शिकायतें आती हैं। उसको देखते हुये मॉनिटरिंग पर सवाल जरूर उठ रहे हैं। मध्यान भोजन प्रभारी द्वारा क्या कार्यवाही की जाती है। जैतवारा मामले में एमडीएम प्रभारी ने कहा कि उन्हें डीपीसी से अभी तक कोई प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ। अब हैरानी इस बात की है कि डीपीसी कह रहे हैं कि उन्होंने प्रतिवेदन जिला पंचायत भेज दिया है मगर जिला पंचायत की एमडीएम प्रभारी को अभी तक प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

मध्यान भोजन का संचालन सही तरीके से नहीं किया जा रहा। आये दिन शिकायतें आती है मगर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही नहीं होती। सेंट्रल किचन की लगातार शिकायते आती रही है। फिर भी कार्यवाही नहीं हुई। आखिर एक ही समूह को वर्षो से सेंट्रल किचन संचालन का कार्य क्यों दिया जा रहा है। उसे बदला जाना चाहिए। यही हाल ग्रामीण समूहो का भी है। लम्बे समय से काम कर रहे समूहो को बदलकर नये लोगो को मौका देना चाहिए।

संजय सिंह कछवाह
सदस्य जिला पंचायत

रौहाल चौराहे पर अचेत मिला बस का ड्राइवर

जागरण, सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रौहाल चौराहे पर रविवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा मिला। राहगीरों की नजर जैसे ही युवक पर पड़ी, मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक तौर पर युवक के साथ मारपीट की आशंका जताई गई, हालांकि पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे तथ्य स्पष्ट हो पाएंगे। अचेत अवस्था में मिले युवक की पहचान विजय कुशवाहा पिता ललन कुशवाहा, निवासी ग्राम जूरी के रूप में हुई है। विजय कुशवाहा इमरान बस ट्रेवल्स में ड्राइवर के रूप में कार्यरत था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विजय नशे की हालत में सड़क किनारे गिरा हुआ था और करीब एक घंटे तक वहीं पड़ा रहा, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। घटना की सूचना मिलते ही कुसमी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और विजय कुशवाहा को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। मामले को लेकर कुसमी थाने में पदस्थ आरक्षक हृदय लाल दीवान ने जानकारी देते हुए बताया कि घायल विजय कुशवाहा का विवाद पुष्पेंद्र सिंह बालेंदु नामक व्यक्ति से हुआ था। दोनों के बीच शनिवार की रात भी बहस और मारपीट की बात सामने आई है। आरक्षक हृदय लाल दीवान धड़कन के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे विजय कुशवाहा और पुष्पेंद्र सिंह ने पहले साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद बस चलाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। पुष्पेंद्र सिंह ने बस ड्राइवर का काम करने से मना किया, लेकिन विजय कुशवाहा के न मानने पर विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति बन गई। इसी दौरान विजय के साथ मारपीट की गई ।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की हुई मौत

उचेहरा। रामपथ गवन मार्ग के पथरहटा मोड़ में हार्दिक ढाबा के पास अज्ञात वाहन की ठोकर से करहीकला निवासी 32 वर्षीय ज्ञान सिंह पिता लालबहादुर सिंह पटेल घायल हो गये हासिल जानकारी अनुसार बीती दरमियानी रात्रि मैंहर से घर आ रहे थे तभी अनियंत्रित अज्ञात वाहन की हार्दिक ढाबा के पास ठोकर लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को पहले जिला अस्पताल फिर रीवा और हालत बिगड़ने पर रीवा से जबलपुर रेफर किया गया इसी दरमियान रास्ते मे मौत हो गई। उचेहरा पुलिस घटना के कारणों की विवेचना कर रही है। इस हृदय विदारक हुई घटना की जसनकारी लगते ही समूचे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अंश सिंह पिता राजेश सिंह निवासी ग्राम/पो.- बिहरा तहसील हुजूर, थाना चोरहटा, जिला रीवा (म.प्र.) का हूं। कथन करता हूं कि मेरा पुराना नाम अहम सिंह (Aham Singh) था, जो अब बदलकर अंश सिंह (Ansh Singh) कर दिया हूं। और जन्मदिनांक 12.11.2011 है। अतः अब मुझे नया नाम अंश सिंह (Ansh Singh) के नाम से जाना- पहचाना जाए एवं समस्त अभिलेखों में अहम सिंह (Aham Singh) की जगह अंश सिंह (Ansh Singh) सुधार किया जाए व लिखा, पढ़ा जाए।

RN- अंश सिंह

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात'

विसं, भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को रविवार को प्रदेश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना और उनके बताई गई बातों का अनुसरण करने का संकल्प लिया। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने इंदौर ग्रामीण एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने देवास जिले के हाटपिपलिया में प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना। इंदौर में सरकार के मंत्री तुलसी राम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ सहित जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल एवं बूथ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इसके साथ ही प्रदेश भर में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आमजन के साथ प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना गया।

एनएसयूआई ने पर्यावरण बचाने निकाला पैदल मार्च

विशेष संवाददाता, भोपाल। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर रविवार को भोपाल में पैदल मार्च निकाला। जिसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी शामिल हुए। मध्यप्रदेश एनएसयूआई के अध्यक्ष आशुतोष चौकसे की मौजूदगी में पर्यावरण बचाओ, पेड़ बचाओ अभियान के अंतर्गत रविवार को पैदल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च मिनाल के गेट नंबर 4 (अयोध्या बायपास रोड) से प्रारंभ हुआ, जिसमें काफी संख्या में छात्र, युवा एवं संगठन के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संबोधन में कहा कि अरावली पर्वतमाला को बचाना आज देश की सबसे बड़ी पर्यावरणीय ज़रूरत है। मध्यप्रदेश के सिंगरौली, भोपाल सहित कई क्षेत्रों में जिस तरह से अंधाधुंध पेड़ कटाई हो रही है, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेस और एनएसयूआई पर्यावरण विनाश के खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेंगे। एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि अडानी जैसे कॉरपोरेट हितों के लिए प्रकृति की बलि नहीं दी जाएगी। पर्यावरण संरक्षण कोई औपचारिक नारा नहीं बल्कि जीवन से जुड़ा प्रश्न है। सरकार की नीतियों के कारण लगातार जंगल और हरियाली समाप्त की जा रही है।

सरप्लस मध्यप्रदेश खरीद रहा दूसरे राज्यों से बिजली

आपूर्ति लगातार बहाल रखने के लिए महंगी खरीदनी पड़ रही बिजली, मध्यप्रदेश की बिजली से चल रही दिल्ली की मेट्रो

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस राज्य की श्रेणी में है, लेकिन फिर भी सरकार द्वारा दूसरे राज्यों से बिजली खरीदनी पड़ रही है। जानकारों की माने तो राज्य सरकार 2024-25 में 74 करोड़ और 2025-26 में 91 करोड़ यूनिट पावर एक्सचेंज के जरिए अन्य राज्यों और निजी उत्पादकों से बिजली खरीद रही है। गौरतलब है कि राज्य सरकार लगातार सरप्लस बिजली होने का दावा करती रही है।

मध्यप्रदेश की बिजली से दिल्ली की मेट्रो ट्रेन भी संचालित हो रही है, लेकिन फिर भी पीक आवर में राज्य को दूसरे प्रांतों या निजी कंपनियों से बिजली की खरीदी करनी पड़ रही है। जानकारों का कहना है कि सरकार कई बार दूसरे राज्यों को बिजली बेचती भी है, लेकिन जिस दर पर मध्यप्रदेश अपनी बिजली दूसरे राज्यों को विक्रय करती है,उससे कहीं दर पर उसे दूसरे राज्यों से महंगी बिजली खरीदने पड़ती है। हालांकि

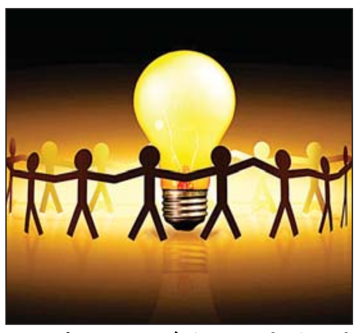

जानकारों का कहना है कि जब भी बिजली की मांग अपने चरण सीमा पर रहती है,तभी राज्य को दूसरी कंपनियों से बिजली खरीदती है। उनका कहना है कि जब डिमांड बढ़ती है और उस दौरान किसी कारण से आवश्यक जरूरत के हिसाब से बिजली का उत्पादन प्रदेश में नहीं हो पाता तो बिजली पावर एक्सचेंज के ज़रिए बिजली खरीदनी पड़ती है। मध्य प्रदेश की बिजली की औसत और अधिकतम मांग लगातार बढ़ रही है जिसे सरकार को पूरा करने के लिए बिजली को बाहर से खरीदना पड़ रहा है। पिछले दिनों यह मामला विधानसभा में भी उठाया गया था। इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि विभाग का कंपनियों के जरिए राज्य की बिजली उत्पादन कंपनियों से 25 हजार मेगावॉट बिजली का अनुबंध है। जबकि राज्य की औसतन डिमांड 19.50 हजार मेगावॉट है। लेकिन हमेशा अनुबंध के हिसाब से बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाती। कई बार कोई प्लांट फेल हो जाता है, तो वहां से बिजली नहीं मिल पाती। पिछले दिनों सिंगाजी संयंत्र फेल होने की वजह से 600 मेगावॉट बिजली की आपूर्ति बाछित हुई थी। ऐसे में यदि बिजली की पूर्ति करना हो, तो बिजली की खरीदी करनी पड़ती है और उस दौरान दूसरे राज्यों से जिस दर में बिजली मिलती है, उसी दर पर बिजली खरीदी जाती है।

विधानसभा में उठा था सवाल

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस विधायक डॉ.विक्रात भूरिया ने इस मामले को विधानसभा में सत्र के दौरान उठाया था, तब ऊर्जा मंत्री ने साफ तौर पर कहा था कि आवश्यकतानुसार बिजली खरीदी जाती है। उन्होंने बताया था कि 2024-25 में 74 करोड़ व 2025-26 में 91 करोड़ यूनिट बिजली की खरीदी गई। उन्होंने बताया कि बिजली की औसत मांग 2020-21 में 9,527 और अधिकतम 15,425 मेगावाट थी, जो लगातार बढ़ रही है। 2025-26 में 30 सितंबर तक औसत 11,119 और अधिकतम 14,219 मेगावाट मांग हो गई। इसी तरह खपत की बात की जाए तो 2020-21 में 83,458.94 मिलियन यूनिट थी जो 2025-26 में 30 सितंबर तक 48,817.82 मिलियन यूनिट रही। उन्होंने बताया था कि प्रदेश के बाहर और निजी उत्पादकर्ताओं से समय-समय पर बिजली पावर एक्सचेंज के माध्यम से ली जाती है। पावर मैनेजमेंट कंपनी ने प्रदेश के बाहर से 2020-21 में 14,005.54 मिनियन यूनिट बिजली 3.61 रुपये प्रति यूनिट की दर से ली। वहीं, 2025-26 सितंबर तक 7,635.20 मिलियन यूनिट 3.43 रुपये प्रति यूनिट की दर से ली गई। इसी तरह निजी कंपनियों से 2020-21 में 20,708 मिलियन यूनिट बिजली ढाई रुपये प्रति यूनिट की दर से और 2025-26 सितंबर तक की स्थिति में 12,031 मिलियन यूनिट दो रुपये 81 पैसे प्रति यूनिट की दर से खरीदी गई।

"जब डिमांड ज्यादा होती है और उत्पादन कम होता है,तो हमें बिजली दूसरे राज्यों या निजी कंपनियों से खरीदनी पड़ती है। क्योंकि हमारी सरकार की अपने उपभोक्ताओं से प्रतिबद्धता है कि उन्हें निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जाएगी और हम अपने इस वायदे को पूरा कर रहे है। हमारा उद्देश्य हमारे उपभोक्ता और किसान किसी भी रुप में बिजली की आपूर्ति की वजह से प्रभावित नहीं हो।

■ **प्रद्युम्न सिंह तोमर**, ऊर्जा मंत्री मध्यप्रदेश सरकार

'पोस्ट' से चर्चा में चल रहे दिग्विजय को मिला भाजपा में आने का न्यौता

सीएम बोले- दिग्विजय को संघ की विचारधारा पसंद तो स्वागत

विसं, भोपाल। अपनी एक पोस्ट से चर्चाओं में चल रहे मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को भाजपा में आने का न्यौता मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि दिग्विजय सिंह संघ की विचारधारा को अपनाते हैं, तो उनका पार्टी में स्वागत है। गौरतलब है कि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा की सहयोगी शक्ति की खुलकर तारीफ करते हुए एक पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी। तस्वीर में वर्ष 1990 की बताई जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीचे बैठे दिखाई दे रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने लिखा कि कैसे एक स्वयंसेवक सफलता की सीढ़ियों पर बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने इसे संगठन की शक्ति बताया। बताया गया है कि दिग्विजय सिंह अपनी इस पोस्ट को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित दूसरे वरिष्ठ नेताओं को टैग किया है। जिससे यह मामला राजनीतिक चर्चाओं की वजह से सुर्खियों में आया। इस बयान को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सवाल किए गए, तो उन्होंने कहा कि आरएसएस एक आदर्श संगठन है। भाजपा एक ऐसा मंच है, जहां विचार और संगठन की ताकत की कद्र की जाती है। यदि दिग्विजय सिंह ने आरएसएस को एक आदर्श संगठन बताया है तो बीजेपी में उनका स्वागत है। इसी तरह दिग्विजय सिंह की पोस्ट के सवाल पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि दिग्विजय सिंह के विचार भाजपा के विचारों से मेल खाते हैं और अगर वह आगे बढ़ते हैं तो वे भाजपा बीजेपी में आ सकते हैं। इस संबंध में पूछने पर दिग्विजय सिंह ने सिर्फ एक वाक्य में जवाब देते हुए कहा कि क्या आप मेरे बारे में ऐसा सोचते हैं?

कांग्रेस ने दी सफाई

इधर इस मामले को लेकर रविवार को प्रदेश कांग्रेस ने सफाई दी है। प्रदेश संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने स्पष्ट किया कि न मोदी की तारीफ हुई है और न ही आरएसएस की। कामले ने कहा कि तस्वीर केवल प्रतीकात्मक थी और इसका उद्देश्य संगठन की ताकत को दिखाना था, न कि किसी व्यक्ति या विचारधारा की प्रशंसा। उन्होंने कहा कि इस पोस्ट को गलत अर्थों में लिया जा रहा है।

मप्र नई शिक्षा नीति लागू करने में अग्रणी: सीएम

जबलपुर में हुए कार्यक्रम को वचुर्अली किया संबोधित, महाराष्ट्र के सीएम रहे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र नई शिक्षा नीति को लागू करने में अग्रणी राज्यों में से एक है। सरकार पाठ्यक्रमों में लोकनायकों और जननायकों की जीवनियों को शामिल कर युवा पीढ़ी को उनके बारे में ज्ञान दिलाने का काम कर रही है। सीएम डॉ. यादव रविवार को जबलपुर में आयोजित महाराष्ट्र शिक्षण मंडल के शताब्दी वर्ष समारोह को इंदौर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस भी मौजूद रहे। डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति धरातल पर उतारने की दिशा में काम किया गया है। इसमें हम देश में आगे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज प्रारंभ किए हैं। सरकार ने खरगोन में टंट्या मामा विश्वविद्यालय, गुना में तात्या टोपे विश्वविद्यालय और ग्वालियर में रानी अवंतिबाई विश्वविद्यालय शुरू किये हैं। डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के बीच का संबंध केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संत परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और समाज सुधार की साझी विरासत से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि अब केवल इतिहास पर गर्व करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों के लिए नई पीढ़ी को तैयार करना होगा। यदि महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर में मराठी भाषा

सिखाने के लिए कोई नया उपक्रम या कोर्स शुरू करता है, तो महाराष्ट्र सरकार उसके लिए आवश्यक निधि और पूरा सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा, यहां तक कि मेडिकल और इंजीनियरिंग में भी मातृभाषा को प्राथमिकता दी गई है। फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य के साथ स्वधर्म और स्वभाषा का नारा दिया था। उन्होंने पानीपत के युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि मराठों ने केवल अपने साम्राज्य के लिए नहीं, बल्कि समूचे भारत की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि मराठी व्यक्ति कभी संकुचित विचार नहीं रखता बल्कि उसका दृष्टिकोण हमेशा राष्ट्रव्यापी और वैश्विक होता है।

फडणवीस की जबलपुर के विकास में अहम भूमिका

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर के विकास के वर्तमान स्वरुप की नींव रखने में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की अहम भूमिका रही है। फडणवीस एक विजनरी नेता है। उन्होंने एक पुराना संस्मरण साझा करते हुए बताया कि जब फडणवीस विधायक थे, तब उन्होंने जबलपुर प्रवास के दौरान देर रात बड़ा फुहारा और छोटा फुहारा जैसी घनी बस्तियों का दौरा किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि इच्छाशक्ति हो तो जबलपुर तेजी से आगे बढ़ सकता है। उनके द्वारा सुझाए गए बिंदुओं पर ही शहर के विकास की रूपरेखा तैयार की गई। मंत्री सिंह ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में अधोसंरचना विकास के लिए वे महाराष्ट्र के नवाचारों का अनुसरण करेंगे और वहां के इन्फ्रास्ट्र.र मॉडल का अध्ययन करेंगे। परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि अब स्थानीय भाषाओं और भारतीय संस्कृति, जैसे रामायण और गीता को भी शिक्षण पद्धति में शामिल किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

सख्ती: जर्जर स्कूलों में कराए गए मरम्मत कार्यों का प्राचार्यों को देना होगा प्रमाण पत्र

बारिश के दौरान स्कूल में टपते पानी ने खोल दी थी मरम्मत कार्यों की पोल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के सभी हायर सेकंडरी और हाईस्कूलों में मरम्मत कार्यों का लेखाजोखा तैयार किया जा रहा है। संकुल प्राचार्यों को स्कूलों में हुए मरम्मत कार्यों का प्रमाण पत्र देना होगा। जिला पंचायत के निर्देश पर शिक्षा अधिकारी कार्यालय उक्त प्रमाण पत्र तैयार करा रहे हैं। 2025 में स्कूल के भवनों की मरम्मत के लिए बजट जारी किया गया था। मरम्मत कार्यों की पोल स्कूल में बारिश के दौरान टपते पानी ने खोल दी है। कई स्कूलों में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई तो कई स्कूलों को एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करना पड़ा। बरखेड़ा पठानी में जर्जर छत का प्लस्तर कक्षा में गिर गया था, जिससे छात्राओं को चोट आई थी। अब जिला पंचायत के निर्देश पर सभी स्कूलों के प्राचार्यों से स्कूलों की व्यवस्था दुरुस्त होने के प्रमाण पत्र मांगे गए हैं। प्रमाण पत्र में प्राचार्यों को स्पष्ट करना होगा कि उनके यहां मरम्मत की जरूरत नहीं है। प्राचार्य प्रमाण पत्र में उल्लेख करेंगे कि कहां पर मरम्मत कार्य होना है।

अप्रैल के पहले तैयार करना है प्रमाण पत्र

अप्रैल के पहले सभी प्राचार्यों को प्रमाण पत्र बिंदुवार तैयार कर करना है। सत्र प्रारंभ होने से पूर्व प्राचार्यों को हर व्यवस्था में सुधार करना होगा। इसके लिए विकल्प दो रखे गये हैं। यदि विद्यालय में आकस्मिक निधि की राशि है तो उससे सुधार कराना होगा। यदि निधि नहीं है तो फिर विभाग को प्रस्ताव भेजना होगा ताकि समय रहते यहां से मेंटेनेस के लिए राशि जारी की जा सके।

ठीक होगी बिजली व्यवस्था

राजधानी के बिजली विहीन प्राइमरी और मिडिल स्कूलों के लिए शासन ने विद्युत का प्रावधान किया है। भोपाल के करीब साढ़े चार सौ मिडिल और प्रायमरी स्कूलों कई सालों से बिजली कनेक्शन नहीं है। अप्रैल से नवीन शिक्षण सत्र शुरू किया जाएगा। बिजली के अभाव में विद्यार्थियों को अध्ययन करने में काफी मशक्कत उठाना पड़ती है। अब उक्त स्कूलों में बिजली की व्यवस्था होने से अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को काफी राहत मिलेगी।

"स्कूलों में मौजूदा स्थिति जानने के लिए प्रमाण पत्र मांगे गए हैं। कहीं मरम्मत की जरूरत होने पर सुधार किया जाए और विद्यार्थियों को सुविधा युक्त शिक्षा मिल सके।

■ **इला तिवारी**, सीईओ जिला पंचायत भोपाल

अमेरिका में बर्फीले तूफान से हजारों फ्लाइट कैंसिल

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के उत्तर-पूर्वी इलाकों में बर्फीले तूफान 'डेविन' के कारण अमेरिका में शनिवार को 9,000 से अधिक घरेलू उड़ानें रद्द या डिले हुईं। रॉयटर्स के मुताबिक तूफान ने क्रिसमस के बाद की हॉलिडे ट्रैवल को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। इस तूफान के चलते न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राज्य आपातकाल घोषित करना पड़ा। फ्लाइट अवेयर के अनुसार, शुक्रवार से शनिवार तक अमेरिका में 2700 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल हुईं और हजारों देरी से चलीं। वहीं, शुक्रवार को 1802 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 22,349 उड़ानें डिले हुईं। जेटब्लू, डेल्टा, अमेरिकन और यूनाइटेड जैसी बड़ी एयरलाइंस ने सैकड़ों फ्लाइट्स रद्द कीं और यात्रियों को मुफ्त में टिकट बदलने की छूट दी है।

ग्वालियर और खजुराहो में घना कोहरा, भोपाल स्टेशन पर देर से पहुंची ट्रेनें

भोपाल सहित 8 जिलों में शीत लहर मंदसौर में 2.5 डिग्री तक गिरा पारा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। उत्तर भारत की ओर से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण प्रदेश के अधिकांश जिलों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। कहीं कहीं तो 5 डिग्री से नीचे यह रिकार्ड किया जा रहा है। रविवार को मिली जानकारी अनुसार मप्र में सबसे ठंडा स्थान मंदसौर रहा। यहां रात का न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले यहां का तापमान 2.9 डिग्री था। मंदसौर एक मैदानी क्षेत्र हैं, यहां ठंडी हवाओं के कारण पारे में गिरावट आ रही है। मंदसौर के अलावा शहडोल, रीवा, राजगढ़ में भी रात का पारा 3-4 डिग्री के आस पास बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर कड़ाके की ठंड और पारे में गिरावट के कारण रविवार को मप्र के 8 जिलों में शीत लहर चली। इसमें भोपाल सहित अन्य जिले शामिल हैं।

भोपाल में दूसरे दिन भी 5 डिग्री से कम रहा पारा

राजधानी भोपाल में लगातार दूसरे दिन भी रात का न्यूनतम पारा 5 डिग्री से कम रहा। मौसम बुलेटिन के अनुसार रविवार को भोपाल का न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि शनिवार को यह 4.6 डिग्री था। वहीं दिन के तापमान की बात करें तो इसमें थोड़ा इजाफा देखा गया है, रविवार को भोपाल का दिन का अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री रहा। जो कि शनिवार को 23.5 डिग्री था।

कश्मीर में पारा 0 डिग्री, सीकर में 2.1 डिग्री

नई दिल्ली/लखनऊ, जेएनएन। उत्तर भारत इस समय कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की चपेट में है। कश्मीर घाटी में तापमान शून्य डिग्री के आसपास पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 2.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, ऊपरी वायुमंडल में सक्रिय जेट स्ट्रीम की तेज रफ्तार के कारण मैदानी इलाकों में ठंड और शीतलहर का असर और बढ़ गया है।

रविवार को राजस्थान के कई इलाकों में जबरदस्त सर्दी देखने को मिली। फतेहपुर में 2.1 डिग्री, करौली में 2.4 डिग्री, सीकर में 3.5 डिग्री, पाली में 3.6 डिग्री और दौसा में 3.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। पंजाब और हरियाणा में भी हालात कुछ ऐसे ही रहे। हरियाणा के हिसार में पारा 2.5 डिग्री तक गिर गया, जबकि पंजाब के फरीदकोट में 3.4 डिग्री, पटियाला में 4.6 डिग्री और अमृतसर व लुधियाना में 4.4 डिग्री तापमान दर्ज हुआ।

ग्वालियर में 50 मीटर विजिबिलिटी

प्रदेश के मैदानी जिलों में भले ही कोहरा नहीं छा रहा। लेकिन उत्तर भारत की ओर बढ़ने पर यहां स्थित इलाके में घना कोहरा पड़ रहा है। ग्वालियर में अति घना कोहरा छाया रहा, जिससे यहां की विजिबिलिटी घटकर महज 50 मीटर रह गई। इसके बाद नौगांव और सीधी में विजिबिलिटी की सीमा 500 से 1000 मीटर तक रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दिनों में घना कोहरा छाता रहेगा।

आज यहां पड़ेगा कोहरा: ग्वालियर, दतिया, भिंड, सिंगरौली, सीधी, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर।

9 जिलों में शीत लहर की चेतावनी: भोपाल, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर, अनूपपुर, शहडोल और सिवनी।

नए साल पर और तेज होगी ठंड

मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जो 30 दिसंबर से एक्टिव हो सकता है। इससे हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी बढ़ सकती है। बर्फबारी के कारण वहां से ठंडी हवाएं बहकर प्रदेश तक पहुंचेंगी, जिससे भोपाल सहित कई जिलों में ठंड और बढ़ जाएगी।

नशे में वाहन चलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नववर्ष 2026 के दौरान प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने पूरे प्रदेश में 28 दिसंबर शाम से 1 जनवरी की रात तक सघन चेकिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी रैंक के फील्ड अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अधिक तैनाती रहे। शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार ड्राइविंग, छेड़खानी और महिलाओं के साथ होने वाली अभद्रता को रोकने के लिए पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पहलगाम घटना तथा ऑपरेशन 'सिंदूर' के मद्देनजर मॉल, बाजार, होटल, रिसॉर्ट, पिकनिक स्पॉट (नदी, बांध, झील) और मंदिरों में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात करें। सूचीबद्ध गुंडा-बदमाशों और अशांति फैलाने वाले तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही नियंत्रित करने की रणनीति पर काम किया जाए। डीजीपी ने जिलों में होने वाली किसी भी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी तत्काल पुलिस मुख्यालय को साझा करने के निर्देश दिए।

नीट पीजी: रजिस्ट्रेशन के लिए फिर से खुला पोर्टल

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय मप्र द्वारा नीट पीजी स्टेट लेवल काउंसलिंग की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। अभी तक दो राउंड की काउंसलिंग हो चुकी है। अब डीएमई द्वारा मॉप अप राउंड का शेड्यूल जारी किया गया है। इससे पहले रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल को फिर से ओपन किया गया है। संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली थी कि कई ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने काउंसलिंग के पहले और दूसरे चरण में हिस्सा नहीं लिया, जिसकी वजह से उनका रजिस्ट्रेशन काउंसलिंग के लिए नहीं हो सका। लेकिन अब वह तीसरे यानि मॉप अप राउंड में हिस्सा लेना चाहते हैं लेकिन पोर्टल बंद हो चुका है। ऐसे अभ्यर्थियों की मांग पर संचालनालय ने पोर्टल को फिर से ओपन किया है। जो 29 दिसंबर से 3 जनवरी रात 12 बजे तक चालू रहेगा। चार दिनों में उम्मीदवार डीएमई के पोर्टल काउंसलिंग के लिए रजिस्टर्ड करा सकते हैं।

प्रेम में विफल युवक ने युवती को पिस्टल की नोंक पर बनाया बंधक

पुलिस ने युवती को छुड़ाया, आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में एक मैरिज गार्डन में युवक ने युवती को पिस्टल की नोंक पर बंधक बना लिया। वह युवती पर शादी के दबाव बना रहा था। युवती चीख-पुकार कर रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी के चंगुल से युवती को छुड़ाया और पिस्टल व कारतूस जब्त कर लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है। पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि युवक प्रेम प्रसंग में विफल हो गया है। शादी के लिए दबाव बनाने के संबंध में युवती अयोध्या नगर थाने में भी आरोपी के खिलाफ शिकायत कर चुकी है। छोला मंदिर थाने के एसआई एमडी अहिरवार ने बताया कि रविवार शाम पांच बजे सूचना मिली कि अयोध्या बायपास स्थित सनराइज मैरिज गार्डन में एक युवक ने युवती को पिस्टल की नोंक पर बंधक बना लिया है। सूचना मिलते ही एसआई और थाना स्टाफ उनके साथ मौके पर पहुंचा। तभी गोली चलने की आवाज एसआई को सुनाई दी। वह दौड़कर कमरे में पहुंचे। जहां आरोपी जय दुबे (26) निवासी दमोह मिला। उसके हाथ से पुलिस ने पिस्टल ली और युवती को अपने कब्जे में लिया। गोली डराने के लिए चलाई गई थी जोकि दीवार में लगी थी। आरोपी जय यहां पर रत्नागिरी पिपलानी में रहता है। युवती (24) वीडियो रील बनाती है और सोशल मीडिया पर शेयर करती है। दोनों के बीच पूर्व में प्रेम प्रसंग था। जय उससे शादी करना चाहता है, लेकिन युवती ने शादी करने से मना कर दिया। जय शादी के लिए उस पर दबाव बना रहा था। युवती के नहीं मानने पर उसने उसका पीछा किया और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

दहशत छह दिनों से धनगवां में तीन हाथियों का आतंक, फसल और घर को पहुंचाया नुकसान

अनूपपुर में हाथियों के डर से ग्रामीणों ने पेड़ पर बनाया आशियाना

जागरण, अनूपपुर। छत्तीसगढ़ की सीमा को पार करते हुए पिछले छह दिनों से तीन हाथी जिले की सीमा में विचरण कर रहे हैं। लगातार यह क्षेत्र हाथियों का विचरण क्षेत्र बन गया है, जहां रह-रह कर हाथी पहुंचते रहते हैं। रात के समय हाथी लगातार विचरण कर ग्रामीणों के घरों-फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। पूर्व में भी कई ग्रामीणों की हाथी के हमले से मौत हो चुकी है। इससे डरे-सहमे ग्रामीणों ने अब हाथियों से अपनी जान बचाने पेड़ पर आशियाना बना लिया है। दिन भर तो यह अपने घर में रहते हैं, लेकिन रात होते ही पेड़ में बनाए गए आश्रय स्थल पर हाथियों की

निगरानी करते हुए अपनी जीवन रक्षा भी कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार तीन हाथियों का समूह 23 दिसंबर की रात छत्तीसगढ़ के मरवाही को पार कर अनूपपुर जिले के जैतहरी के चोलना एवं धनगवां वन बीट से लगे जंगलों में पहुंचा है। रात होते ही जंगल से लगे ग्राम पंचायत क्योटार के ग्राम कुसुमहाई के पालाडोंल, झंडीटोला, ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव अंतर्गत भलुवानटोला, ग्राम पंचायत कुकुरगोड़ा के बेल्हाटोला, कोषमटोला, सरईया टोला में पहुंचकर अब तक छह ग्रामीणों के कच्चे मकानों में तोड़फोड़ करते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसमें झण्डीटोला निवासी बाल सिंह, चोई के खेरवाटोला निवासी अमृतिया राठौर, पालाडोंल के चौरसिया बाई बैगा, घनश्याम सिंह, कुकुरगोड़ा के झुमुकलाल, बल्कू कोल के घरों को तोड़कर नुकसान पहुंचाया है। इसके साथ ही चोई के गोढाटोला निवासी तुला राठौर, कुकुरगोंड़ा के छोट्टन सिंह, शिवलाल, सुरेश के साथ अन्य ग्रामीणों के खेतों एवं खलिहानों में रखी विभिन्न प्रकार की फसलों को अपना आहार बनाया है।

जरूरी सामान और बिस्तर पेड़ पर रख करते हैं निगरानी

पिछले कई वर्षों से निरंतर हाथियों के विचरण से परेशान कुसुमहाई गांव के पालाडोंल निवासी दऊवा उर्फ धनेश्वर बैगा एवं घनश्याम सिंह ने अपने घर के पास स्थित पेड़ में घर के सामग्रियों को बोरी में रखकर पेड़ों में टांगकर तथा पेड़ों में खाट चढ़ाकर यहीं पर रहकर हाथियों की निगरानी करने के साथ ही अपने जीवन की रक्षा कर रहे हैं। उनके परिवार के महिलाओं सहित अन्य सदस्य देर शाम होते ही कुसुमहाई गांव के बीच बस्ती में जाकर पक्के मकानों में रात गुजारते हैं। हाथियों के निरंतर विचरण पर वन विभाग ने दो अलग-अलग तरह से गश्ती दल बनाकर ग्रामीणों की मदद से हाथियों के विचरण पर नजर रख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बर्थडे पार्टी में 'लव जिहाद' का आरोप, किया हंगामा

बरेली, जेएनएन। बरेली जिला मुख्यालय में एक रेस्तरां में बीएससी (नर्सिंग) की छात्रा की जन्मदिन पार्टी में दूसरे समुदाय के युवकों को देखकर कुछ हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने 'लव जिहाद' का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना प्रेमनगर इलाके के 'द डेन कैफे एंड रेस्तरां' में शनिवार रात हुई, जहां छात्रा ने जन्मदिन पार्टी आयोजित की थी। पार्टी में 10 लोग मौजूद थे, जिनमें 6 लड़कियां और 4 लड़के शामिल थे। चार लड़कों में से दो शान, वाकिफ मुस्लिम थे। पुलिस ने बताया कि एक हिंदू लड़की के साथ मुस्लिम युवकों की मौजूदगी को लेकर कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य रेस्तरां पहुंचे।

दिल्ली में अब बिना पीयूसीसी पेट्रोल नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रदूषण से दिल्ली का बुरा हाल है। धुंध की मोटी परत हटने का नाम नहीं ले रही है। हालात इस कदर खराब हैं कि राजधानी के कई इवालों का एक्यूआई 400 के पार है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अब से ये तय किया गया है कि जो ग्रैप-4 के तहत पाबंदियां थीं, उसमें से हमने दो पाबंदियों को स्थायी कर दिया गया है। पहला पीयूसीसी को। कहीं पर भी बिना पीयूसीसी सर्टिफिकेट के पेट्रोल नहीं मिलेगा। भारत स्टेज-६ से कम की जो दिल्ली से बाहर की गाड़ियां हैं, उनके भी प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। सरकार ने यह फैसला सर्दियों के मौसम में बढ़ते प्रदूषण के हाल को देखकर लिया है।

संघ, अलकायदा एक जैसे : सांसद टैगोर

नई दिल्ली, जेएनएन। दिग्विजय सिंह के आरएसएस-बीजेपी की तारीफ करने वाले पोस्ट से कांग्रेस नेता नाराज हैं। रविवार को तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा-आरएसएस नफरत फैलाने वाला संगठन है, अलकायदा की तरह काम करता है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा-संघ से सीखने जैसा कुछ नहीं है। गोडसे से जुड़े संगठन से गांधी द्वारा स्थापित संगठन क्या सीख सकता है? रविवार को कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस इंदिरा भवन में मनाया गया। दिग्विजय ने शनिवार को एक पोस्ट में पीएम मोदी का चित्र शेयर करते हुए आरएसएस व जनसंघ-भाजपा संगठन की तारीफ की थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में यात्रा

ऐसा करने वाली दूसरी राष्ट्रपति, इससे पहले डॉ. कलाम कर चुके हैं यात्रा

फाइटर जेट में भी उड़ान भर चुकीं राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति भी हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने 29 अक्टूबर को अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से राफेल में उड़ान भरी थी। उनके विमान की पायलट स्क्वॉड्रन लीडर शिवांगी सिंह थीं। उससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने 7 अप्रैल 2023 को असम के तेजपुर एयरफोर्स स्टेशन से सुखोई 30 एमकेआई फाइटर जेट में उड़ान भरी थी। मुर्मू सुखोई में उड़ान भरने वाली देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल ने भी सुखोई में उड़ान भरी थी।

कारवा, जेएनएन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवा नेवल बेस पर पनडुब्बी (सबमरीन) में यात्रा की। कलवरी क्लास की सबमरीन आईएनएस वाघशीर में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ थे। राष्ट्रपति मुर्मू की कलवरी क्लास सबमरीन में यह पहली और किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पहले राष्ट्रपति थे, जिन्होंने सबमरीन में यात्रा की थी। कलाम ने फरवरी 2006 में पनडुब्बी यात्रा की थी। राष्ट्रपति नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में पहुंचीं। पी-75 स्कॉर्पीन प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर को जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था।

आईएनएस सिंधुदर्शक में बैठे थे डॉ. कलाम

भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम सबमरीन में यात्रा करने वाले पहले भारतीय राष्ट्राध्यक्ष बने। डॉ. कलाम 13 फरवरी 2006 को ईस्टर्न नेवल कमांड के तहत विशाखापट्टनम में सबमरीन में कुछ घंटों के लिए बंगाल की खाड़ी में रहे। उनके साथ तत्कालीन नौसेना प्रमुख अरुण प्रकाश भी थे। यात्रा के बाद डॉ. कलाम ने कहा था, पानी के अंदर सबमरीन में यात्रा करने का यह मेरा पहला अनुभव है।

बांग्लादेश में दीपू दास की निर्मम हत्या की दुनियाभर में हो रही निंदा

अमेरिका ने बांग्लादेश में धार्मिक हिंसा को बताया भयावह, कार्रवाई की मांग

वॉशिंगटन। बांग्लादेश में हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की निर्ममता से हत्या को लेकर दुनियाभर में निंदा हो रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में हुई इस धार्मिक हिंसा की निंदा की है। साथ ही, एक प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटर ने दीपूचंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और बिना शर्त धार्मिक नफरत की निंदा करने की अपील की। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं से जुड़े सवाल पर अमेरिकी प्रवक्ता ने बताया, संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। प्रवक्ता ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक हिंसा की कड़ी निंदा करता है। हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का स्वागत करते हैं। अमेरिकी सीनेटरों ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रो खन्ना ने इस हत्या को 'भयानक' बताया और धार्मिक नफरत की कड़ी निंदा करने का आग्रह किया। रो खन्ना ने 'एक्स' पर कहा, बांग्लादेश में 27 वर्षीय हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की हत्या भयानक है और मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं दीपू के दोस्तों और परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा, हमें नफरत और कट्टरता के इन घिनौने कृत्यों की कड़ी निंदा करनी चाहिए और उनके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

लंदन में भारतीयों के प्रदर्शन में खालिस्तानियों का हुड़दंग

लंदन स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर हिंदू समुदाय के एक प्रदर्शन के दौरान खालिस्तानी समर्थकों ने हुड़दंग मचाते हुए झंडे लहराए और नारेबाजी की। भारतीय और बांग्लादेशी हिंदू बांग्लादेश में बढ़ रहे हिंदुओं की मौत और हिंसा से जुड़े मामलों को लेकर 27 दिसंबर को प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच 'सिख फॉर जस्टिस' संगठन एसएफजे से जुड़े खालिस्तानी कार्यकर्ताओं ने वहां आकर भारत विरोधी नारे लगाए और खालिस्तानी झंडे लहराए। भारतीय और बांग्लादेशी हिंदुओं ने 'जस्टिस फॉर हिंदू विक्टिम' और 'स्टॉप हिंदू जेनोसाइड इन बांग्लादेश' लिखे पोस्टर पकड़ रखे थे। इसी बीच खालिस्तानी संगठन एसएफजे के कार्यकर्ता वहां पहुंचकर हुड़दंग मचाने लगे। खालिस्तानियों ने भारत विरोधी नारेबाजी की।

हादी के हत्यारे के भारत भागने का दावा, बीएसएफ का इनकार

भारत, शेख हसीना विरोधी बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो मुख्य संदिग्ध भारत में छिपे हो सकते हैं। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक हादी के हत्यारे मेघालय बॉर्डर के रास्ते भारत भागे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने यह जानकारी दी। एसीपी एसएन नजरुल इस्लाम ने बताया, संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख मैमनसिंह जिले के हलुआघाट बॉर्डर के रास्ते भारत के मेघालय राज्य में चले गए। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार ये दोनों स्थानीय सहयोगियों की मदद से सीमा पार करने में कामयाब हुए। हम भारतीय अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। आरोपी जल्द गिरफ्तार होंगे। बांग्लादेशी मीडिया के हवाले से आई इन खबरों को बीएसएफ और मेघालय पुलिस ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। बीएसएफ मेघालय फ्रंटियर के आईजी ओपी उपाध्याय ने कहा, हलुआघाट सेक्टर से अपराधियों के सीमा पार करने का कोई सबूत नहीं है।

शांति वार्ता: डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को लगाया फोन

फ्लोरिडा, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बातचीत की। दुनिया के दो सबसे बड़े नेताओं के बीच यह वार्ता ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप को आज ही फ्लोरिडा में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात करनी है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, आज यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से होने वाली बैठक से पहले पुतिन से मेरी अच्छी और बहुत उत्पादक टेलीफोनिक वार्ता हुई। हालांकि, उन्होंने विवरण सार्वजनिक नहीं किए। उन्होंने कहा, यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ उनकी यह बैठक फ्लोरिडा स्थित उनके निजी आवास मार-ए-लागो के मुख्य डाइनिंग रूम में होगी। ट्रंप ने कहा कि इस बैठक में मीडिया को भी आमंत्रित किया गया है। यूक्रेन के उप विदेश मंत्री सेरही किस्लित्स्या ने बताया कि जेलेंस्की और उनका प्रतिनिधिमंडल शनिवार देर रात फ्लोरिडा पहुंचा. ट्रंप और जेलेंस्की की यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब रूस और यूक्रेन युद्ध चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है. ट्रंप ने सितंबर 2024 में दावा किया था कि वह सत्ता संभालते ही इस युद्ध को जल्दी समाप्त करवा देंगे।

राहुल थकिए मत, आपको तमिलनाडु बंगाल में भी चुनाव हारना है : शाह

बोले-राहुल डेवलपमेंट की पॉलिटिक्स नहीं समझते

अहमदाबाद, जेएनएन। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनावों में हार डेवलपमेंट की पॉलिटिक्स न समझ पाने का नतीजा है। राहुल आप अभी से थकिए मत, आगे भी हारना है। आप पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी चुनाव हारेंगे। 2029 में पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी फिर सत्ता में लौटेगी। अहमदाबाद में कार्यक्रम में शाह ने कहा, कांग्रेस की राजनीति देश की सोच से मेल नहीं खाती। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल विकास और सुशासन जैसे मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय कानूनी और टेक्निकल मुद्दों में उलझे रहते हैं। बीजेपी ने भरोसे और जनता की जरूरतों को समझकर शासन किया, इसलिए उसे चुनावों में जनादेश मिला। वहीं कांग्रेस लगातार इसलिए हार रही है, क्योंकि वह उन मुद्दों से दूर है जिनका जनता समर्थन करती है। हमारी सफलता का कारण यह है कि लोग हमारे सिद्धांतों से जुड़े हुए हैं। कांग्रेस ने उन सभी नीतिगत फैसलों का विरोध किया, जिन्हें जनता का समर्थन मिला। कांग्रेस ने राम मंदिर, सर्जिकल स्ट्राइक, आर्टिकल-370, यूनिफॉर्म सिविल कोड, तीन तलाक और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के फैसलों का विरोध किया।

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

इस साल कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय घटनाएं हुईं, जिनमें राजनीतिक बदलाव, संघर्ष और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति शामिल है। 2025 में जंगल की आग, बाढ़ और हीटवेव जैसी खतरनाक मौसमी घटनाओं से दुनिया को. 122 बिलियन से अधिक का नुकसान हुआ। जलवायु परिवर्तन ने दुनिया भर में भीषण तबाही मचाई। इन घटनाओं ने 2025 को वैश्विक स्तर पर एक उथल-पुथल भरा साल बना दिया।

कई बड़े अंतरराष्ट्रीय मामलों, प्राकृतिक घटनाओं ने दुनिया भर में उथल पुथल मचाई

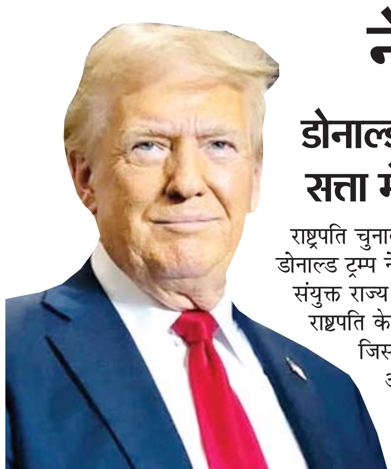

डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी

राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद, डोनाल्ड ट्रम्प ने जनवरी 2025 में संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, जिससे अमेरिकी घरेलू और विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया।

प्रमुख राजनीतिक घटनाएं

रूस-यूक्रेन युद्ध

यह लंबा संघर्ष 2025 में भी जारी रहा, जिससे वैश्विक सुरक्षा चिंताएं और ऊर्जा अस्थिरता बनी रही। युद्धविराम के लिए कई वार्ताएं असफल रहीं।

ईरान-इज़राइल तनाव

साल की पहले छमाही में दोनों देशों के बीच शत्रुता बढ़ गई, जिसके बाद अंततः 12-दिवसीय संघर्ष के बाद युद्धविराम हुआ।

जी7 शिखर सम्मेलन : 51वां जी 7 शिखर सम्मेलन कनाडा के काननस्किस में 16-17 जून 2025 को आयोजित किया गया था।

नेपाल में जेन जी का प्रदर्शन

सितंबर 2025 में, नेपाल में जनरेशन जी के नेतृत्व में हुए, बड़े पैमाने पर नेतृत्वहीन विरोध प्रदर्शनों के कारण एक बड़ा राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिला। ये प्रदर्शन काठमांडू और अन्य शहरों में फैल गए। परिणामस्वरूप, प्रधानमंत्री खड्गा प्रसाद शर्मा ओली ने 9 सितंबर को इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति ने संसद भंग कर दी। सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश सुशीला एस. कार्की ने 12 सितंबर को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह प्रकरण दक्षिण एशिया में युवा नेतृत्व वाले आंदोलनों और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

एआई का वर्चस्व

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए यह साल एक महत्वपूर्ण वर्ष के रूप में देखा गया, जिसमें अप्रत्याशित वैश्विक घटनाएँ और बड़े बदलाव हुए। भारत को भी मानव विकास रिपोर्ट 2025 में एक उभरती हुई एआई शक्ति के रूप में पहचाना गया।

पोप फ्रांसिस का निधन

कैथोलिक चर्च का 12 वर्षों तक नेतृत्व करने के बाद, पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को हुआ। 8 मई को, पोप लियो ने कार्डिनलों की सभा में चुने जाने के बाद आधिकारिक तौर पर उनका स्थान लिया और कैथोलिक चर्च के प्रमुख बन गए।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन

इस वर्ष एक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चंद्रमा पर भेजने के लक्ष्यों पर चर्चा हुई।

क्वांटम विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2025 को आधिकारिक तौर पर क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया।

प्राकृतिक आपदाएं

म्यांमार भूकंप — मार्च

28 मार्च 2025 को मध्य म्यांमार में 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे व्यापक तबाही हुई। इस आपदा में 3,600 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 5,000 से अधिक घायल हुए।

चक्रवात मंथ — अक्टूबर

इस चक्रवात ने भारत और पाकिस्तान के कई हिस्सों में भारी वर्षा और तबाही मचाई, जिससे कम से कम 1,860 लोगों की जान चली गई।

अफगानिस्तान भूकंप — सितंबर

31 अगस्त की रात अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में 6 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, 800 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हुई और 25,000 से अधिक लोग घायल

तूफान मेलिसा — नवंबर

कैरेबियन क्षेत्र में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक, तूफान मेलिसा ने जमैका और अन्य द्वीपों पर भारी तबाही मचाई।

कैलिफोर्निया जंगल की आग — जनवरी

संयुक्त राज्य अमेरिका में, पालिसेड्स फायर और ईटन फायर नामक दो बड़ी आगज़नी की घटनाओं ने लॉस एंजिल्स के उपनगरों को तबाह कर दिया। यह अमेरिका की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक थी, जिसमें 400 से अधिक लोगों की जान गई।

दक्षिण पूर्व एशिया में बाढ़, भूस्खलन — नवंबर

नवंबर 2025 में वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस में भीषण बाढ़ और भूस्खलन के कारण 1,100 से अधिक लोगों की मौत हुई और लाखों लोग विस्थापित हुए।

टेक्सास में बाढ़ — जुलाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य टेक्सास में आई भीषण बाढ़ के दौरान कम से कम 135 लोग मारे गए और 100 से अधिक लापता बताए गए।

मदीना बस हादसा — नवंबर

सऊदी अरब के मुफ्रिहात इलाके में 17 नवंबर को मक्का से मदीना जा रही बस के डीजल टैंकर से टकराने पर हुए भीषण हादसे में कम से कम 42 भारतीय उमरा यात्रियों के जिंदा जल जाने की खबर ने दुनिया को दहला दिया।

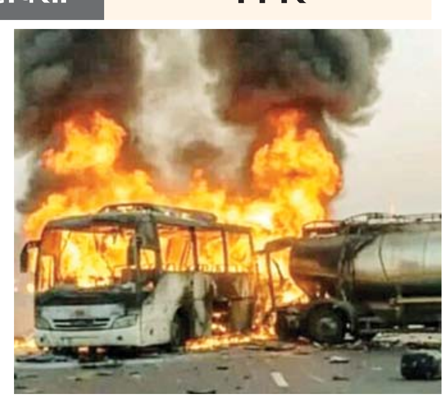

सोमालीलैंड को मान्यता देने पर इजराइल के खिलाफ एकजुट हुए 21 मुस्लिम देश

जेरुसलम, जेएनएन। इजराइल द्वारा सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र देश के रूप में आधिकारिक मान्यता दिए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। दुनिया के 21 मुस्लिम देशों ने इस फैसले के खिलाफ साझा बयान जारी कर इजराइल की निंदा की है और चेतावनी दी है कि यह कदम न केवल हॉर्न ऑफ अफ्रीका और लाल सागर क्षेत्र, बल्कि पूरी दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। इजराइल ने 26 दिसंबर को सोमालीलैंड को मान्यता देने की घोषणा की थी और ऐसा करने वाला वह पहला देश बन गया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दुल्लाही के साथ संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए। सोमालीलैंड के राष्ट्रपति ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताते हुए कहा कि इससे मध्य पूर्व और अफ्रीका में शांति और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। इजराइल के फैसले के खिलाफ जिन देशों ने विरोध जताया है, उनमें जॉर्डन, मिस्र, अल्जीरिया, कोमोरोस, जिबूती, गाम्बिया, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, मालदीव, नाइजीरिया, ओमान, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया, सूडान, तुर्किये और यमन शामिल हैं। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन ने भी कड़ा बयान जारी किया है।

तालाब में रील बना रहे इंस्टाग्राम ब्लॉगर की नाव पलटी, डूबने से मौत

जागरण, गंजबासौदा। इंस्टाग्राम पर रील बनाने का क्रेज और वीडियो पर व्यूवर्स की होड़ की कीमत एक युवक ने अपनी जान गवांकर दी है 7 मृतक युवक त्योंदा तहसील के ग्राम बंजरिया का मूल रूप से निवासी है और उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभी तक 70 पोस्ट शेयर किए थे, जिसमें उसके व्यूवर्स मिलियन तक पहुंच गए, मृतक युवक का नाम देव तिवारी पुत्र कमलेश तिवारी निवासी ग्राम बंजरिया घटेरा बताया जा रहा है जो अपने मित्र शिवम के साथ रील बनाने के लिए घटेरा के तालाब में गया हुआ था । यह दोनों युवक तालाब में लकड़ी की नाव से रील बनाने के लिए पहुंचे और इसी बीच उनकी नाव डूब गई जिससे नाव में सवार तीन लोग डूबने लगे, इस नाव में बैठा हुआ एक युवक जो तैरना जानता था वह खुद के प्रयास से कुशल बाहर निकाला और ग्रामीणों ने दूसरी युवक को बाहर निकाल लिया लेकिन देव को वह बचा नहीं सके, उसके दोस्त शुभम को भी प्राथमिक उपचार के लिए त्योंदा के अस्पताल ले जाया गया है। मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि शनिवार की शाम सिविल लाइन थाना अंतर्गत सांई मंदिर के पास सफेद रंग की कार ने बाइक सवारों को टक्कर मारी थी।

कांग्रेस के कार्यक्रम में खाने की लूट, मची अफरा-तफरी

जागरण, मुरैना। कांग्रेस के बुरे दिन खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे। पार्टी अच्छा करने भी जाए तो कुछ ऐसा हो जाता है कि सब के सब मुंह छिपाते हुए बगलें झांकने लगते हैं। ऐसा ही कुछ रविवार को मुरैना और नीमच के कार्यक्रमों में हुआ। गुटबाजी दूर कर एकजुटता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी के लिए भोजन भी रखा गया था, लेकिन कार्यक्रम में खाना ही लुट गया। कार्यकर्ताओं के बीच प्लेट से लेकर पकवान तक की लूट मच गई। जिसको जो मिला, लूट ले गया। किसी को दाल मिली तो किसी को पूड़ी, सब्जी या मीठा। आश्चर्य की बात तो यह है कि सम्मेलन में राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और राजस्थान की भरतपुर सांसद संजना जाटव भी शामिल हुए थे। यहां मची अफरातफरी का वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें भोजन काउंटरों पर धक्का-मुक्की के बीच खाना परोसने के बर्तन उठाए कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं। हालांकि जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंघी ने ऐसी किसी अफरातफरी और लूट से इंकार किया है। उन्होंने दावा किया कि सभी को ससम्मान भोजन मिला है।

नीमच: स्थापना दिवस पर दिखी गुटबाजी

जागरण, नीमच। वहीं पार्टी के स्थापना दिवस नीमच के गांधी भवन में रविवार दोपहर आयोजित कार्यक्रम के जमकर हंगामा हुआ। कार्यक्रम में युकां प्रदेशाध्यक्ष यश घनघोरिया और पूर्व विधायक शिव चौहान भी शामिल हुए थे। गुटबाजी के कारण विवाद उस समय शुरू हुआ जब कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती युकां प्रदेशाध्यक्ष घनघोरिया को कार्यक्रम स्थल की ओर ले जाने लगे। इस पर युवा कांग्रेस के राहुल अहीर, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष श्रवण सेन सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक लिया। इसी बात को लेकर जिलाध्यक्ष और युकां कार्यकर्ताओं में बीच सड़क पर ही तीखी बहस शुरू हो गई। इस खींचतान को देखकर युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष घनघोरिया को कहना पड़ा कि जो लोग कांग्रेस के स्थापना दिवस जैसे मौके पर भी गांधीवादी विचारधारा का पालन नहीं कर सकते, और एकदूसरे के खिलाफ नारेबाजी करते हैं, उन्हें वे पार्टी का कार्यकर्ता नहीं मानते।

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड से सबक, मप्र हेल्थ कॉरपोरेशन बना रहा केंद्रीयकृत वेयरहाउस

अमानक दवाओं पर कसेगी लगाम सेंट्रल ड्रग हाउस से जारी होंगी दवाइयां

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में पहुंचने वाली दवाइयों का सप्लाई सिस्टम अब बहुत जल्द बदलने वाला है। इसके लिए मप्र पब्लिक हेल्थ कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमपीपीएचसीएल) ने नई व्यवस्था तैयार करने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था में कॉरपोरेशन अपना खुद का एक सेंट्रल ड्रग वेयरहउस का निर्माण करने जा रहा है। शुरू में इसे संभाग स्तर पर बनाया जाएगा, फिर मांग व सप्लाई अनुसार जिला स्तर पर भी विकसित किया जाएगा। इस सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस में छह महीने की दवाओं का स्टॉक किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति यहां से की जाएगी। यह पूरी व्यवस्था छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड से सबक लेकर बनाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में अमानक कफ सिरप से करीब 25 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रदेश में अमानक दवाईयों का मुद्दा तेजी से सामने आया। स्वास्थ्य विभाग और औषधि प्रशासन विभाग ने कई स्तरों पर सुधार के लिए काम किया।

जांच के दौरान छह महीने में एक दर्जन दवाएं मिली अमानक

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने दवाओं की निगरानी को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन हकीकत इससे उलट नजर आ रही है। मप्र हेल्थ कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त से दिसंबर के बीच प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में करीब एक दर्जन अमानक दवाएं अमानक पाई गईं। कॉर्पोरेशन का दावा है कि वेयर हाउस बनने के बाद ना केवल दवाओं जांच पुख्ता होगी, बल्कि अस्पतालों में दवाओं की कमी को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

जल्द बदलेगी दवा की सप्लाई की व्यवस्था

नया सप्लाई सिस्टम ऐसे करेगा काम

सरकारी अस्पतालों में दवा पहुंचने से पहले तीन स्तर पर जांच होती है। कंपनी के ओके रिपोर्ट के बाद इन दवाओं को एनएबीएल लैब से भी सर्टीफिकेट लेना होता है। इसके बाद कॉर्पोरेशन अस्पतलों से रेंडम सैम्पलिंग करता है। रेंडम सैम्पलिंग के दौरान कई बार दवा अमानक मिलती है। वेयर हाउस में दवा स्टॉक करने से पहले तीनों स्तरों पर जांच कर ओके रिपोर्ट ली जाएगी। ऐसे में अमानक दवाओं का खेल पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

बीते छह महीने में अमानक पाई गईं ये दवाएं

- रतलाम अधीक्षक ने उल्टी और मतली में काम आने वाली दवा डॉक्सिलामाइन पाइरिडोक्सिन की गुणवत्ता को लेकर विभाग को पत्र लिखा।
- दिसंबर 2025 में कब्ज केसाथ लिवर की बीमारी में दिया जाने वाली लेक्टोलस सोडियम दवा अमानक पाई गई।
- दिसंबर 2025 में दर्द निवारक डाईक्लोफेनिक सोडियम दवा की गुणवत्ता मानकों के अनुसार नहीं मिली।
- दिसंबर 2025 में ईयर ड्रॉप जेंटामाइसिन की की गुणवत्ता को लेकर विभाग को पत्र लिखा।
- सितंबर 2025 में टीबी के मरीजों को दी जाने वाली आइसोनियाजिड टेबलेट अमनक निकली
- अक्टूबर 2025 में मानरिस रोगों की प्रमुख दवा एस्किटालोप्राम ऑक्सेलेट दवा भी मानक स्तर कीनहीं थी

नए सिस्टम से यह होगा फायदा

अभी प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल कॉर्पोरेशन के माध्यम से सीधे डीलर्स से दवा खरीदते हैं। ऐसे में कई बार ऑर्डर तीन से छह महीने लेट हो जाते हैं और अस्पतालों में दवा की कमी हो जाती है। वेयर हाउस बनने के बाद दवा तत्काल अस्पताल के पास पहुंच जाएगी।

कम असरदार रहती हैं अमानक दवाएं

पूर्व डीएमई डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि अमानक दवा बीमारी को जड़ से खत्म करने में कम कारगर होती है। वहीं दवाओं का गुणवत्ता विहीन होना अलग बात है। अगर दवा की गुणवत्ता सही नहीं होगी तो इससे मरीजों को सामान्य एलर्जी से लेकर किडनी और अन्य अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव भी हो सकते हैं।

"सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस के लिए निविदाएं बुलाई जा चुकी हैं। अगले साल इसे शुरू कियाा जाएगा। इससे अमानक दवाओं की सप्लाई पूरी तरह से निष्क्रिय हो जाएगी।

■ मयंक अग्रवाल, एमडी, मप्र हेल्थ कॉर्पोरेशन

उमरिया रेलवे यार्ड में बड़ा हादसा

शंटिंग के दौरान बेकाबू हुईं बोगियां, 3 मजदूर घायल

जागरण, उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र स्थित रेलवे यार्ड में रविवार को एक गंभीर हादसा सामने आया, जिसने रेलवे परिसर में काम कर रहे मजदूरों और कर्मचारियों को दहशत में डाल दिया। दरअसल ट्रेन की शंटिंग के दौरान अचानक पीछे की ओर खिसकीं बोगियों ने चावल लोड कर रहे मजदूरों को चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि चावल की खेप लेकर बोगियों तक पहुंचा एक ट्रक भी क्षतिग्रस्त हो गया। रेलवे यार्ड में मालगाड़ी की बोगियों को अलग-अलग पटरियों पर लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक कुछ बोगियां पीछे की ओर लुढ़क गईं। उस वक्त मजदूर बोगियों में चावल की बोरियां लोड कर रहे थे। अचानक हुई इस घटना से मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे बोगियों की चपेट में आ गए। हादसे के तुरंत बाद रेलवे यार्ड में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और रेलवे कर्मचारियों ने घायल साथियों को बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों मजदूरों का इलाज जारी है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक घायलों को गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। इस दुर्घटना में चावल की सप्लाई के लिए उपयोग में लाया जा रहा ट्रक भी बोगियों की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक का अगला हिस्सा टूट गया, जिससे कुछ समय के लिए रेलवे यार्ड में लोडिंग का काम भी प्रभावित हुआ।

पत्नी ने किया सुसाइड, युवक ने 1,000 किमी दूर दी जान

बेंगलुरु/नागपुर, जेएनएन। पत्नी की आत्महत्या के बाद सार्वजनिक दबाव, कथित धमकियों और दहेज उत्पीड़न व आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों से घिरे बेंगलुरु के 30 वर्षीय युवक सूरज शिवन्ना ने नागपुर के एक होटल में आत्महत्या कर ली। परिवार के मुताबिक, सूरज दो दिन पहले पत्नी की मौत से गहरे सदमे में था और हालात से भयभीत होकर वह परिवार के साथ बेंगलुरु से निकल पड़ा था। करीब 1,000 किमी की घुमावदार यात्रा के बाद वह नागपुर पहुंचा, जहां उसने जान दे दी। परिवार ने पुलिस को बताया कि 25 दिसंबर को सूरज अपने परिजनों के साथ बेंगलुरु से निकला। हैदराबाद में कुछ समय रुकने के बाद वे नागपुर पहुंचे और रात करीब 9.30 बजे होटल में दो कमरे लिए। करीब 12.30 बजे सुबह सूरज की 60 वर्षीय मां जयन्ती ने होटल के कमरे में बेटे को फंदे से लटका पाया। बेटे को मृत देख वह भी टूट गईं और आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन फंदा टूटने से उनकी जान बच गई। शोर सुनकर होटल स्टाफ और परिजन मौके पर पहुंचे।

भाई बोला- 'डरा हुआ था, माफी मांग रहा था'

जंगल की सीमा के समीप मृत अवस्था में मिला टाइगर

जागरण, सागर। दक्षिण वन परिक्षेत्र की ढाना रेंज अंतर्गत हिलगन गांव के पास रविवार बाघ का शव मिला है। इसे एक ग्रामीण ने देखा और वन विभाग को सूचना दी। मृत बाघ मादा है और उसकी संभावित उम्र करीब 8 वर्ष है। अनुमान है कि शव दो दिन पुराना है। ऐसे में वन विभाग की लापरवाही बेहद चिंता का विषय बन गई है और उसकी कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान उठ रहे हैं। बहरहाल, जानकारी के अनुसार हिलगन क्षेत्र में इस बाघ के शव पड़ा होने की जानकारी वन विभाग को तब लगी जब जंगल के समीप गए एक ग्रामीण ने इसे देखा। बाघ का शव फूला हुआ था यानि उसकी मौत को तकरीबन 48 घंटे बीच चुके थे। सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। विटनरी डॉक्टरों की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। अभी जो जानकारी प्राथमिक तौर पर सामने आई है उसके मुताबिक जांच में मृत बाघ के शरीर पर कोई बाहरी चोट या संघर्ष के निशान नहीं पाए गए हैं। इसलिए मौत के कारणों का स्पष्ट तौर पर फिलहाल पता नहीं लगा है। मामले में ढाना रेंजर प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि मृत मादा बाघ की उम्र 8 से 10 वर्ष तक है। अधिकारियों ने बताया कि बाघ के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वन विभाग के लिए यह भी जांच का विषय है कि बाघ किस क्षेत्र से यहां पहुंचा और लंबे समय से इस इलाके में था या नहीं। आसपास के जंगल क्षेत्रों से उसके मूवमेंट को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है। इस घटना से क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। गौरतलब है कि वीरांगना दुर्गावती अभ्यारण में आने वाले समय में चीतों को बसाने का प्रोजेक्ट भी चल रहा है। ऐसे में वन विभाग की स्थानीय लापरवाही चिंता का विषय बन सकती है।

वन अमले की निगाह तक नहीं पड़ी

वहीं चिंताजनक पहलू यह भी है कि वन विभाग को सूचना एक ग्रामीण के माध्यम से मिली। जबकि प्राथमिक तौर पर यह माना जा रहा है उसकी मौत को करीब 48 घंटे बीते चुके हैं। यदि यह सूचना नहीं मिलती तो न जाने कितने दिन शव ऐसे ही पड़ा रहता। यह स्थिति वन्य जीवों के तस्करों के लिए भी शायद मुफीद होती। जाहिर-सी बात है कि नौरादेही वन अभ्यारण की गश्ती को दुरुस्त करने की बेहद गुंजाइश है। कहां गए वन विभाग के कैमरे और नेटवर्क। सीधी-सी बात है कि टाइगर के संरक्षण में इस मामले में चूक तो हुई है। विभाग को तत्काल ही संबंधित बीट के अमले को तलब करना चाहिए और संपूर्ण जांच के बाद सख्त कार्यवाही भी करना चाहिए। आखिर सवाल बाघ का है जो मप्र की पहचान न केवल देश से बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक भी पुख्ता करती है।

पिता की राइफल से बेटे ने चला दी गोली, किराएदार के बच्चे की मौत

जागरण, मुरैना। जिले में खेल-खेल में 14 साल के बालक ने राइफल से फायर कर दिया। गोली साथ खेल रहे 7 साल के बच्चे के सिर में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुन आसपास के लोग एकत्रित हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को मर्चुरी पोरसा पहुंचाया। पुलिस राइफल जब्त कर नाबालिग के पिता को पूछताछ के लिए थाने ले गई। घटना शनिवार रात को पोरसा के संजय नगर में हुई। एक घर में किराएदार और मकान मालिक के तीन बच्चे खेल रहे थे। मकान मालिक के बेटे ने अपने पिता की 315 बोर की लाइसेंसी राइफल से फायर कर दिया, जो किराएदार के बेटे को लगी थी। जानकारी के अनुसार शनिवार रात 10 बजे किराएदार धर्मराज सिंह तोमर का बेटा ऋषभ तोमर, मकान मालिक के दो बेटों के साथ घर की दूसरी मंजिल पर खेल रहा था। कमरे में तीनों ही थे। इसी दौरान मकान मालिक के बेटे ने कमरे में टंगी पिता की 315 बोर की लाइसेंसी राइफल उतार ली। वह राइफल से खेलने लगा और अचानक गोली चल गई। गोली सीधे ऋषभ के सिर में जा धंसी, जिससे उसका सिर फट गया और मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर सभी लोग ऊपर की तरफ भागे। कमरे में देखा तो ऋषभ तोमर जमीन पर पड़ा था, उसका सिर गोली लगने से फट गया था। काफी ज्यादा खून बह चुका था। नाबालिग के पिता प्राइवेट गार्ड हैं। इसलिए उनके पास 315 बोर की लाइसेंसी राइफल है। एक दिन पहले शुक्रवार को ही वे छुट्टी लेकर पोरसा आए थे। शनिवार सुबह राइफल घर पर रख कर वह गांव धरमपुरा चले गए थे और रात में यह घटना हो गई। मृतक ऋषभ के परिजनों ने हत्या के आरोप लगाया है। परिजनों ने शिकायत में बताया कि घटना दूसरी राइफल से हुई है, जिसे लेकर मकान मालिक भाग गया। हालांकि पुलिस अभी जांच कर रही है। थाना प्रभारी दिनेश कुशवाह के अनुसार अभी कुछ स्पष्ट नहीं है। फिलहाल जांच में सामने आया है कि बच्चों से खेल-खेल में गोली चली है। मृतक के परिजनों की आरोपों के आधार पर भी जांच कर रहे हैं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और इलाके में शोक का माहौल है। फिलहाल पुलिस जांच जारी है।

निलंबित डिप्टी कलेक्टर से सीएम ऑफिस के नाम पर 3 लाख की ठगी

ठगों ने विभागीय जांच में सजा कम कराने का दिया झांसा

जागरण, ग्वालियर। एक निलंबित डिप्टी कलेक्टर के साथ करीब तीन लाख रुपए की ठगी सामने आई है। ठगों ने ग्वालियर में रहने वाले निलंबित डिप्टी कलेक्टर को विभागीय जांच में सजा कम कराने का झांसा देकर किस्तों में 2 लाख 95 हजार रुपए ठग लिए।
दरअसल थाटीपुर थाना क्षेत्र की न्यू अशोक कॉलोनी में रहने वाले अरविंद सिंह माहौर मुरैना के सबलगढ़ में पदस्थ थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि रात 8.17 बजे उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। अनजान नंबर होने से उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इसके बाद उसी व्यक्ति ने कलेक्टर को कॉल कर खुद को सीएम पोर्टल ऑफिस से बोलना बताया और कहा कि डिप्टी कलेक्टर उनका फोन रिसीव नहीं कर रहे हैं। कलेक्टर के कहने पर कुछ देर बाद डिप्टी कलेक्टर के पास एक अन्य नंबर से कॉल आया। वह नंबर सीएम पोर्टल अश्विनी नाम से शो हो रहा था। कलेक्टर के संदर्भ में कॉल आने से डिप्टी कलेक्टर ने फोन रिसीव कर लिया। फोन करने वाले शख्स ने खुद को सीएम ऑफिस का कर्मचारी बताते हुए कहा कि विभागीय कार्रवाई में सजा कम कराने कुछ राशि योगदान के रूप में जमा करनी होगी। कॉल करने वाले की बातों में आकर डिप्टी कलेक्टर ने अलग-अलग समय पर ऑनलाइन वॉलेट और बैंक खातों के जरिए अलग अलग नंबरों पर 2.95 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बावजूद आरोपी लगातार और पैसे की मांग करता रहा।

डेढ़ साल से घास-फूस की झोपड़ी में चल रहा डिंडौरी का प्राथमिक स्कूल

असुरक्षित माहौल में पढ़ने को मजबूर हैं 37 बच्चे, सरकार से लगा रहे गुहार

जागरण, डिंडौरी। प्रदेश के आदिवासी बहुल जिले से शिक्षा व्यवस्था की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई है। मेहंदवानी जनपद के ग्राम भोडासाज के नेटीटोला में सरकारी प्राथमिक स्कूल आज भी घास-फूस की झोपड़ी में संचालित हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि नन्हे बच्चे हाथ जोड़कर सरकार से स्कूल भवन बनवाने की गुहार लगा रहे हैं। यहां कक्षा पहली से पांचवीं तक के 37 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, जिनके लिए एक नियमित और एक अतिथि शिक्षक पदस्थ है, लेकिन पक्के भवन के अभाव में न तो बच्चों को पढ़ने का सुरक्षित माहौल मिल पा रहा है और न ही शिक्षकों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भवन न होने से कई अभिभावकों ने इस वर्ष अपने बच्चों का दाखिला तक नहीं कराया।

अगस्त 2024 में गिराया गया था जर्जर भवन :ग्रामीणों के अनुसार, अगस्त 2024 में शहपुरा एसडीएम के आदेश पर स्कूल का पुराना भवन जर्जर घोषित कर तोड़ दिया गया था। तब से लेकर अब तक डेढ़ साल बीत चुका है, लेकिन नए भवन की व्यवस्था नहीं हो पाई। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई अस्थायी इंतजामों के भरोसे चल रही है। ग्रामीणों ने 1 जुलाई 2025 को जनसुनवाई में शिकायत की थी, इसे तत्कालीन डीपीसी को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया। इसके बाद 20 अगस्त 2025 को सहायक आयुक्त, जनजाति कार्य विभाग को भी शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी।

15 साल तक जोखिम में पढ़ते रहे बच्चे

नेटीटोला का स्कूल भवन वर्ष 1999 में बनाया गया था। निर्माण में खामियों के चलते 2009 में ही भवन जर्जर हो गया था। इसके बावजूद 2009 से 2024 तक उसी भवन में कक्षाएं चलती रहीं। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकना और प्लास्टर गिरना आम बात थी, लेकिन मजबूरी में बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करते रहे। 2024 की भारी बारिश के दौरान प्रशासन ने भवन गिरवा दिया। तब से घास-फूस की झोपड़ी ही स्कूल संचालित है।

मैं स्कूल भवन के लिए शिकायत कर करके थक चुका हूं। अगस्त 2024 में भवन जर्जर होने से उसे गिरा दिया गया था। उसके बाद से लगभग डेढ वर्ष बीत गए, नए भवन की व्यवस्था नहीं हो पाई। झोपडी में स्कूल संचालन करने की मजबूरी है।

● **प्रकाश राज, प्रधानाध्यापक,** प्राथमिक स्कूल नेटीटोला मेहंदवानी

अधिक मास का असर

2026 में त्योहारों का कैलेंडर पूरी तरह बदलेगा

जागरण बुधनी। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 अधिकमास वाला वर्ष होगा, जिसका सीधा असर देशभर में मनाए जाने वाले धार्मिक और सांस्कृतिक पर्वों पर पड़ेगा। अधिकमास के कारण त्योहारों की तिथियों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। वर्ष 2025 की तुलना में 2026 में शुरुआती छह माह के अधिकांश त्योहार 9 से 10 दिन पहले आएंगे, जबकि इसके बाद के पर्व 16 से 18 दिन तक की देरी से मनाए जाएंगे।क्या है अधिकमास और क्यों पड़ता है असरपंडितों और ज्योतिषाचार्यों के अनुसार हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित होता है, जिसमें एक वर्ष 354 दिन का होता है, जबकि सौर वर्ष 365 दिन का होता है। इन दोनों के बीच पड़ने वाले अंतर को संतुलित करने के लिए हर लगभग तीन वर्ष में एक अतिरिक्त माह जोड़ा जाता है, जिसे अधिकमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है।इसी अधिकमास के कारण पर्वों की तिथियां आगे-पीछे होती हैं।

विवाद शुक्रवार को पड़ रही बसंत पंचमी, उत्सव समिति का संकल्प- होगी अखंड पूजा, परिसर नहीं करेंगे खाली

भोजशाला में बसंत पंचमी से पहले फिर विवाद की गूंज

जागरण, धार। प्रदेश में स्थित प्रसिद्ध भोजशाला में बसंत पंचमी की आहट के साथ ही एक बार फिर विवाद गूंजने लगे हैं। नए साल 2026 में बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी। मगर संयोग से इस बार भी बसंत पंचमी जुमे के दिन यानी शुक्रवार को पड़ रही है। इसी से विवाद को हवा मिलते दिख रही है। महाराजा भोज स्मृति बसंतोत्सव समिति ने रविवार को घोषणा की है कि बसंत पंचमी पर भोजशाला में अखंड पूजा-अर्चना की जाएगी। अखंड पूजा के चलते समिति ने संकल्प लिया है कि अगले दिन तक भोजशाला परिसर खाली नहीं किया जाएगा। इस संकल्प के साथ समिति ने रविवार को अपने कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यालय का उद्घाटन जूना अखाड़ा, संगेश्वर धाम के राष्ट्रीय सचिव रामेश्वर गिरी महाराज ने किया। समिति के संरक्षक अशोक जैन ने मीडियो से चर्चा में ऐलान किया कि 23 जनवरी 2026, शुक्रवार को बसंत पंचमी पर भोजशाला में सूर्यास्त से सूर्योदय तक अखंड पूजा-अर्चना हर हाल में की जाएगी। उन्होंने कहाकि अपने संकल्प को पूरा करने के लिए यदि संघर्ष का रास्ता भी अपनाना पड़ा, तो समिति पीछे नहीं हटेगी। मगर किसी भी हाल में भोजशाला को बसंत पंचमी के दिन खाली नहीं किया जाएगा। जैन ने कहाकि यह हमारी जिद नहीं है, बल्कि पहले भी भोजशाला खाली नहीं की गई थी। जैन का दावा है कि इस आयोजन में हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल होंगे।

दिन भर ऐसे चलेंगे कार्यक्रम

संरक्षक जैन ने बताया कि 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के दिन भोजशाला में सूर्योदय से सूर्यास्त तक अखंड पूजा-अर्चना की जाएगी। सुबह 7 बजे मां वागदेवी की शोभायात्रा लालबाग परिसर से निकाली जाएगी। अगले दिन 24 जनवरी 2026 को दोपहर ढाई बजे मातृशक्ति सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें मातृशक्ति द्वारा भोजशाला में पूजन, आरती एवं हवन किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेविका समिति की प्रांत कार्यवाहक भारती दीदी कुशवाह मुख्य अतिथि एवं वक्ता रहेंगी। इसी दिन रात्रि 8 बजे सुंदरकांड का पाठ भी किया जाएगा।

विवाद की इसलिए है आशंका

बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। शुक्रवार को मुस्लिम समाज द्वारा जुम्मे की नमाज अता की जाती है। विवाद बचाने के उद्देश्य से ही केंद्रीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) द्वारा भोजशाला में प्रति मंगलवार को हिंदू समाज को पूजा-अर्चना तथा शुक्रवार को मुस्लिम समाज को नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई है। अब समिति के संकल्प ने एएसआई के साथ जिला प्रशासन और पुलिस को भी तनाव में डाल दिया है। किसी भी तरह का दबाव और किसी भी पक्ष की जिद से माहौल तनाव पूर्ण हो सकता है।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

कड़ी सुरक्षा के बीच नगर परिषद व पंचायत उपचुनाव के लिए मतदान आज

सेमरिया नगर परिषद अध्यक्ष व जिपं वार्ड 16 के उपचुनाव के लिए होगा मतदान

आंचलिक डेस्क। रीवा जिले के सेमरिया नगर परिषद व जिपं के वार्ड 16 के सदस्य पद सहित मऊगंज जिले में भी सरपंच, पंच व जनपद वार्डों में उपचुनाव के लिये आज मतदान किया जाएगा। संबंधित जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा शांतिपूर्ण चुनाव के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। सभी मतदान केंद्रों में पुलिस का पहरा रहेगा। किसी भी तरह की अशांति पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। रविवार की शाम पुलिस ने सेमरिया कस्बे में फ्लैग मार्च निकालकर लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान में भागीदारी की अपील की। पुलिस का फ्लैग मार्च सेमरिया के प्रमुख मार्ग, बाजार क्षेत्रों एवं संवेदनशील मतदान प्रभावित इलाकों से होकर गुजरा। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण के लिए फ्लैग मार्च में एसडीएम दृष्टि जायसवाल, एसडीओपी उमेश प्रजापति, थाना प्रभारी विकास कपीश, तहसीलदार अर्जुन बेलबंशी एवं नायब तहसीलदार राजेश तिवारी सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने आम नागरिकों से उपचुनाव के दौरान शांति संयम एवं आपसी भाईचारे को बनाए रखने व अफवाहों पर ध्यान न देने और न ही भ्रामक सूचनाओं का प्रचार नहीं करने की अपील की।

शा. नवीन महाविद्यालय सेमरिया में मतगणना 31 को : कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि नगर परिषद सेमरिया के अध्यक्ष पद के लिए वार्ड क्रमांक एक से 15 तक 16 मतदान केन्द्रों एवं वार्ड 3 के पार्षद पद के लिए एक मतदान केन्द्र में मतदान कराया जायेगा। मतदान 29 दिसंबर को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इनकी मतगणना 31 दिसंबर को सुबह 8 बजे से शा. नवीन महाविद्यालय सेमरिया में होगी। कलेक्टर ने अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल को मतदान और मतगणना दिवस में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के आदेश दिये हैं।

रायपुर कर्चु.में सरपंच पद के लिये होगा मतदान

जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान के तहत ग्राम पंचायत जरहा में रिक्त सरपंच पद के लिए 29 दिसम्बर को सुबह 7 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान कराने के लिए ग्राम पंचायत में तीन मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। मतदान केन्द्र शासकीय प्राथमिक पाठशाला भवन जरहा तथा प्राथमिक पाठशाला नवीन भवन अमिलिहा में स्थित हैं। इन मतदान केन्द्रों में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कराया जाएगा। मतदान कराने के लिए मतदान दल ईव्हीएम तथा मतदान सामग्री के साथ मतदान केन्द्र पहुंच गये हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर तथा एसडीएम मनगवां संजय जैन ने गंगेव में मतदान सामग्री वितरण का निरीक्षण एवं मतदान दल के सदस्यों को आवश्यक निर्देश दिये।

इन ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

मतदान के लिए संबंधित क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि नगर परिषद सेमरिया में अध्यक्ष और वार्ड पार्षद तीन के पार्षद के लिए चुनाव कराया जा रहा है। मतदान के लिए संपूर्ण नगर परिषद क्षेत्र में 29 दिसंबर को अवकाश रहेगा। जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 16 के सदस्य पद के लिए जनपद पंचायत ग्राम गंगेव की ग्राम पंचायत अकौरी, क्योटी, कोलहाई, खरहरी, खैरा, चौरी, टेहरा, देवास, दादरकोठर, पचोखर, पताई, पिपरहा, बडोखर, बेलवाकुर्मियान, बेलवाबड़गैयान, भौखरीखुर्द, मौहरिया, रमपुरवा, रौरा उन्मूलन, लालगांव, सरईकला तथा सिसवा में मतदान होगा। सरपंच पद के लिए ग्राम पंचायत महमूदपुर तथा ग्राम पंचायत जरहा में मतदान होगा। इन सभी में 29 दिसंबर को सभी शासकीय तथा अशासकीय कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

हनुमान जी की प्राचीन मूर्ति को असामाजिक तत्वों ने किया खंडित

थाना प्रभारी से कड़ी कार्रवाई की मांग

सिरमौर। विगत दिवस प्रखंड सिरमौर के अंतर्गत नगर में वार्ड क्रमांक 6 में शासकीय प्राथमिक पाठशाला के बगल में अत्यंत प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा विराजमान है जिसे असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किया गया है। जैसे ही गत रात्रि स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं के द्वारा फोन के माध्यम से नितेश कुमार दहिया प्रखंड मंत्री सिरमौर को सूचना प्राप्त हुई उन्होंने तुरंत अपनी टीम के साथ स्थान पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुए थाना प्रभारी सिरमौर दीपक तिवारी को आवेदन सौंपते हुए तत्काल कार्यवाही करने की बात कही। नितेश कुमार दहिया ने थाना प्रभारी को आवेदन पत्र सौंपते हुए कहा कि 10 दिवस के अंदर यदि अपराधी सलाखों के पीछे नहीं हुए तो फिर बजरंग दल आंदोलन के लिए बाध्य होगा। वहीं थाना प्रभारी सिरमौर दीपक तिवारी के द्वारा शिकायत दर्ज कर आश्वासन दिया गया कि तुरंत कार्यवाही होगी और जो भी इस घोर अपराध में असामाजिक तत्व शामिल है, वो जल्दी ही पुलिस की गिरफ्त में होगा और उसके ऊपर उचित प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी। आवेदन पत्र सौंपने में अधिवक्ता बृजेंद्र मिश्रा जिला सह मंत्री विश्व हिंदू परिषद, संतोष तिवारी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नगर कार्यवाह सिरमौर, विंध्वेश्वरी कुशवाहा स्वयं सेवक, शिक्षक संतोष वर्मा, रोहित गुप्ता, धन्नू सिंह, विवेक गुप्ता, कल्लू दहिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेमरिया के किसान धान बिक्री केंद्रों में हो रहे परेशान: इंजी. दीपक

खड्डा में आप का किसान सम्मेलन और जोड़ो अभियान

सेमरिया। सेमरिया विधानसभा के खड्डा में किसान सम्मेलन और आप पार्टी का जोड़ो अभियान कार्यक्रम और विशाल जनसभा का आयोजन रीवा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी इंजीनियर दीपक सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष रोहिणी प्रताप सिंह रहे। दीपक सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा साहब के बनाए संविधान को बचाने की जरूरत है। मुख्य अतिथि रोहिणी प्रताप सिंह ने बताया कि यहां के किसान धान बिक्री केंद्रों में फैली अव्यवस्था से परेशान हो रहे हैं, इस कड़ाके की ठंड समिति द्वारा कोई व्यवस्था नहीं है, वहीं खेतों में आवारा पशुओं की वजह से भी कई किसान परेशान हैं, बिजली में लगातार कट होने की वजह से भी आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यक्रम का आयोजन किसान नेता घनश्याम सिंह ने व मंच संचालन दिनेश सिंह दीपू ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीताराम सिंह झालावार, वीरभद्र सिंह, किसान यूनियन अध्यक्ष सुग्रीव सिंह, अनूप यादव, वीरेंद्र पयासी, यज्ञनारायण अग्निहोत्री, सूर्यमणि सिंह,तेजभान सिंह, गीतांग चतुर्वेदी,घनश्याम सिंह, दिनेश सिंह,श्रीनिवास सिंह, राजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह,शिवमंगल सिंह,अशोक सिंह, रामलखन द्विवेदी, प्रवीण सिंह, लीना सिंह, कुसुम सिंह, राजकुमारी कुशवाहा, रामलखन साकेत, प्रकाश सिंह सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को समझाया समाजकार्य के महत्व

मप्र जन अभियान परिषद के कार्यक्रम में शामिल हुए क्षेत्रीय विधायक

ब्यूरो चीफ हनुमना । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) के तत्वावधान मे मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत आयोजित रविवार की सम्पर्क कक्षा में ब्लॉक हनुमना के अध्ययन केंद्र शा.उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र छात्राओं के मध्य मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल छात्र छात्राओं से रुबरु हुए। श्री पटेल ने समाजकार्य के इस पाठ्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षाधिकारी देवेन्द्र मिश्रा एवं शा.उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अर्जुन प्रसाद उपाध्याय की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार विकासखंड समन्वयक डॉ रामानंद पटेल के दिशा निर्देश मे संचालित हुआ। कार्यक्रम का संचालन भास्कर दत्त मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे खुशबू सोनी नागेंद्र मिश्र मोनिका गुप्ता अदिति शुक्ला लीड संस्था प्रमुख ब्रह्मदत्त शुक्ला एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध रेत निकासी पर प्रशासन मेहरबान

शासन को लग रहा राजस्व का चूना

जवा ब्यूरो। जवा तहसील तराई अंचल की जीवन दायिनी टमस नदी में दर्जनों स्थानों पर मशीनों एवं नावों के माध्यम से रेत निकासी का कार्य चल रहा है, लेकिन खनिज विभाग कुंभकर्णी निन्द्रा में सो रहा है, स्थानीय प्रशासन भी मेहरबान है जिसके कारण रेत माफिया के हौसले बुलंद हैं। बताया गया है कि पूरी रात रेत निकासी का कार्य चलता है और दिन दहाड़े परिवहन किया जाता है, जिसके कारण शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का चूना लग रहा है। इससे पहले बोली लगती थी और शासन के खाते में राजस्व की राशि जमा होती थी। टमस नदी से रेत निकासी की निविदाएं होती थीं जो लाखों रुपए में बोली जाती थीं लेकिन प्रशासनिक लचर व्यवस्था के चलते निविदाएं नहीं बुलाई जाती जिसके कारण अवैध रूप से रेत निकासी का कार्य किया जाता है। एसडीएम, एसडीओपी ,तहसीलदार टीआई, सहित पूरा प्रशासन मौजूद रहता है फिर भी अवैध खनन एवं परिवहन बेधड़क जारी है। जवा मुख्यालय में एसडीएम, तहसीलदार,नायब तहसीलदार सहित चार थानों में टीआई स्तर के अधिकारी पदस्थ हैं इसके बावजूद भी अवैध खनन एवं परिवहन का कार्य जारी है। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवैध खनन एवं परिवहन पर कठोरता पूर्वक रोक लगाएं जाने की मांग की गई है।

न्यूज कार्नर

मऊगंज के वार्ड 6 में जल भराव की समस्या से जूझते लोग

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज वार्ड 6 लोगों का कहना हैं काफी शिकायत के बाद भी नगर पालिका सीएमओ और वहां के कर्मचारियों द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया जाता है कि काम हो जाएगा पर आज तक पानी निकासी की समस्या का निरकरण नहीं हुआ। जबकि बरसात में लोगों के घर के अंदर पानी घुस जाया करता था अब सड़कों में पानी भर जाता है, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। नालियां कचरों से भरी हैं, पानी रोड में बहता है। बरसात खत्म होने के बाद भी सुनवाई नहीं की गयी। वार्ड न 6 निवासी राम करन सोनी का कहना हैं हम लोगों को काफी दिक्कत होती है मगर कोई अधिकारी सुन नहीं रहा हैं।

सभी बूथों पर सुना गया मोदी जी के मन की बात

गुढ़ (नि. प्र)। भारतीय जनता पार्टी मंडल गुढ़ के अध्यक्ष एड अनंत कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार भाजपा मंडल गुढ़ के सभी 59 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के `मन की बात'129वां संस्करण सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम हमें अपनी संस्कृति, विरासत, नई-नई खोजों और उपयोगी जानकारियों से जोड़ते हुए विजन 2047 की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के अंतर्गत कई बूथों पर प्रधानमंत्री का संबोधन सुनते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती भी मनाई गई। इस दौरान उनके जीवन, विचारों और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रमों में मंडल के पदाधिकारियों बूथ अध्यक्षों सहित स्थानीय वरिष्ठ नेताओं की सहभागिता रही।

सेंगरवार नाले में हुआ वृहद बोरी बंधान

चाकघाट। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार , ब्लॉक समन्वयक अनीता मिश्रा के निर्देशानुसार जल संचयन अभियान के अंतर्गत रविवार को सूरज विकास समिति सेंगरवार सेक्टर चाकघाट द्वारा आदर्श ग्राम सेंगरवार में सेंगरवार नाले में वृहद बोरी बंधान का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जल संरक्षण,जल संचयन, जल को बचाकर उसे उपयोगी कैसे बनाया जाए इस विषय पर गहन संगोष्ठी की गई तथा जल संचयन के बारे में उसके उपयोग के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में सरपंच अरुणोदय आदिवासी, रोजगार सहायक आशीष सिंह, सूरज विकास समिति सेंगरवार के सचिव शिवाकांत पाण्डेय, जय मां शीतला गौशाला सेंगरवार के प्रमुख सेवक रमेश माझी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति राजापुर, सतपुरा, बरेठी कला के अध्यक्ष एवं सचिव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ में परामर्शदाता राजेश कुमार,कृष्ण कुमार, नीरज तिवारी, सुशील यादव के साथ बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के कई छात्र-छात्राएं तथा भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सभी लोगों ने मिलकर यह संकल्प किया कि प्राकृतिक जल का संचयन करके उसे उपयोग में लाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा तथा सभी ग्रामीण वासियों को जागरूक किया जाएगा की जल का संचयन करके जल का सही उपयोग करें।

जनता के हित में मजबूती से खड़े रहने का लिया संकल्प

मऊगंज में कांग्रेस का मनाया गया स्थापना दिवस

मऊगंज। मऊगंज कांग्रेस कमेटी के आयोजकत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिलाल आदिवासी उपस्थित रहे । कार्यक्रम में विशेष रूप से विश्वनाथ मिश्र, शेख मुख्तार सिद्दीकी, प्रदेश महासचिव धीरज सिंह विक्की, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, विद्या चरण द्विवेदी, अशोक पांडे, मऊगंज ब्लॉक अध्यक्ष मृत्युंजय चतुर्वेदी, अरुणा तिवारी, शैलजा पांडे, अनिल तिवारी, वारिस खान सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं युवा साथी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री बन्ना ने की कि 1885 से आज तक कांग्रेस पार्टी ने देश की आज़ादी, संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया है। स्थापना दिवस के इस अवसर पर हम सभी कांग्रेसजन जनता के अधिकारों, गरीब-किसान, मजदूर एवं युवाओं के हित में मजबूती से खड़े रहने का संकल्प लेते हैं।

खरीदी केन्द्रों की निगरानी के लिए तैनात किये पटवारी

त्योंथर। त्योंथर अनुभाग में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में धान का उपार्जन किया जा रहा है। एसडीएम त्योंथर पीएस त्रिपाठी ने सभी 22 खरीदी केन्द्रों में धान उपार्जन की निगरानी के लिए दो-दो पटवारी तैनात किये हैं। तैनात पटवारियों को खरीदी को आवंटित वारदाने के उपयोग, उपार्जित धान के भण्डारण तथा परिवहन एवं खरीदी केन्द्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिये गये हैं। एसडीएम ने कहा है कि सभी पटवारी खरीदी केन्द्रों में किसानों को दी जाने वाले सुविधाएं सुनिश्चित करें। धान उपार्जन में किसी भी तरह की अनियमिता पाये जाने पर कठोर कार्यवाही प्रस्तावित करें।

कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. अनिल पटेल ने सुना प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 129वें संस्करण का आयोजन सिरमौर विधानसभा अंतर्गत बैकुंठपुर मंडल में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी डॉ. अनिल पटेल की उपस्थिति में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को लाइव सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण, जल संरक्षण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। डॉ. अनिल पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री जी के विचार समाज के हर वर्ग को ऊर्जा प्रदान करते हैं और मन की बात कार्यक्रम जन भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। इस अवसर पर जिला सह प्रभारी सत्यप्रकाश पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष चंद्रशेखर कुशवाहा, नगर परिषद उपाध्यक्ष बृजेंद्र भुजवा एवं पार्षद वीरेंद्र सोनी उपस्थित रहे। साथ ही मंडल उपाध्यक्ष विजय सिंह, मंडल मंत्री भारत ताम्रकार, बूथ अध्यक्ष हरिशंकर वर्मा, बूथ मंत्री रामलाल सोंधिया, बी.एल.ए मनोज कुशवाहा सहित भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय नगरवासी मौजूद रहे।

गोविन्दगढ़ अंचल में पागल कुत्ते का आतंक

कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री ने की एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध कराए जाने की मांग

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। गोविन्दगढ़ में बीते दिनों एक पागल कुत्ते ने अचानक आतंक मचा दिया। गली-मोहल्लों में घूमते इस कुत्ते ने व्यक्ति को काट लिया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। घायल को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाने थे, लेकिन अस्पताल में रेबिज का इंजेक्शन उपलब्ध नहीं था। उक्त घटना को लेकर कड़ी निन्दा करते हुए कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री पंडित सुखसागर प्रसाद शुक्ल ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। श्री शुक्ल ने बताया कि बीते दिनों राह चलते एक व्यक्ति को कुत्ते ने काट लिया, जिसे उपचार के लिए आनन फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टीकर, इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदगढ़ व वेटरनरी हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन कहीं भी रेबीज का इंजेक्शन नहीं मिला। वहीं सरकार द्वारा आवारा कुत्तों की धर पकड़ भी नहीं की जा रही है जिस कारण गली मोहल्लों में आवारा कुत्तों का आतंक देखने को मिलता है। इन आवारा कुत्तों से लोगों को काफी परेशानियां हो रही हैं लेकिन जिम्मेदार हैं कि मूक दर्शक बने हुए हैं। श्री शुक्ला ने शासन-प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने और प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेबीज का इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाने की मांग की है।

व्यापारी समुदाय असुरक्षित होगा तो क्षेत्र का विकास मुमकिन नहीं

वैश्य महासम्मेलन इकाई सिरमौर में नववर्ष का कैलेंडर वितरित

सिरमौर। वैश्य महासम्मेलन तहसील इकाई सिरमौर में युवा जिला अध्यक्ष अतुल अग्रवाल एवं तहसील अध्यक्ष कैलास गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में मधु वस्त्रालय क्योटी रोड सिरमौर में संगठन के कैलेंडर का वितरण एवं मिलन समारोह कार्यक्रम को आयोजित किया गया। युवा मोर्चा अध्यक्ष अतुल अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि वैश्य महासम्मेलन वैश्य समाज के संगठित एवं मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है । संगठन प्रदेश से लेकर पंचायतों में अपने को स्थापित करते हुए समाज के हितों को स्थापित करने की कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में काम कर रहा है । तहसील अध्यक्ष सिरमौर कैलाश गुप्ता ने कहा की वैश्य समाज देश के आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महती भूमिका निभाता है लेकिन आज के दौर में सबसे अधिक उपेक्षित है । यदि व्यापारी समुदाय असुरक्षित होगा तो क्षेत्र का विकास मुमकिन नहीं है। व्यापारी समुदाय की ताकत एवं उनके हितों के लिए सरकार तक आवाज उठानी होगी जिसके लिए हम सभी को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित होना होगा । संगठन के विस्तार एवं मजबूती के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनें, संगठन में अपना योगदान दें। कैलाश गुप्ता ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन के इस कैलेंडर में प्रदेश से लेकर तहसील इकाई के पदाधिकारियों (महिला एवं युवा इकाई) के संपर्क नंबरों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करता है, जो समाज के सदस्यों के लिए बहुत उपयोगी होता है। कैलेंडर विमोचन के साथ सभी सदस्यों को निशुल्क कैलेंडर वितरण किया गया। समारोह में नप उपाध्यक्ष विजय सोनी, जिला उपाध्यक्ष विशाल गुप्ता, श्रीनिवास गुप्ता, अशोक गुप्ता, राजेश गुप्ता, अंकित गुप्ता, प्रकाश गुप्ता, हरिगोविंद गुप्ता, मेवालाल गुप्ता, संदीप गुप्ता ,नागेंद्र गुप्ता, विंधेश्वरी कुशवाहा, सुभाष कुशवाहा, शिवेंद्र गुप्ता सहित बैकुंठपुर, लालगांव, सिरमौर के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों का आभार युवा मोर्चा के महामंत्री अंकित गुप्ता द्वारा व्यक्त किया गया।

खेल एक नजर

मेलबर्न क्यूरेटर ने मानी गलती, बोले 20 विकेट गिरने से सदमे में था

मेलबर्न, जेएनएन। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के मुख्य क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे और नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई। इस मैच में शुरू से लेकर आखिर तक विकेटों की झड़ी लगी रही और मैच दो दिन में समाप्त हो गया। इंग्लैंड ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। एशेज सीरीज के 2017 में खेले गए मैच के नीरस ड्रॉ के रूप में समाप्त होने बाद एमसीजी पिच में नई जान डालने के लिए नियुक्त क्यूरेटर पेज ने रविवार को स्वीकार किया कि पिच पर 10 मिमी घास छोड़ना जरूरत से ज्यादा साबित हुआ। इसके कारण केवल 142 ओवरों में 36 विकेट गिरे, जिसके चलते इस पिच ने खिलाड़ियों और अधिकारियों दोनों के कान खड़े कर दिए। पेज ने रविवार को पत्रकारों से कहा, पहले दिन के बाद मैं सदमे में था।

कंगारुओं को बॉक्सिंग डे टेस्ट में हराने वाले कोहली समेत 4 कप्तान

मेलबर्न, जेएनएन। इंग्लैंड ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शानदार जीत दर्ज की। बेन स्टोक्स के नेतृत्व वाली इंग्लैंड की टीम ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को मैच के दूसरे दिन ही 6 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के लिए ये जीत काफी यादगार है क्योंकि टीम ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 15 साल बाद कोई टेस्ट मैच जीता है। इंग्लैंड को इस ऐतिहासिक जीत के साथ कप्तान बेन स्टोक्स ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वे अब विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे के एक खास क्लब में शामिल हो गए हैं। पिछले 15 सालों में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ तीन कप्तानों ने शिकस्त दी है। इसमें विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और बेन स्टोक्स के नाम शामिल हैं। विराट कोहली की कप्तानी में साल 2018 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 137 रनों के बड़े अंतर से हराया था। यह मैच 26 से 30 दिसंबर के बीच खेला गया था। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया साल 2010 में मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच हारा था, जब इंग्लैंड ने उसे पारी और 157 रनों से शिकस्त दी थी। विराट कोहली की कप्तानी में बॉक्सिंग डे टेस्ट जीतने और ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम करने के बाद भारतीय टीम 2020 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थी।

शतरंज: हम्पी संयुक्त शीर्ष पर, गुकेश और अर्जुन एरिगैसी अच्छी स्थिति में

दोहा, जेएनएन। मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने अपने धैर्य और दृढ़ता का शानदार नमूना पेश करते हुए यहां फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त बनाए रखी, जबकि भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और अर्जुन एरिगैसी भी ओपन वर्ग में मुकाबले में बने रहे। महिला वर्ग में अब जबकि तीन राउंड का खेल होना बाकी है तब हम्पी चीन की झू जिनर के साथ अधिकतम आठ अंकों में से 6.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। इन दोनों से पीछे छह अंकों के साथ 10 खिलाड़ी हैं, जिनमें भारत की द्रोणवल्ली हरिका भी शामिल हैं। ओपन वर्ग में 13 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिसमें नौ राउंड के बाद क्लासिकल प्रारूप के विश्व चैंपियन गुकेश और एरिगैसी 6.5 अंकों के साथ खिताब की दौड़ में बने हुए हैं।

आस्ट्रेलिया की लौरा हैरिस ने फास्टेस्ट 50 की बराबरी की

एलेक्जेंड्रा, जेएनएन। न्यूजीलैंड में चल रही महिला सुपर स्मैश में ऑस्ट्रेलिया की विस्फोटक बल्लेबाज लौरा हैरिस ने इतिहास रच दिया। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर महिला टी-20 क्रिकेट के सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड की वारविकशर खिलाड़ी मैरी केली के नाम था। रविवार को एलेक्जेंड्रा के मोलिन्यू पार्क में खेले गए मुकाबले में ओटागो को जीत के लिए 146 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 6 ओवर में 46 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में लौरा हैरिस क्रीजपर उतरीं और आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल दिया। हैरिस ने महज17 गेंदों में 52 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ओटागो ने लक्ष्य को 15वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

वीवीएस लक्ष्मण को कोच बनाने की खबर गलत, बोले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया

वन-डे कप्तान के रूप गिल की वापसी तय पंत का कटेगा पत्ता, ईशान भी होंगे टीम में

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की वनडे टीम बड़े फेरबदल के संकेत मिल रहे हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम से बाहर किया जा सकता है। चयन समिति से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि टीम मैनेजमेंट 2025-26 सीजन की आखिरी घरेलू सीरीज से पहले फॉर्म और टीम बैलेंस को प्राथमिकता देना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 से 18 जनवरी के दौरान खेली जाएगी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) इस हफ्ते के अंत तक टीम का ऐलान कर सकता है। पंत के बाहर होने की स्थिति में ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी हो सकती है, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। ईशान के अलावा जितेश शर्मा, संजू सैमसन जैसे विकेटकीपर्स के नामों पर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि आखिरी फैसला चयनकर्ताओं को ही लेना है।

2024 में खेला था आखिरी वनडे मैच

ऋषभ पंत ने भारत के लिए आखिरी वनडे 7 अगस्त 2024 को श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेला था। पंत आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में भी भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। अब चयनकर्ता न्यूजीलैंड सीरीज के लिए आगे बढ़ने का मन बना चुके हैं। ऋषभ पंत इस समय विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में दिल्ली की कप्तानी कर रहे हैं।

टेस्ट कोच बने रहेंगे गंभीर

मुंबई, जेएनएन। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि टेस्ट टीम के नए कोच के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से संपर्क किए जाने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने टेस्ट टीम के लीडरशिप ग्रुप में बदलाव को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। सैकिया ने कहा यह खबर पूरी तरह तथ्यहीन है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई इसका सीधा खंडन करता है। लक्ष्मण को कोच बनाए जाने की खबर हाल के दिनों में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया था कि टेस्ट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्मण को अगला टेस्ट कोच बनाया जा सकता है। यह अटकलें ऐसे समय में सामने आईं, जब भारत को घर में साउथ अफ्रीका से 2-0 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। वनडे-टी-20 में भारत का प्रदर्शन मजबूत टेस्ट क्रिकेट में हालिया नाकामियों के उलट, सीमित ओवरों में टीम इंडिया का प्रदर्शन मजबूत रहा है। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप टी20 बिना कोई मैच हारे जीता।

फिट होकर लौटेंगे गिल

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में वापसी तय मानी जा रही है। गर्दन की चोट के कारण वह साउथ अफ्रीका सीरीज से बाहर थे, लेकिन अब फिट होकर लौट रहे हैं। हालांकि उप-कप्तान श्रेयस अय्यर की उपलब्धता पर अभी संशय बना हुआ है क्योंकि उन्हें पूरी तरह फिट घोषित नहीं किया गया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में केएल राहुल ने टीम की कप्तानी की थी और भारत को 2-1 से सीरीज जिताई थी।

दो साल बाद वापसी

पंत की गैरमौजूदगी में ईशान दो साल बाद वनडे टीम में लौट सकते हैं। ईशान ने आखिरी बार 2023 को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी की। ईशान ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में सबसे ज्यादा रन बनाए और झारखंड को उसका पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

टी-20 के सबसे बड़े स्कोर के साथ टीम इंडिया ने लगाया जीत का चौका

श्रीलंका के साथ 5 मैचों की सीरीज में भारतीय टीम को मिली 4-0 की बढ़त

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। इंडिया विमेंस ने रविवार को अपना सबसे बड़ा टी-20 स्कोर बनाकर श्रीलंका को हरा दिया। टीम ने चौथे मैच में 30 रन से जीत हासिल की। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में श्रीलंका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 221 रन बना दिए, टीम से शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने 162 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। बड़े टारगेट के सामने श्रीलंका से कप्तान चमारी अटापट्टू ने फिफ्टी लगाई, लेकिन टीम 191 रन ही बना सकी। यह टी-20 में श्रीलंका का भी बेस्ट स्कोर रहा। भारत से गेंदबाजी में वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी ने 2-2 विकेट लिए। चौथा मुकाबला जीतकर भारत ने सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त भी बना ली। पांचवां मुकाबला 30 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम में ही खेला जाएगा। ओपनर स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की फिफ्टी की बदौलत भारत ने 2 विकेट पर 221 रन बनाए। शेफाली ने सीरीज में लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई। वे 79 रन बनाकर आउट हुईं। मंधाना ने 35 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 80 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इस पारी के साथ मंधाना ने अपने 10 हजार इंटरनेशनल रन भी पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी महिला क्रिकेटर बन गईं। मिडिल ऑर्डर में ऋचा घोष ने 16 गेंदों पर 40 रन नाबाद बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 10 गेंदों पर 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारतीय टीम ने पहले 3 टी-20 जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। टीम ने 2 मुकाबले 8 विकेट और एक मुकाबला 7 विकेट के अंतर से जीता।

बेस्ट स्कोर बनाकर भी हारी श्रीलंका

222 रन के टारगेट के सामने श्रीलंका विमेंस ने तेज शुरुआत की, टीम ने 5 ही ओवर में 58 रन बना लिए। हसिनी परेरा फिर 20 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हो गईं, उनके बाद कप्तान चमारी अटापट्टू ने फिफ्टी लगा दी। उन्होंने इमेशा दुलानी के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। अटापट्टू 52 और दुलानी 29 रन बनाकर आउट हुईं। 129 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद भी श्रीलंका ने तेजी से बैटिंग की। टीम ने 6 विकेट खोकर 191 रन बना दिए। लोअर ऑर्डर में निलाक्षी डी सिल्वा ने 23 रन बनाए। भारत से श्री चरणी ने भी 1 विकेट लिया, वहीं एक बैटर रन आउट हुईं।

वो 24 कैरेट गोल्ड हैं... विराट की टेस्ट क्रिकेट में वापसी हो: सिद्धू

नई दिल्ली, जेएनएन। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज में दो शतक और एक अर्धशतक जड़े थे। फिर विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में उन्होंने दिल्ली के लिए एक शतक और एक पचासा जमाया है। विराट कोहली के अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भाग लेने की संभावना है, जो 11 जनवरी से होगी। किंग कोहली ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। कोहली के इस फैसले से सब चौंक गए थे। हाल ही में भारत को अपने घर पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद फैन्स और कुछ क्रिकेट विशेषज्ञों ने विराट कोहली से वापस टेस्ट क्रिकेट में लौटने की गुजारिश की। पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भगवान से ये विश मांगी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, अगर भगवान मुझे एक वरदान देते, तो मैं कहता कि कोहली को संन्यास से वापस लाकर टेस्ट क्रिकेट खिलाओ। 1.5 बिलियन की आबादी वाले देश के लिए इससे ज्यादा खुशी और उत्साह की बात और क्या हो सकती है। उनकी फिटनेस बीस साल के लड़के जैसी है। वो खुद 24 कैरेट गोल्ड के समान हैं।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास सबसे तेज पूरे किए 10 हजार रन

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 मैच के दौरान 10 हजार इंटरनेशनल रन पूरे किए। वह महिला क्रिकेट में सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाली क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने सिर्फ 281 पारियों में ये मुकाम हासिल किया। स्मृति मंधाना अंतराष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट, वनडे और टी20) में 10,000 रन बनाने वाली दूसरी भारतीय और दुनिया की चौथी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। मिताली राज 10 हजार इंटरनेशनल रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर थीं। स्मृति ने मिताली राज, सूजी बेट्स और चार्लोट एडवर्ड्स जैसी दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। मंधाना से पहले भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। मुकाम स्मृति मंधाना ने इस जादुई आंकड़े को छूने के लिए केवल 281 पारियों का सहारा लिया। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। मिताली ने जिन्होंने 291 पारियों में 10868 इंटरनेशनल बनाए हैं।

2025 में भारतीय बैडमिंटन

युवाओं ने जगाई उम्मीद, सात्विक सेन और चिराग ने जीते खिताब

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय बैडमिंटन के लिए वर्ष 2025 उतार चढ़ाव वाला रहा जिसमें कई प्रमुख खिलाड़ियों को फॉर्म हासिल करने के लिए जूझना पड़ा, लेकिन लक्ष्य सेन का एक खिताब, सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी का विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना और युवा खिलाड़ियों की शानदार प्रगति ने उम्मीद की किरण भी जगाई। भारतीय खिलाड़ियों को इस वर्ष फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से भी जूझना पड़ा जिसका असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा। इस सत्र में भारतीय खिलाड़ियों की सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि सेन की ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत रही। सेन ने 2023 में कनाडा ओपन के बाद पहली बार सुपर 500 खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 जीतने के बाद यह उनका पहला खिताब था। हांगकांग ओपन में वह उपविजेता रहे थे।

गुजरता साल 2025 यादगार लम्हे

सात्विक-चिराग ने पेरिस विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

सात्विक और चिराग ने सत्र की शुरुआत में चोट और बीमारी से जूझने के बावजूद भारत की प्रमुख युगल जोड़ी के रूप में अपनी स्थिति को फिर से स्थापित किया। इस जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनकर साल का सकारात्मक अंत किया।

याद दिलाए पुराने दिन

किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में वापसी की झलक दिखाई लेकिन वह कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए। मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहकर उन्होंने पुराने दिनों की याद दिलाई लेकिन लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म नहीं कर सके। सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने महिला युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

तन्वी ने ध्यान खींचा

सोलह वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी जगह बनाई थी तथा सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर इस सत्र की सबसे शानदार जीत में से एक हासिल की। तन्वी ने गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहकर वर्ष का समापन किया।

युवा पीढ़ी से आयुष के उत्साहजनक संकेत

भारतीय बैडमिंटन में वर्ष 2025 में सबसे उत्साहजनक संकेत युवा पीढ़ी से मिले। 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 जीता और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जापान के कोदाई नाराओका, पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू, चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और कनाडा के ब्रायन यांग पर भी उल्लेखनीय जीत दर्ज की, जिससे उनकी शानदार प्रगति का पता चलता है।

सीनियर खिलाड़ियों ने निराश किया

चीन मास्टर्स में पीवी सिंधू पर उनकी जीत ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुवाहाटी मास्टर्स में संस्कार सारस्वत ने अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। भारत के सीनियर खिलाड़ियों के लिए हालांकि वर्ष 2025 काफी हद तक निराशाजनक साबित हुआ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू तीन बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन उन्हें छह बार पहले दौर में और चार बार दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की समस्या ने उनके अभियान को बाधित किया, जिसके बाद पैर में चोट लगने के कारण उन्हें अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिताओं से नाम वापस लेना पड़ा।

सिटी स्पोर्ट्स

डीजीपी एकादश बनी डिपार्टमेंटल वर्ग की चैंपियन

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। स्वर्गीय ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइज कप क्रिकेट प्रतियोगिता का डिपार्टमेंटल वर्ग का फाइनल डीजीपी एकादश व नगर निगम कमिश्नर एकादश के बीच खेला गया। नगर निगम कमिश्नर एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित ओवरों में 134/10 रन बनाये। अजय सिंह ने 40 रन, रवि नरवारे ने 25 रन रणवीर वैद्य ने 21 रन और विजय पारोचे ने 12 रन बनाए। डीजीपी एकादश की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट शुभम चौहान ने 3 विकेट और राहुल रावत ने 2 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए डीजीपी एकादश ने 17.4 ओवरों में 138/7 रन बना कर मैच को तीन विकेट से जीत कर खिताब अपने नाम किया। दिशांत खरे ने 30 रन, गौरव सिंह भदौरिया ने 24 रन, हिमांशु तिवारी ने 18 रन और नरेन्द्र रायकवार ने 17 रन बनाए। नगर निगम कमिश्नर एकादश की ओर से फहद खान ने 4 विकेट मुदस्सर आलम ने 2 और रणवीर वैध ने एक विकेट लिया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए अरुण सिंह को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच समाप्ति के पश्चात प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि श्री मान शांति कुमार जैन सचिव भोपाल संभाग क्रिकेट संघ ने श्री मान संदीप डोंगर सिंह सह सचिव भोपाल संभाग क्रिकेट संघ की अध्यक्षता में किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में श्री गुरेंद्र अग्निहोत्री, डी के जैन, राजेंद्र राव, अतुल खरे, अभिषेक, मोहम्मद शाहिद, अंकित शर्मा, स्वदेश सिंह कुशवाह, राकेश सिंह बिष्ट बब्लू, विनय शुक्ला, नंद जीत सिंह, के डी गुप्ता आदि उपस्थित थे।

स्व. ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइज कप क्रिकेट प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में मैन ऑफ द मैच फाइनल-अरुण सिंह (डीजीपी एकादश) **श्रेष्ठ बल्लेबाज**-विजय पारोचे (नगर निगम कमिश्नर एकादश), **श्रेष्ठ गेंदबाज**-शुभम चौहान (डीजीपी एकादश), **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट**-हिमांशु तिवारी (डीजीपी एकादश), **श्रेष्ठ अनुशासित टीम**-माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल, **उप- विजेता**-नगर निगम कमिश्नर एकादश, **विजेता**-डीजीपी एकादश।

कीर्तना ने कराटे में जीता दो स्वर्ण अब करेंगी मप्र का प्रतिनिधित्व

राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

भोपाल। कीर्तना पिल्लई ने 27 दिसंबर को नर्मदापुरम, मप्र में आयोजित 44वीं मध्य प्रदेश राज्य कराटे चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते। वह 6 वर्ष की आयु से कराटे खेल रही हैं और इससे पहले भी उन्होंने कई जिला, राज्य और राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप जीती हैं। कीर्तना की माता कविता और पिता अजय पिल्लई पेशे से डॉक्टर हैं। उनके पिता डॉ. अजय पिल्लई मप्र के जाने माने डेंटल सर्जन हैं। वह भोपाल के गोविंदपुरा स्थित कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा हैं और योद्धा मार्शल आर्ट्स से जुड़ी हैं। उनके कोच वासुदेवन नायर, संजय तावत और सुजाता नायर ने कीर्तना की उपलब्धि पर खुशी जताई है। उनका चयन राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हो गया है और वह मप्र का प्रतिनिधित्व करेंगी।

आर्सेनल शीर्ष पर बरकरार, मैनचेस्टर और एस्टन विला भी मुकाबले में

मैनचेस्टर, जेएनएन। आर्सेनल ने ब्राइटन के अंतिम समय में जोरदार पलटवार से बचकर 2-1 से जीत हासिल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला स्थान बरकरार रखा, लेकिन मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला भी उससे ज्यादा दूर नहीं हैं। शीर्ष स्थान के लिए इन तीन टीमों के बीच कड़ी टक्कर है। तालिका में पहले और तीसरे स्थान के बीच केवल तीन अंकों का अंतर है। नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 2-1 से जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी ने कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था लेकिन इसके कुछ देर बाद आर्सेनल ने ब्राइटन को इसी अंतर से हराकर फिर से पहला स्थान हासिल कर दिया। वह मैनचेस्टर सिटी से दो अंक आगे है। एस्टन विला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। इस तरह से उसने सभी प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने का अपना सिलसिला 11 मैच तक पहुंचा दिया है। आर्सेनल के अब 18 मैच में 42 जबकि मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 40 और एस्टन विला की 39 अंक हैं। लिवरपूल चौथे स्थान पर है लेकिन उसके 32 अंक हैं।

कलेक्टर आज करेगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल 29 दिसंबर को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगी। बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आरंभ होगी। बैठक में धान उपार्जन, खाद वितरण, ई-ऑफिस व्यवस्था की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

नाइट क्लब बीयर बार के संचालक ने कर्मचारी को मारी गोली, हालत गंभीर

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के दीनदयालधाम कॉलोनी के पास बीती रात सामने आई घटना

जागरण, रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रा दीनदयाल धाम मोहल्ले में एनएच किनारे संचालित नाइट क्लब बीयर बार में बीती रात गोलीकांड की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया। बीयर बार के संचालक ने अपने कर्मचारी को मामूली कहासुनी के बाद गोली मार दी। घायल कर्मचारी को घटना के बाद संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं पुलिस ने आरोपी संचालक को हिरासत में लिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बार संचालक एलबी सिंह का विवाद कर्मचारी जमुना सिंह बघेल निवासी अहिरगांव से हो गया था, जिसके बाद एलबी सिंह ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उन्हें गोली मार दी। इस दौरान दो गोलियां जमुना सिंह के शरीर में लगी हैं जबकि एक मिस फायर हुआ है। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ है। घटना शनिवार की रात करीब 12 बजे के आसपास की बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी संचालक मौके से भाग निकला और अपने घर में छिपा हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के घर की घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर पिस्टल जब्त कर ली है, मौके से पुलिस को तीन खोखे भी मिले हैं। सीएसपी राजीव पाठक ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है साथ ही पिस्टल के लाइसेंस निरस्तगी के लिए भी जिला प्रशासन से पत्राचार किया गया है। आधी रात नाइट क्लब बीयर बार में गोली चालन की वारदात के बाद मौके पर हड़कंप मच गया था। आनन फानन में पुलिस सूचना के बाद मौके पर पहुंची थी, जिसके बाद सिविल लाइन थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा गुढ़ थाना प्रभारी सेल यादव की टीम ने आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार करने के साथ उसके पास से लाइसेंसी पिस्टल भी जब्त की।

पत्नी संजय गांधी अस्पताल में है गार्ड

गोलीकांड में घायल बीयर बार के कर्मचारी जमुना सिंह बघेल निवासी अहिरगांव की पत्नी पूजा सिंह संजय गांधी अस्पताल में गार्ड के पद पर पदस्थ है। घटना की जानकारी के बाद पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था। चिकित्सकों के मुताबिक घायल जमुना के पेट में गोली लगी है, जिसकी हालत अब पहले से बेहतर है। बताया गया कि बीयर बार संचालक एलबी सिंह ने नशे की हालत में जमुना सिंह बघेल के ऊपर तीन फायर किए जिसमें दो गोलियां उसके शरीर पर लगीं। फिलहाल पुलिस आरोपी को अपनी कस्टडी में लेकर पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई में लगी हुई है।

एसपी ने किया शहर भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

पुलिस को विशेष चेकिंग के साथ अलर्ट रहने के दिए निर्देश

रीवा। तीन दिन बाद नए साल का आगाज हो जाएगा। पुराने साल की विदाई और नए साल के आगमन को लेकर युवा वर्ग में काफी उल्लास दिखता है। आगामी नव वर्ष में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने रविवार की रात शहर भ्रमण कर सुरक्षा-यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने पुलिस अधिकारियों को वाहन चेकिंग के साथ बदमाशों और असमाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों को भी कड़ी चेतावनी दी है। नववर्ष के अवसर पर रीवा पुलिस अधीक्षक शहर में स्वयं भ्रमण पर निकले और कानून-व्यवस्था, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का विस्तार से निरीक्षण किया। नए साल के जश्न को देखते हुए प्रमुख सड़कों, चौराहों, बाजार क्षेत्रों, होटल-ढाबों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस तैनाती की उन्होने समीक्षा की। एसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों की खैर नहीं। ड्रिंक-एण्ड-ड्राइव के मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए चेकिंग प्वाइंट बढ़ाने, रात्री गश्त तेज करने और नियम तोड़ने वालों पर तत्काल चालान व वैधानिक कार्रवाई करने के आदेश दिए है। इसके साथ ही हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीड और गलत दिशा में वाहन चलाने पर भी सख्ती बरतने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों से संवाद कर सुरक्षित व शांतिपूर्ण तरीके से नववर्ष मनाने की अपील की गई, ताकि शहर में शांति, सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनी रहे।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

साइबर ठगों ने खाते से पार कर दिए 93 हजार रुपए, पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

बिछिया थाना क्षेत्र की घटना

जागरण, रीवा। साइबर फ्रॉड का शिकार कब कौन हो जाए कोई भरोसा नहीं। आए दिन साइबर ठग लोगों के खाते में हाथ साफ कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला बीती रात बिछिया थाना क्षेत्र के मोहल्ले में सामे आया। साबइर ठगों ने युवक के खाते से 93 हजार रुपए पार कर दिए। पीड़ित युवक ने घटना की शिकायत साइबर सेल और पुलिस से की है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक युवक के बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 93 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित युवक राहुल सोनी ने बताया कि उसकी शिल्पी प्लाजा बाजार में मोबाइल की दुकान है। वह रोज की तरह दुकान बंद शनिवार को कर घर गया था। रात करीब 10.30 बजे, जब वह घर पर खाना बना रहा था, तभी उसके मोबाइल पर खाते से 93 हजार रुपये कटने का मैसेज आया। यह मैसेज देखते ही उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने तत्काल बिछिया थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से साइबर फ्रॉड करने वालों का पता लगाने में जुटी हुई है। राहुल सोनी का कहना है कि उसके साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर ठगी की गई है, और उसे उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही आरोपियों तक पहुंचेगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और लोगों से सतर्क रहने की अपील भी कर रही है, ताकि इस तरह की साइबर ठगी से बचा जा सके।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आज

रीवा। जनजातीय कार्य विभाग में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता और मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक 29 दिसम्बर को दोपहर 12.30 बजे से कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गई है। इसकी अध्यक्षता कलेक्टर प्रतिभा पाल करेंगी। समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

मैन्युअल स्कैवेंजिंग की निगरानी समिति की बैठक आज

रीवा। मैन्युअल स्कैवेजिंग की जिला स्तरीय सतर्कता और निगरानी समिति की बैठक 29 दिसम्बर को आयोजित की गई है। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर 12 बजे आरंभ होगी। प्रभारी जिला संयोजक रूचि तिवारी ने समिति के सदस्यों तथा संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

सुबह 10 बजे से पूर्व नहीं लगेंगी स्कूलें

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिले के तापमान में अचानक आई गिरावट के कारण विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी शासकीय-अशासकीय अनुदान प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई तथा माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं समस्त बोर्ड से संचालित विद्यालय में कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक का संचालन सुबह 10 बजे से पूर्व न किया जाए।

सड़क दुर्घटना में अज्ञात युवक की मौत

रीवा। सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात युवक की जान चली गई। पुलिस ने शव को संजय गांधी अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया है, साथ ही उसकी शिनाख्तगी के प्रयास किए जा रहे है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक रीवा- गुढ़ रोड़ में बदरांव के पास युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की उम्र तकरीबन 45 साल के आसपास बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों का पता लगाने में लगी हुई है, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।

कोहरे के बीच पिकअप ट्रक से टकराया चालक खलासी बाल-बाल बचे

मऊगंज एनएच 135 में हुआ हादसा

जागरण, रीवा। राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर मऊगंज जिले के हनुमना थाना क्षेत्र के दुबगवां मोड़ के पास घने कोहरे के कारण एक सड़क हादसा हो गया। कोहरे में दृश्यता कम होने से तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने आगे चल रहे ट्रक को पीछे से जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में पिकअप चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलते ही हनुमना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। प्राथमिक जांच में हादसे का कारण घना कोहरा और लापरवाही से वाहन चलाना माना जा रहा है। हनुमना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि कोहरे के दौरान सावधानी बरतें, सीमित गति रखें और सुरक्षित दूरी बनाकर वाहन चलाएं।

सड़क हादसे में युवक की मौत पर ग्रामीणों ने किया चकाजाम

सड़क निर्माण कार्य में लगी एजेंसी पर लगाया लापरवाही का आरोपी

जागरण, रीवा। गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क दुर्घटना में युवक की मौत के बाद परिजनों सहित ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर आ गया। सड़क निर्माण कर रही कंपनी पर कार्यवाही और मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का आश्वासन दिए जिसके बाद परिजन मानने को तैयार हुए। घटना के संबंध में हासिल जानकारी के मुताबिक सड़क हादसे में हुई युवक की मौत के बाद परिजनों ने रीवा मुकुंदपुर मार्ग पर चकाजाम कर दिया था। घटना गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तमरा में एक दिन पूर्व सामने आई थी। मृतक रवि सोधिया निवासी तमरा के परिजनों ने बताया कि वह बीती रात अपने तीन दोस्तों के साथ रीवा से दुकान में काम कर बाइक से वापस गांव आ रहा था। इसी दौरान गांव के समीप ही सड़क पर सड़क निर्माण कर रही कंपनी द्वारा डाली गई मिट्टी में बाइक फिसल गई जिससे वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। घायल को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए पहले रीवा लाया गया था जहां हालत नाजुक होने पर उसे नागपुर रेफर किया गया जहां रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। रविवार की सुबह मृतक रवि का शव लेकर परिजन रीवा पहुंचे और रीवा-मुकुंदपुर मार्ग में शव रखकर चका जाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि सड़क निर्माण कर रही बालाजी कंपनी की लापरवाही के चलते युवक की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सड़क पर मिट्टी गिराए जाने से रवि की बाइक उसमें चढ़ गई और अनियंत्रित होकर वह हादसे का शिकार हो गया। परिजनों मांग कर रहे थे कि उन्हे मुआवजा दिलाया जाए साथ ही लापरवाहों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्रवाई और मुआवजे का आश्वासन दिलाते हुए परिजनों को शांत कराया।

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने में सरकार नाकाम

रीवा। कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट सरकार की विफलता, उदासीन रवैया और राजनीतिक संरक्षण का भयावह परिणाम है। श्री तिवारी ने कहा कि दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाइयाँ और बच्चों के पोषण आहार तक सुरक्षित नहीं हैं। उनका आरोप है कि खाद्य सुरक्षा विभाग केवल औपचारिकताएँ निभा रहा है, जबकि बड़े मिलावटखोर राजनीतिक संरक्षण में निडर होकर जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएसएआई से प्राप्त डाटा के मुताबिक मध्यप्रदेश नकली एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों में तीसरे स्थान पर है, जहां पिछले वर्ष की तुलना में 600 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण पर गंभीर खतरा बना हुआ है। श्री तिवारी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को एफएसएसएआई और केंद्रीय खाद्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से पूरे प्रदेश में विशेष जांच दल या टास्क फोर्स बनाकर, जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों और उनके प्रशासनिक एवं राजनीतिक संरक्षक पर सख्त कार्यवाही करना चाहिए।

मिनी ट्रक चालक ने कार को मारी टक्कर

एयरबेग खुलने से कार चालक बाल-बाल बचा, कार हुई क्षतिग्रस्त

जागरण, रीवा। शहर के एजी कॉलेज तिराहा पर रविवार रात एक मिनी ट्रक चालक ने सामने से आ रही ब्रेजा कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, समय रहते एयर बेग खुल जाने से कार चालक बाल-बाल बच गया। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। मिनी ट्रक क्रमांक यूपी-डी-9948 माल भरकर मण्डी की ओर जा रहा था, तभी एजी कॉलेज तिराहे पर सामने से आ रही ब्रेजा कार को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। मिनी ट्रक व कार की टक्कर से उक्त क्षेत्र में कुछ समय के लिए जाम की स्थिति निर्मित हो गई। कार पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ट्रक का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को रवाना करवाया और फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

छात्र के साथ बाइक सवार युवकों ने की मारपीट

शहर के समान थाना क्षेत्र के शारदापुरम के पास की घटना

जागरण, रीवा। शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत शारदा पुरम के पास टीआरएस कॉलेज में अध्यनरत छात्र के साथ मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में शारदा पुरम निवासी आदित्य मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि वह अपने दोस्त सर्वेश मिश्रा के साथ शारदा पुरम से पैदल अपनी बड़ी मम्मी के यहां बीती शाम जा रहा था, जैसे ही वह घर से कुछ दूर पहुंचा तभी कई बाइकों में सवार होकर युवक उससे पैसे मांगने लगे, इसी बात को लेकर वाद विवाद बढ़ा और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने लाठी डंडे पत्थर से उनके साथ मारपीट की है जिसकी शिकायत सामान थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और जिन संदेहियों के नाम सामने आए हैं उनकी तलाश की जा रही है।

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now
8770352872,7024352872
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक : शॉप नं. 86 तानसेन कॉप्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

नव वर्ष में होगा महाआरती का भव्य आयोजन

रीवा। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नगर में सनातन परंपराओं का निर्वहन करते हुए महाआरती के साथ वर्ष 2026 का स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रीवा नगर का यह कार्यक्रम इस वर्ष अपने 11वें वर्ष में प्रविष्ट कर रहा है । इस संबंध में कार्यक्रम की एक अंतिम बैठक साईं मंदिर में संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प सभी सदस्यों द्वारा लिया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजन ज्योतिषविद् राजेश साहनी ने बताया की 1 जनवरी को शाम 4:00 बजे से महाआरती प्रारंभ होगी । इसके पूर्व दोपहर 2:00 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे ,जिसमें राधा कृष्ण की लीलाओं का मंचन एवं उत्सव एवं नृत्य उत्सव की रंगारंग प्रस्तुति की जायेगी। महाआरती कार्यक्रम के पश्चात रिदम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति की जाएगी जो की देर रात तक चलेगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए साईं सेवा संस्थान के अध्यक्ष अजय धमीजा ने बताया कि नव वर्ष के उपलक्ष्य में टीम की तरफ से लगभग 600 किलो शुद्ध घी से निर्मित हलवे के प्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं के मध्य किया जाएगा। महाआरती में सम्मिलित होने वाले सभी लोग पारंपरिक वेशभूषा में रहेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से साईं मंदिर के प्रधान पुजारी मनसुख लाल, वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी राज नारायण मिश्रा विवेक महिंद्रा श्रीप्रकाश तोमर उमादत्त सिंह महेश लेडवानी अभिलाष लालवानी सनी चंदवानी दीपक खेमचंदानी, धर्मेंद्र कुशवाहा बसंत अग्रवाल अनूप दुबे पंडित नरोत्तम मिश्रा शास्त्री अश्वनी सिंह रजनीश पांडे मनीष साहनी रोहित थापर आदि सदस्य उपस्थित रहे।

Minerva The Medicity A MULTI SUPERSPECIALITY HOSPITAL
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
दिनांकः 03,04,05 जनवरी 2026
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
* IUI, IVF, ICSI
* फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
* एग फ्रीजिंग
* एंब्रियो फ्रीजिंग
* स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com